ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 07 फरवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-37

नए हवाई अड्डे के लिए 4,400 एकड़ भूमि की आवश्यकता: शिवकुमार @ नम्मा बेंगलूरु

अमेरिका के रिपब्लिकन सासंद ब्रायन मास्ट का सनसनीखेज खुलासा

नेपाल में हिंदू राष्ट्र खत्म करने के लिए दिए थे 5 लाख डॉलर!

अमेरिका के रिपब्लिकन सासंद ब्रायन मास्ट ने दावा किया है कि नेपाल के हिंदू राष्ट्र की संवैधानिक मान्यता खत्म कर धर्मनिरपेक्ष देश घोषित करने के लिए यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएड) की तरफ से 5 लाख डॉलर खर्च किया गया था। अमेरिकी प्रशासन द्वारा विश्वभर में यूएसएड के द्वारा होने वाले सभी फंडिंग रुकने और यूएसएड के दफ्तर को बंद करने के आदेश के बाद यह खुलासा हुआ है। यूएसएड को बंद करने के पीछे के कारणों की जानकारी देते हुए रिपब्लिकन सांसद ब्रायन मास्ट ने यह खुलासा किया है।

यूएसएड द्वारा अमेरिकी जनता के कर के पैसे का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए ब्रायन मास्ट ने दुनिया के कई देशों के उदाहरण के साथ ही नेपाल का भी उदाहरण दिया। मास्ट ने कहा कि तत्कालीन अमेरिकी डेमोक्रेटिक पार्टी की सरकार ने नेपाल में नास्तिकता फैलाने के नाम पर हिंदू राष्ट्र की संवैधानिक

तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन की आपराधिक हरकतें उजागर

शुभ-लाभ सरोकार

घोषणा समाप्त करने के लिए 5 लाख अमेरिकी डॉलर खर्च किए थे। मास्ट ने कहा कि नेपाल विश्व का एकमात्र हिंदू राष्ट्र की संवैधानिक मान्यता वाला देश था लेकिन नास्तिकता का विस्तार करने के नाम पर 5 लाख डॉलर खर्च कर उसको धर्मनिरपेक्ष देश घोषित कराया गया। तत्कालीन बाइडेन प्रशासन ने भी नेपाल में नास्तिकता को बढ़ावा देने के लिए पांच लाख अमेरिकी डॉलर खर्च किए। उल्लेखनीय है कि रिपब्लिकन सांसद ब्रायन मास्ट ओवरसाइट और अकाउंटेबिलिटी पर हाउस फॉरेन अफेयर्स सब-कमेटी के अध्यक्ष हैं।

बाइडेन प्रशासन में प्रबंधन और संसाधन के लिए राज्य के उप सचिव रहे रिचर्ड आर. वर्मा ने 21 मार्च को उपसमिति के समक्ष गवाही दी, क्योंकि इसी विभाग ने निरीक्षण के साथ विदेश विभाग के अनुपालन का मूल्यांकन किया था। वर्मा की गवाही के दौरान, रिपब्लिकन नेता ब्रायन मास्ट ने उनसे कहा कि विभाग के अनुदान अनुरोध दस्तावेज में उल्लेख किया गया है कि इसने नेपाल में नास्तिकता को बढ़ावा देने के लिए धन दिया। रिपब्लिकन सांसद ब्रायन मास्ट द्वारा साझा किए गए वर्मा की गवाही के वीडियो में, ब्रायन मास्ट को उनसे पूछते हुए सुना जा सकता है, क्या राज्य (यूएस) विभाग के लिए अमेरिकी करदाताओं के पैसे से नास्तिकता को बढ़ावा देने के लिए आधा मिलियन डॉलर का अनुदान अधिकृत करना उचित है? इस पर, बाइडेन प्रशासन के अधिकारी वर्मा ने जवाब दिया, संयुक्त राज्य अमेरिका की तरफ से किसी भी धर्म या गैर-धर्म को बढ़ावा देने के लिए अनुदान देना उचित नहीं होगा। वर्मा ने जब स्वीकार किया कि अमेरिका के लिए गैर-धर्म (नास्तिकता) सहित किसी भी धर्म को बढ़ावा देना उचित नहीं होगा, तो ब्रायन मास्ट ने नेपाल में नास्तिकता को बढ़ावा देने के लिए 500,000 डॉलर का अनुदान देने के बारे में पूछताछ की। उन्होंने वर्मा से पूछा, नास्तिकता के विस्तार के लिए नेपाल को आधा मिलियन डॉलर का अनुदान, क्या आपको लगता है कि यह धन का उचित उपयोग है? बाइडेन प्रशासन के अधिकारी रहे वर्मा ने कहा कि नेपाल को ▶10पर

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर राज्यसभा में बोले पीएम मोदी

अभिभाषण समझना कांग्रेस के बूते में नहीं

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अभिभाषण समझना कांग्रेस के बूते के बाहर है। राष्ट्रपति का अभिभाषण देश की 140 करोड़ जनता के विश्वास और विकास पर केंद्रित था। राष्ट्रपति ने विस्तार से चर्चा की और देश को आगे की दिशा दिखाई। राष्ट्रपति का अभिभाषण प्रभावी भी था और हम सबके लिए भविष्य के काम पर मार्गदर्शक भी था। इसे जिसने जैसा समझा, वैसे समझाया। सबका साथ, सबका विकास पर यहां बहुत कुछ कहा गया। इसमें कठिनाई क्या है। ये तो हम सबका दायित्व है। जहां तक कांग्रेस का सवाल है, उनसे इसके लिए कोई अपेक्षा करना बहुत

फैमिली फर्स्ट वाली कांग्रेस कैसे समझे नेशन-फर्स्ट!

विकास और विश्वास कांग्रेस की समझ के बाहर है

बड़ी गलती होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि फैमिली-फर्स्ट वाली कांग्रेस पार्टी नेशन-फर्स्ट की महत्ता कैसे समझ सकती है!

पीएम मोदी ने कहा कि, ये उनकी सोच, समझ के बाहर है और रोडमैप में भी सूट नहीं करता। इतना बड़ा दल एक परिवार के लिए समर्पित हो गया है। उसके लिए ये संभव ही नहीं है। कांग्रेस के मॉडल में फैमिली फर्स्ट सर्वोपरि रहा है। देश की जनता ने हमें तीसरी बार लगातार सेवा का मौका दिया। ये बताता है कि देश की जनता ने हमारे विकास के मॉडल को परखा है, समझा है और समर्थन दिया है। हमारा ये मॉडल एक शब्द में कहना हो तो कहूंगा नेशन फर्स्ट। पीएम मोदी ने कहा कि, इसी उम्दा भावना के साथ वाणी-वर्तन, नीतियों में इसी एक बात को मानदंड मानकर सेवा करने का प्रयास किया है।

पीएम मोदी ने कहा कि लंबे समय तक देश को तराजू पर तौलने का कोई अवसर ही नहीं मिला था कि वैकल्पिक मॉडल क्या हो? 2014 में हमने देश को वैकल्पिक मॉडल दिया। जनता ने हमारे मॉडल को मंजूर किया। हमने तुष्टिकरण नहीं, संतुष्टिकरण का मॉडल दिया है। कांग्रेस का तरीका होता था कि जब चुनाव आए तब छोटे तबके को कुछ दे देना और बाकियों को तरसते देखना। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जबरदस्त हमला बोलते हुए कहा कि, झुनझुना बांटना, लोगों की आंखों पर पट्टी बांधकर अपनी सियासत को चलाए रखना। इनकी नजर वोट की खेती पर होती थी। हमारी कोशिश रही है कि भारत के पास जो भी संसाधन हैं, उनका इष्टतम उपयोग किया जाए। जो समय है, उसको भी बर्बादी से बचाकर के पल-पल का उपयोग जनकल्याण के लिए, देश की प्रगति के लिए खर्च हो। ▶10पर

राज्यसभा में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा

अवैध आव्रजन के धंधे पर सख्ती जरूरी

ट्रंप सरकार से कहा, निर्वासितों के साथ दुर्व्यवहार न हो

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अमेरिका से निर्वासित किए गए भारतीय नागरिकों के बारे में आज राज्यसभा में कहा कि यह सभी देशों का दायित्व है कि यदि उनके नागरिक विदेश में अवैध रूप से रहते हुए पाए जाते हैं तो उन्हें वापस ले लिया जाए। हम अमेरिकी सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वापस लौटने वाले निर्वासितों के साथ किसी भी तरह का दुर्व्यवहार न हो। डॉ. जयशंकर ने इसके साथ ही यह भी कहा कि अवैध आव्रजन के बढ़ते धंधे के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई आवश्यक है। विदेश मंत्री ने कहा कि सदन भी इस बात की सराहना करेगा कि हमारा ध्यान अवैध आव्रजन उद्योग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई पर है। ऐसा होना भी चाहिए। निर्वासितों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर कानून प्रवर्तन एजेंसियां एजेंटों और ऐसी एजेंसियों के खिलाफ आवश्यक, निवारक और अनुकरणीय कार्रवाई करेंगी।

जयशंकर ने कहा, अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे वापस लौटने वाले प्रत्येक व्यक्ति (अमेरिका से निर्वासित भारतीय) के साथ बातचीत करें और पता लगाएं कि वे अमेरिका कैसे गए, एजेंट कौन था और हम कैसे सावधानी बरतें ताकि यह फिर न हो। कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला के सवाल का जवाब देते हुए विदेश मंत्री ने कहा, हम जानते हैं कि ▶10पर

उजागर हो रहे वक्फ बोर्ड के कारनामे, सरकारी जमीनों पर दावा

यूपी में वक्फ बोर्ड की अवैध सम्पत्तियों का जखीरा

जेपीसी ने लोकसभा अध्यक्ष को सौंपा ब्यौरा

लखनऊ, 06 फरवरी (एजेंसियां)। वक्फ के नाम पर अवैध तरीके से सरकारी जमीनें कब्जाने में अयोध्या, शाहजहांपुर, रामपुर, जौनपुर और बरेली जिले सबसे आगे हैं। इनमें से प्रत्येक जिले में वक्फ बोर्ड दो हजार या उससे ज्यादा सम्पत्तियों पर अपना दावा कर रहा है। जबकि, राजस्व रिकॉर्ड में ये जमीनें सार्वजनिक उपयोग वाली श्रेणी में हैं। संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने यूपी की ऐसी वक्फ सम्पत्तियों का जिलेवार ब्यौरा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को दिया है। वक्फ बोर्ड के रिकॉर्ड में शाहजहांपुर में 2589 सम्पत्तियां दर्ज हैं, जिसमें से 2371 सरकारी सम्पत्तियां हैं। रामपुर में 3365 वक्फ सम्पत्तियों में ▶10पर

सीसीटीवी और अन्य स्रोतों से पहचाने गए 600 संदिग्ध

महाकुंभ भगदड़ में मिली हिंदू विरोधियों की मौजूदगी

प्रयागराज, 06 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में हुई भगदड़ के दौरान वहां पर सीएए-एनआरसी का विरोध करने वाले प्रदर्शनकारी मौजूद थे। कई आपराधिक इतिहास वाले लोग भी महाकुंभ में मौजूद थे। पुलिस इन सबको अब महाकुंभ में हुई भगदड़ के बाद जांच के दायरे में लिया है। वह लोग भी पुलिस के राडार में हैं, जो लगातार महाकुंभ को लेकर भ्रामक जानकारी सोशल मीडिया पर डाल रहे थे। इनमें से कई ने महाकुंभ को लेकर कई नकारात्मक पोस्ट की थीं। जांच एजेंसी एनआईए, उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) समेत प्रदेश की पुलिस मौनी अमावस्या की भगदड़ को साजिश के एंगल

सीएए-एनआरसी विरोधियों के कई चेहरे दिखे, तलाश जारी

से देख कर जांच कर रही हैं। उन्होंने इसके लिए महाकुंभ में मौजूद लोगों का डाटा निकालना चालू कर दिया है। रिपोर्ट बताती है कि पुलिस उन लोगों को अब नोटिस भेज रही है, जो मना किए जाने के बावजूद प्रयागराज महाकुंभ में गए। पुलिस ने महाकुंभ से पहले ही 1 लाख लोगों को प्रयागराज जाने को मना किया था। लेकिन कई लोग फिर भी पहुंचे। पुलिस उनकी भी जांच कर रही है जो बड़े प्रदर्शनों में शामिल रहे हैं। वाराणसी के ही 50 से अधिक गैर हिंदू प्रयागराज में पाए गए, उन्हें भी मना किया गया था। इसके अलावा जांच के दायरे में प्रतिबंधित इस्लामी संगठन पीएफआई के एजेंटों को भी लिया गया है। यह वह लोग हैं जो बीते कुछ महीनों में पकड़े गए हैं। सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के बाक़ी हिस्सों से भो पकड़े गए लोगों से पूछताछ हुई है। प्रयागराज महाकुंभ को लेकर जिन लोगों ने लगातार सोशल मीडिया पर सर्च किया, ▶10पर

दो यात्रियों से मिले 7.8 करोड़ के सोने के सिक्के

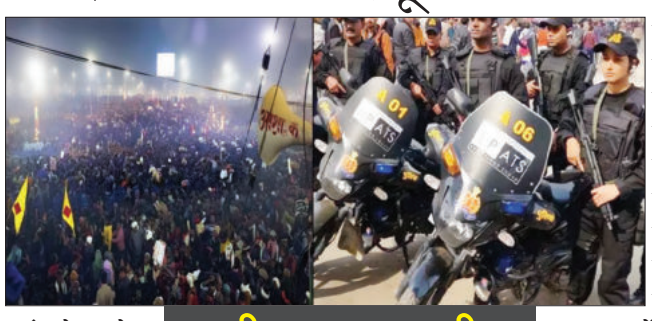

आईजीआई एयरपोर्ट पर 10 किलो से अधिक सोना जब्त

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग को बड़ी

सफलता हाथ लगी है। दो यात्रियों के पास से 7.8 करोड़ रुपए मूल्य के सोने के सिक्के जब्त किए गए हैं। जिसका वजन 10 किलोग्राम से ज्यादा बताया जा रहा है। आरोपी कश्मीर के रहने वाले हैं।

सीमा शुल्क विभाग ने बताया कि आईजीआई एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कस्टम विभाग की एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) ने पांच फरवरी को फ्लाइट एआई-138 से मिलान से आने वाले कश्मीर के दो पुरुष यात्रियों (आयु 45 और 43 वर्ष) को रोका। यात्रियों की व्यक्तिगत तलाशी में 10.092 किलोग्राम सोना बरामद हुआ, जिसकी कीमत लगभग 7.8 करोड़ रुपए है। यात्रियों को कस्टम अधिनियम-1962 के तहत आगे की जांच के लिए हिरासत में लिया गया है। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 87,310/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 97,580/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम विजयवाड़ा

अधिकतम : 34^0

न्यूनतम : 21^0

केरल सरकार की धर्मनिरपेक्षता और कानून व्यवस्था दोनों फर्जी

यौन उत्पीड़न का शिकार 44 नाबालिगों ने आत्महत्या कर ली

तिरुअनंतपुरम, 06 फरवरी (एजेंसियां)। केरल की वामपंथी सरकार की तथाकथित धर्मनिरपेक्षता और कानून व्यवस्था दोनों ही फर्जी साबित हो रही है। प्रदेश में नाबालिगों के यौन शोषण के मामले गंभीर चिंता का विषय बन गए हैं। इनमें से अधिकांश मामले लव-जेहाद और साम्प्रदायिक कट्टरता से जुड़े हैं। आधिकारिक रूप से यह जानकारी सामने आई है कि केरल में वर्ष 2016 से अब तक 44 नाबालिग पीड़िताओं ने दुष्कर्म के बाद आत्महत्या कर ली है। केरल में यह स्थिति कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकाल में पैदा हुई है, जिसमें पिछले आठ वर्षों में 31,000 से अधिक पॉक्सो के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। इन आंकड़ों से राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग चिंतित है, लेकिन राज्य सरकार इस मसले पर मौन है।

केरल राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जघन्य अपराध पर सख्त कार्रवाई जरूरी है। इसके साथ ही पीड़ितों को उचित मनोवैज्ञानिक सहायता की भी आवश्यकता है। आघात से गुजरने वाली

धार्मिक कट्टरता के कारण अधिक बढ़ा यौन उत्पीड़न का अपराध

नाबालिग बच्चियां गहरे अवसाद का सामना करती हैं। यह उनके मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। आयोग ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे पीड़ितों को हर प्रकार की सहायता प्रदान करें।

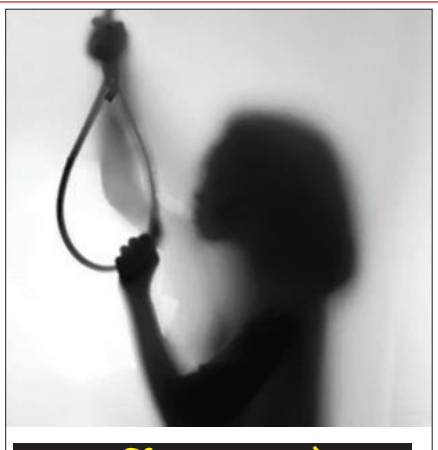

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि जून 2016 से लेकर साल 2024 तक में केरल में पॉक्सो के तहत 31, 171 केस दर्ज किए गए। 28, 728 लोगों की गिरफ्तारी भी हुई। साल 2022 के बाद से नाबालिगों से संबंधित यौन उत्पीड़न के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। जहां 2016 और 2021 के बीच हर साल लगभग 3,000 मामले दर्ज किए गए थे, वहीं 2022 में यह संख्या बढ़कर 4,518 हो गई। इसके बाद 2023 में 4,641 और 2024 में 4,594 मामले दर्ज हुए। इस प्रकार की घटनाओं ने समाज और सरकार दोनों को चिंतित किया है। केवल 2025 की बात करें तो साल की शुरुआत के 17 दिनों में 271 केस पॉक्सो के तहत दर्ज हो चुके हैं और करीब 175 गिरफ्तारियां भी हुई हैं। यौन उत्पीड़न का अपराध लव जेहाद और धार्मिक कट्टरता के कारण अधिक बढ़ा है।

केरल में नाबालिगों की स्थिति का खुलासा तब हुआ जब पिछले दिनों पठानमठिट्टा की दलित लड़की ने आरोप लगाया था कि 62 लोगों ने उसका यौन शोषण किया। इसमें उसके रिश्तेदार से लेकर उसके टीचर और दोस्त भी शामिल हैं।

लड़की की शिकायत के बाद ये मामला सनसनी की तरह फैला, फिर राज्य में अन्य मामलों पर चर्चा शुरू हो गई और सामने आया कि कैसे नाबालिगों के साथ यौन उत्पीड़न मामले न केवल बढ़े हैं बल्कि उनके आत्महत्या के मामले भी दर्ज किए गए हैं।

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

स्वदेशी मेले का उद्घाटन

आजादी के बाद स्वदेशी उत्पादों की खपत हुई कम: मंगेश भिंडे

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

कल्लूर लेआउट में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित स्वदेशी मेला कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय व्यवस्था प्रमुख मंगेश भिंडे ने कहा की आजादी के बाद हम भारतीयों द्वारा अपनी पहचान छोड़कर पश्चिमी संस्कृति का अनुकरण करने के कारण भारत में स्वदेशी उत्पादों की खपत में कमी आई है।

अभी हम सभी को जागरूक होकर हर घर को स्वदेशी होना चाहिए, हर सड़क स्वदेशी सड़क होनी चाहिए। मेले का उद्घाटन एक अनोखे अंदाज में किया गया। वीआरएल ग्रुप के चेयरमैन पद्मश्री डॉ. विजय संकेश्वर ने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच ने बड़ी मेहनत से स्वदेशी मेले का आयोजन किया है। राज्य के प्रत्येक तालुका स्तर पर स्वदेशी उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री की अनुमति दी गई है। लेकिन, स्वदेशी मेला सिर्फ 4-5 दिन के मेले तक सीमित नहीं रहना चाहिए। शंखेश्वर ने कहा कि मेले के बाद भी लोगों को चीजें उपलब्ध कराने के लिए स्टोर शुरू किए जाने चाहिए। इसलिए वीआरएल सदैव स्वदेशी वस्तुओं के व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए अग्रणी रहेगा। स्वर्णा ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन डॉ. वीएसवी प्रसाद ने कहा की अमेरिका, जापान, फ्रांस और चीन जैसे विश्व के उन्नत देशों ने अपनी मौलिकता नहीं छोड़ी है। वे किसी अन्य भाषा का उपयोग किए बिना व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए अपनी मूल भाषा का उपयोग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, उसी तरह हमारे अंदर भी स्वदेशी के प्रति जागरूकता जगानी चाहिए। स्वदेशी चीजों की बात हो रही है इनको आगे बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने रेलवे स्टेशन पर स्वदेशी उत्पादों की बिक्री और प्रदर्शन को सक्षम बनाया है। स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग से देश का विकास संभव है। इस दौरान गुरु रेवनसिद्देश्वर संस्थान विरक्तमठ के अभिनव रेवनसिद्देश्वर स्वामी जी और रामकृष्ण विवेकानंद आश्रम के अध्यक्ष स्वामी विजयानंद सरस्वती ने आशीर्वचन प्रदान किए। विधायक महेश तेंगिनाकाई, स्वदेशी मेला आयोजन समिति के जयतीर्थ कट्टी, संदीप बुदिहाल, सुभाष सिंह जमादार, अचिता अकालावादी, रघु आकमंची, बीजेपी नेता अभिषेक मेहता, योग गुरु भंवरलाल आर्य, विश्व हिन्दू परिषद हुब्बल्ली महानगर सेवा प्रमुख सुभाष चंद्रा डंक, किशोर पटेल, तांबा राम चौधरी सहित अन्य उपस्थित थे।

धर्म संघ से जुड़ना ही काफी नहीं धर्म से भी जुड़े

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री महाश्रमण की विदुषी सुशिष्या साध्वी उदितयशा जी के सानिध्य में तेरापंथ युवक परिषद का कम कनेक्ट एंड करेक्ट का आयोजन आराधना भवन में किया गया।

साध्वी जी ने फरमाया कि किसी भी विकास यात्रा के लिए तीन बिंदु जरूरी है। धर्म संघ से जुड़ना ही काफी नहीं धर्म से भी जुड़े। जब साधु साध्वी विराजते हैं तो हमारी भावना ये जरूर होनी चाहिए कि आज दर्शन नहीं हुआ। श्रावक की यह भावना और चारित्र आत्माओं के दर्शन करने तक उनको मासखमन का लाभ दिलाता है। ऐसा संस्कृत के एक ग्रन्थ में उल्लेखित है। जिस दिन सेवा का महत्व समझ आएगा, उस दिन आपके ज्ञान का मार्ग खुल जाएगा। हमारे धर्म को जानने के लिए आज की युवा पीढ़ी आचार्य श्री भिक्षु स्वामी की जीवनी को पढ़े जिनकी 300वीं जन्म जयंती आने वाली है और जाने की किस तरह उन्होंने हर संकट में मर्यादा में रहते हुए धर्म को जिया। अपने बच्चों को अनुशासन सिखाने के लिए आपको अनुशासित होना होगा। आचार्य श्री तुलसी गुणी जी ने कहा कि निज पर शासन फिर अनुशासन सेवा का वास्तविक अर्थ क्या है, इसका ध्यान भी युवक परिषद को रखना चाहिए। सिर्फ रास्ते की सेवा काफी नहीं है। सेवा की कोई सीमा नहीं। एक कहानी के माध्यम से समझाया कि भक्ति में भी संस्कार होना चाहिए। जैन धर्म में भगवान महावीर ने श्रावक श्राविकाओं को माता पिता की उपमा दी है। साधु संतों की सेवा के लिए भी फोन करना पड़ता है तो सेवा का क्या मतलब। गोचरी में भी 42 दोष होते है। इसको भी ध्यान में रखना चाहिए।

साध्वीश्री पुण्ययशा जी का वर्ष 2025 का चातुर्मास राजराजेश्वरी नगर में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री महाश्रमण जी ने महत्ती कृपा कर साध्वीश्री पुण्ययशा जी का वर्ष 2025 का चातुर्मास राजराजेश्वरी नगर को प्रदान किया है। चातुर्मास की घोषणा के साथ ही पूरे क्षेत्र में हर्ष की लहर व्याप्त हो गई है। गुरुवार को तेरापंथी सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ अपनी सशक्त टीम के साथ साध्वीवृन्द के दर्शन हेतु हाट्टटारगी गांव (पुणे बेंगलूरु हाइवे) पहुंचे। सुखसाता की पृच्छा कर आगे के विहार की योजना पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। साध्वीवृन्द का विहार सुखसातापूर्वक हो सके उसके लिए सभी तैयारियों की जानकारी देकर गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। इससे पूर्व बुधवार को सभा राजाराजेश्वरी नगर की सभी संघीय संस्थाओं के साथ कार्य योजना बनाने हेतु एक बैठक आयोजित की गई। तेरापंथ युवक परिषद एवं महिला मंडल के अध्यक्षों ने पूर्ण सहयोग का विश्वास दिलाया। वापसी में सभी ने हुब्बल्ली में विराजित मुनि पुलकित कुमार जी के दर्शन-सेवा का लाभ लिया एवं राजाराजेश्वरी नगर पधारने की विनती की। अध्यक्ष के साथ सभा के प्रथम अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, उपाध्यक्ष राजेश छाजेड़, मंत्री गुलाब बाँठिया एवं सुशील भंसाली ने सहभागिता दर्ज कराई।

25 बोल क्लास के प्रतियोगिता का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी द्वारा नव वर्ष के उपलक्ष में जारी 25 बोल की क्लास के प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साध्वी श्री सिद्धप्रभा प्रभा जी के सानिध्य में तेरापंथ भवन हनुमंतनगर में 1 महीने से क्लास चल रही थी।

बुधवार शाम 8:30 बजे साध्वी सिद्धप्रभा जी की प्रेरणा से तेरापंथ युवक परिषद एचबीएस टी. हनुमंतनगर द्वारा परिक्रमा 25 बोल की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत साध्वी द्वारा नमस्कार महामंत्र के मंत्रोचार से हुई। साध्वी ने 25 बोल की महत्ता के बारे में फरमाया। प्रतियोगिता में सात ग्रूप बनाये गए, जिसमें कायोत्सर्ग ग्रुप, अंतरयात्रा ग्रुप, दीर्घस्वास ग्रुप, संवृत्ति स्वास ग्रुप, लेश्या ध्यान ग्रुप, चैतन्यकेंद्र प्रेक्षा ग्रुप और अनुप्रेक्षा ग्रुप शामिल थे। जिसमें

लगभग 43 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

साध्वी आस्थाप्रभा जी एवं साध्वी दीक्षाप्रभा द्वारा 7 अलग-अलग टाइप के राउंड में प्रतियोगिता संपन्न कराई गयी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर चैतन्य केंद्र प्रेक्षा ग्रुप, द्वितीय स्थान पर संवृति स्वास ग्रुप एवं तृतीय स्थान पर अनुप्रेक्षा ग्रुप रहे। सभी विजेता ग्रुप्स को परिषद परिवार द्वारा पुरुस्कृत किया गया। परिषद अध्यक्ष कमलेश झाबक ने सभी श्रावक-श्राविका समाज का स्वागत किया। ज्ञानशाला से मंजू दक ने विचार व्यक्त करते हुए साध्वीजी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में परिषद उपाध्यक्ष देवेंद्र आंचलिया, सहमंत्री प्रथम नवरतन बोल्या, किशोर मण्डल संयोजक जिनेश धोका, सहसंयोजक नीव चौधरी, महावीर देरासरिया का विशेष श्रम रहा। सभा अध्यक्ष गौतम दक, सभा मंत्री हेमराज मांडोत, परिषद परामर्शक प्रकाश बोल्या, परिषद पूर्व अध्यक्ष गौतम खाब्या, पूर्व अध्यक्ष महावीर चावत आदि लोगों की उपस्थिति रही।

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के सुनील शर्मा निर्विरोध अध्यक्ष मनोनीत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के वार्षिक पर्व सूर्य सप्तमी महोत्सव के समापन अवसर पर समाज के मुख्य कार्यवाह सुनील शर्मा ने मंच से समाज के अध्यक्ष पद के चुनाव करवाने का प्रस्ताव समाज के उपस्थित सैकड़ों लोगों के सामने रखा। तभी समाज के लोगों ने समवेत स्वर में सर्वसम्मति से सुनील शर्मा को निर्विरोध अध्यक्ष मनोनीत कर उन्हें अपनी कार्यकारिणी स्वयं घोषित करने के लिए अधिकृत किया। सुनील शर्मा का उपस्थित लोगों ने माला, साफा एवं शॉल से अभिनदंन कर उन्हें बधाई दी। सुनील शर्मा ने उपस्थित लोगों का करबद्ध अभिवादन कर धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि मैं सदैव समाजोत्थान में तत्पर रहूँगा। समाज ने जो मुझ पर भरोसा जताया है मैं हमेशा उनके भरोसे को कायम रखते हुए खरा

उतरने का प्रयास करूंगा। समाज के प्रत्येक व्यक्ति के सुख-दुःख में उनके परिवार के सदस्य की भांति उनके साथ खड़ा नजर आऊंगा। इस अवसर पर तेजराज शर्मा, केदार भोजक, पूरण शर्मा, रमेश शर्मा, जे. बाबूलाल, महेंद्र शर्मा, रमेश शर्मा केजीएफ, सत्यनारायण शर्मा, अशोक शर्मा, सुभाष शर्मा, जयंतीलाल शर्मा, चेतन शर्मा, भूपेश कश्यप, वीरेंद्र शर्मा, जेठमल शर्मा, भंवरलाल मिहिर, धर्मेश भोजक, हुकमीचंद शर्मा, अरुण शर्मा, अश्विन शर्मा सहित अनेक गणमान्यजन लोग उपस्थित थे।

मानसिक रूप से विक्षिप्त लड़की समेत दो नाबालिगों के साथ बलात्कार

रायचूर/हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के रायचूर और हासन जिलों में मानसिक रूप से विकलांग एक लड़की सहित दो नाबालिगों के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया गया। मनवी तालुक में दूसरी कक्षा की छात्रा के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया गया और पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता स्कूल बस से शिक्षण संस्थान जाती थी। आरोपी, जो उसी जगह का रहने वाला है, ने लड़की को स्कूल वैन से उतार लिया और अपराध को अंजाम दिया। पीड़िता को पहले मनवी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में उसे रायचूर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आरआईएमएस) में स्थानांतरित कर दिया गया। पीड़िता के माता-पिता ने अपने बच्चे को एक अजनबी के साथ बाहर भेजने के लिए स्कूल प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की है। पुलिस ने स्कूल के एक कर्मचारी से भी पूछताछ की, जो उस दिन छात्रों के प्रवेश और निकास का प्रबंधन कर रहा था, जब अपराध हुआ। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। रायचूर के एसपी एम. पुट्टमदैया ने घटनास्थल का दौरा किया और जांच पर करीबी नजर रखी। मानसिक रूप से विकलांग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न की एक और घटना गुरुवार को हासन जिले के हलेबीडू पुलिस स्टेशन की सीमा में दर्ज की गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी पड़ोसी ने उस समय घर में प्रवेश किया जब परिवार एक रिश्तेदार के यहां समारोह में शामिल होने गया था और पीड़िता अकेली थी। आरोपी ने उसे चॉकलेट देने के बहाने घर में प्रवेश किया और उसके साथ बलात्कार किया। जब माता-पिता घर लौटे, तो उन्होंने पीड़िता को बुरी तरह रोते हुए पाया। माता-पिता उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसकी चिकित्सकीय जांच करने के बाद कहा कि उसके साथ यौन उत्पीड़न हुआ है। आरोपी को जब इस घटना की जानकारी मिली, तो वह पिछले दरवाजे से अपने घर से भाग गया। माता-पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। आगे की जांच जारी है।

बिटकॉइन घोटाले में मोहम्मद नलपद का नाम आना कांग्रेस के लिए शर्मिंदगी की बात

एसआईटी ने भेजा नोटिस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद नलपद को बिटकॉइन घोटाले में पूछताछ के लिए उपस्थित होने का नोटिस जारी किए जाने पर राज्य की राजनीति में तरह-तरह की व्याख्याएं शुरू हो गई हैं।

विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने बड़े पैमाने पर चुनाव प्रचार के लिए बिटकॉइन घोटाले का इस्तेमाल किया। कांग्रेस के प्रमुख नेताओं ने तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और गृह मंत्री अरगा ज्ञानेंद्र पर निशाना

साधते हुए आरोपों की बौछार कर दी थी। कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए बिटकॉइन घोटाले का भी इस्तेमाल किया था। प्रभावशाली नेताओं ने यह भी घोषणा की थी कि यदि उनकी सरकार सत्ता में आई तो वे बिटकॉइन घोटाले के आरोपियों को जेल में डाल देंगे। पिछली भाजपा सरकार के दौरान घोटाले की जांच पूरी हुई और बी रिपोर्ट पेश की गई। इसके बावजूद कांग्रेस सरकार ने बिटकॉइन घोटाले की जांच के लिए एसआईटी गठित की थी। एसआईटी अधिकारियों ने बिटकॉइन मामला दर्ज होने के समय जांच करने वाले कुछ पुलिस अधिकारियों को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की थी। चल रही जांच के तहत मुख्य आरोपी श्रीकृष्ण से पुनः पूछताछ की गई। एसआईटी ने मोहम्मद नलपद को नोटिस जारी किया है, जो श्रीकृष्ण का मित्र बताया जाता है। इससे कांग्रेस पार्टी भी शर्मिंदा हुई है और विभिन्न व्याख्याएं सामने आई हैं। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने एसआईटी नोटिस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह जांच का हिस्सा है। जांचकर्ता निर्णय लेते हैं कि किसे बुलाया जाए, किससे पूछताछ की जाए तथा कौन सी जानकारी प्राप्त की जाए। मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकता। प्रत्येक चरण पर एक-एक करके उन्हें बुलाया जा रहा है और उनसे पूछताछ की जा रही है। गृह मंत्री ने कहा कि हर बात पर जवाब देना मेरे लिए ठीक नहीं है। नोटिस भेजे जाने के दौरान मोहम्मद नलपद उपमुख्यमंत्री और अपने राजनीतिक गुरु डी.के. शिवकुमार के आवास पर गए। युवा कांग्रेस अध्यक्ष पद के पिछले चुनाव में मोहम्मद नलपद को सबसे अधिक वोट मिले थे। हालांकि, नलपद के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज होने के कारण हाईकमान ने नलपद की पसंद पर विचार नहीं किया और दूसरे सबसे अधिक वोट पाने वाली रक्षा रामैया को युवा कांग्रेस का अध्यक्ष घोषित कर दिया। लेकिन डी.के. शिवकुमार ने मानो जिद पकड़ ली और समझौता कर लिया तथा रक्षा रामैया से युवा कांग्रेस अध्यक्ष का पद छीनकर नलपद को नियुक्त कर दिया। सीट खाली करने के बदले में रक्षा रामैया को चिक्कबल्लापुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए बी फॉर्म दिया गया। यह अलग बात है कि वे वहां पराजित हुई।

शादी के कुछ हफ्ते बाद दुल्हन लाखों रुपये के सोने के आभूषण लेकर फरार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक चौंकाने वाली घटना में, एक दुल्हन अपनी शादी के कुछ ही हफ्तों बाद लाखों रुपये के सोने के आभूषण लेकर फरार हो गई। ब्रह्मवर के सालिगराम निवासी शिकायतकर्ता डेनिस कार्डोजा (64) ने चोरी के संबंध में अपनी बहू के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, डेनिस कार्डोजा के बेटे एंथनी डालविन कार्डोजा ने 26 दिसंबर, 2023 को सस्थान के सेंट एंथनी चर्च में पहली आरोपी अनुषा से शादी की। शिकायतकर्ता के परिवार को उडुपी निवासी एक परिचित लता मैरी के माध्यम से अनुषा के परिवार से मिलवाया गया था। चर्चा के बाद, दोनों परिवार शादी के लिए सहमत हो गए और शादी के बाद अनुषा शिकायतकर्ता के घर में रहने लगी। 9 फरवरी, 2024 को अनुषा ने अपने पति को बताया कि उसे अपनी मां (दूसरी आरोपी विनीता जोन) की तबीयत खराब होने के कारण तत्काल अपने मायके जाने की जरूरत है। उसने उसे आश्वासन दिया कि वह चार दिन में वापस आ जाएगी। शिकायतकर्ता की पत्नी, जैसिंथा एम डी अल्मेडा, जो उडुपी के एक स्कूल में काम कर रही थी, ने अपने बेटे को अनुषा को यात्रा खर्च के लिए 5,000 रुपये देने का निर्देश दिया। तदनुसार, एंथनी डेलविन कार्डोजा ने अनुषा को उडुपी केएसआरटीसी बस स्टैंड पर छोड़ दिया और उसे हासन जाने वाली बस में बिठा दिया। उस शाम बाद में, जब जैसिंथा घर लौटी, तो उसने पाया कि उसकी अलमारी खुली रह गई थी।

निरीक्षण करने पर, उसने पाया कि सोने के कई गहने गायब थे, जिसमें 40 ग्राम का काले मोतियों का हार, 10 ग्राम वजन की चार सोने की चूड़ियाँ, 24 ग्राम की सोने की चेन, तीन सोने की अंगूठियाँ और एक जोड़ी सोने की बालियाँ शामिल थीं। जब परिवार ने अनुषा से संपर्क किया, तो उसने कथित तौर पर गहने ले जाने की बात स्वीकार की और उन्हें वापस करने के लिए घर लौटने का वादा किया। हालाँकि, बाद की बातचीत शत्रुतापूर्ण हो गई। अन्य आरोपी विनीता जोन, अनुषा की मां, लतीशा और एम्ब्रोस के साथ मिलकर कथित तौर पर शिकायतकर्ता के परिवार को गालियां दी और कहा कि अनुषा वापस नहीं आएगी। उन्होंने कथित तौर पर चोरी किए गए आभूषण वापस करने के लिए 25 लाख रुपये की मांग की। अदालत में दायर एक निजी शिकायत के बाद, कोटा पुलिस स्टेशन ने मामला दर्ज कर लिया है और फिलहाल जांच चल रही है।

भाजपा पार्टी में आंतरिक मतभेद दुर्भाग्यपूर्ण: बोम्मई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि कांग्रेस पार्टी बदहाल स्थिति में है और सभी मोर्चों पर विफल रही है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय जनता पार्टी, जिसे ऐसे मामलों के कारण उसके खिलाफ युद्ध छेड़ना चाहिए, आंतरिक मतभेदों के कारण वाकयुद्ध छेड़ रही है। जब हम देखते हैं कि आम लोग, किसान और महिलाएं संकट में हैं और हिंसा और आत्महत्या के मामले दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। पूरे देश को प्रभावी शासन प्रदान करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी नेतृत्व का निर्णय अंतिम है और मैं किसी भी गुटबाजी में विश्वास नहीं करता। इसलिए, मेरे द्वारा किसी भी समूह की बैठक बुलाने का कोई सवाल ही नहीं है। मैं उन कई नेताओं में से एक हूं जो सभी को एकजुट करने का ईमानदार प्रयास कर रहे हैं। दोनों पक्षों को धैर्य खोए बिना, हमें कर्नाटक भाजपा सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा और अन्य वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में एक साथ बैठना चाहिए और बातचीत के माध्यम से इसका समाधान करना चाहिए। अन्यथा, हम सभी को नेताओं के निर्णय का पालन करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि नेतागण तुरंत कर्नाटक में पार्टी के विकास पर ध्यान देंगे, सभी महत्वपूर्ण लोगों से चर्चा करेंगे और उचित निर्णय लेंगे।

नए हवाई अड्डे के लिए 4,400 एकड़ भूमि की आवश्यकता: शिवकुमार

विमानों के उड़ान भरने के लिए स्वच्छ वातावरण होना चाहिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि नया हवाई अड्डा बनाने के लिए 4,400 एकड़ भूमि की आवश्यकता है और इसके लिए विभिन्न तकनीकी कारण हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा हम बेंगलूरु में दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण पर निर्णय नहीं ले सकते। भारतीय विमानपत्तन विकास प्राधिकरण को निर्णय लेना चाहिए। इसके अलावा, केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ भी एक समझौता हुआ है। उस अवधि के बीत जाने के बाद ही नया हवाई अड्डा बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण को ही तय करना चाहिए कि नया हवाई अड्डा कहां बनाया जाना चाहिए, जिसमें बिदादी, तुमकुरु, सोलूर और नेलमंगला शामिल हैं। किसी हवाई अड्डे के निर्माण के लिए विभिन्न शर्तें होती हैं। लगभग 4,400 एकड़ भूमि की आवश्यकता है। वहाँ कोई पहाड़ियाँ नहीं होनी चाहिए। विमानों के उड़ान भरने के लिए स्वच्छ वातावरण होना चाहिए। यह हवाई अड्डे से 40 किमी दूर है। ऐसी सभी स्थितियाँ हैं जिनके लिए दूरी की आवश्यकता होती है।

उन्होंने कहा कि अधिकारी इन तकनीकी पहलुओं के आधार पर व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करेंगे। हर कोई अपने निकट हवाई अड्डा होने का सपना देखता है। लेकिन यह वैसा नहीं होगा जैसा हम सोचते हैं। केंद्र सरकार तकनीकी कारकों के आधार पर निर्णय लेगी। हमारे अधिकारी, विशेषकर बुनियादी ढांचा विकास मंत्री एम.बी. पाटिल लगातार निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और खुद उनसे एक दौर की चर्चा करेंगे और फिर दिल्ली से अनुमति लेकर काम शुरू करेंगे। केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने इससे पहले मुख्यमंत्री रहते हुए इस संबंध में कुछ नहीं किया। हमने निर्णय ले लिया है। अब वे कह रहे हैं कि बिदादी के पास एक हवाई अड्डा बनाया जाना चाहिए। इससे पहले उन्होंने कहा था कि वह प्रधानमंत्री से 24 घंटे के भीतर मेकेदातु परियोजना पर हस्ताक्षर करवा लेंगे।

उन्होंने उन्हें वह काम पहले करने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अभिनेता सुदीप ने एक निजी समस्या के चलते उनसे मुलाकात की। उनकी फिल्म की शूटिंग में एक और समस्या थी। वे इसे सुलझाने के लिए उसके पास आये थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने जरूरतमंद लोगों को फोन करके निर्देश भी दिए। सुदीप की यात्रा में कोई राजनीति नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने राजनीति पर बात नहीं की। डी.के. शिवकुमार ने श्रम मंत्री संतोष लाड के इस बयान पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया

विजयेंद्र के बदलाव की मांग करने दिल्ली गई यतनाल की टीम खाली हाथ लौटी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के असंतुष्टों का व्यवहार पहाड़ चबाकर चूहा पकड़ने जैसा है, क्योंकि बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और उनकी टीम, जो यह वादा करके दिल्ली गई थी कि वे इस बार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र के बदलाव के साथ वापस आएंगे, खाली हाथ लौटी है, मानो जिस सड़क से वे आए थे उस पर कोई टोल ही नहीं था। उनकी मांग है कि जो लोग परिवारवाद, भ्रष्टाचार और हिंदुत्व का विरोध करते हैं उन्हें अध्यक्ष पद से हटा दिया जाना चाहिए। इसके अलावा, बताया जा रहा है कि यतनाल टीम ने भाजपा आलाकमान के समक्ष पार्टी की एक व्यक्ति, एक धर्म की विचारधारा को भी रखा है। हालांकि असंतुष्टों ने कहा है कि वे एक-दो दिन में राष्ट्रीय नेताओं से मिलने दिल्ली जाएंगे, लेकिन पार्टी सूत्रों का कहना है कि यदि दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे आ गए और एग्जिट पोल के अनुसार इस बार भाजपा अपने दम पर सत्ता में आ गई, तो केंद्रीय नेता सरकार बनने तक कर्नाटक सहित किसी अन्य राज्य के घटनाक्रम की चिंता नहीं करेंगे। इस प्रकार, जो असंतुष्ट नेता विजयेंद्र में बदलाव की मांग कर रहे थे, वे अब अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में लौट गए हैं। यतनाल हैदराबाद होते हुए विजयपुरा आए, जबकि कुमार बंगारप्पा उत्तर प्रदेश के प्रयागराज चले गए। बाकी लोग अपने-अपने गृहनगर चले गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष का पद बदलने की मांग पर अड़े ये बागी नेता भाजपा आलाकमान को अपनी याचिका सौंपने वाले थे। हालांकि, आलाकमान से मुलाकात नहीं हो पाने के कारण बागी नेता राज्य लौट आए हैं। विजयेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने की कोशिश में जुटे विजयपुरा के भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल समेत कई नेताओं ने कुछ दिनों से दिल्ली में डेरा डाल रखा था। हालाँकि, कहा जा रहा है कि वह आलाकमान से मुलाकात नहीं कर पाए। क्या वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र अपने पद पर बने रहेंगे? या फिर इस बात को लेकर उत्सुकता बढ़ रही है कि क्या इसे असंतुष्टों की सूची में बदल दिया जाएगा? ऐसा कहा जा रहा है कि बागी नेता दिल्ली

यात्रा की तारीख तय किए बिना ही वापस लौट गए हैं। उन्होंने फिर से एक साथ दिल्ली जाने का निर्णय लिया है। पता चला है कि वह राजनहल्ली स्थित वाल्मीकि गुरुपीठ में मेला संपन्न करने के बाद दिल्ली वापस लौटेंगे। राजनहल्ली वाल्मीकि गुरुपीठ में वाल्मीकि मेला 9 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। इस मेले में अधिकांश असंतुष्ट नेता भाग लेंगे। वे 9 तारीख को दिल्ली यात्रा की तारीख तय करेंगे। यतनाल और उनकी टीम एक साथ दिल्ली वापस जाएगी। 10 फरवरी को दिल्ली में केंद्रीय मंत्री सोमन्ना के सरकारी आवास पर होने वाली पूजा में बागी भी शामिल होंगे। सोमन्ना ने बागी टीम को पूजा में आने के लिए आमंत्रित किया है। 10 तारीख को सोमन्ना के दिल्ली आवास पर बैठक होगी और उन्होंने 12 फरवरी तक दिल्ली में ही रहने का निर्णय लिया है। विजयेंद्र का समर्थन करने वाले नेताओं का कहना है कि विजयेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने का तर्क सही नहीं है, क्योंकि उन्होंने लोकसभा चुनाव में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, हालिया उप-चुनाव में हार को देखते हुए बागी नेताओं ने विजयेंद्र को हटाने की मांग की है। इस बीच, विजयेंद्र का समर्थन करने वाले नेताओं ने कहा कि उपचुनाव में तीन निर्वाचन क्षेत्रों में से केवल एक निर्वाचन क्षेत्र भाजपा का है। शेष सीटें कांग्रेस और जेडीएस के पास थीं। इसलिए उन्होंने कहा कि अन्य हार की जिम्मेदारी विजयेंद्र पर नहीं डाली जानी चाहिए। यह उत्सुकता की बात है कि दोनों की मांगों के बीच आलाकमान के नेता क्या निर्णय लेते हैं।

देवेगौड़ा का कांग्रेस पार्टी पर बयान सही : चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाड़ी नारायणस्वामी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की राज्य सरकार के संबंध में पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा का प्रस्ताव सही है। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने एक प्रश्न का उत्तर दिया। उन्होंने कहा मल्लिकार्जुन खड़गे के पास 136 विधायक होने के बावजूद कर्नाटक में दलितों के साथ दुर्व्यवहार, अधिकारियों की आत्महत्या, बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और असुरक्षा के माहौल से संबंधित देवेगौड़ा के बयान पर आपत्ति करने का कोई कारण नहीं है।

उन्होंने कहा कि खड़गे को दलितों के प्रति कांग्रेस के अन्याय के खिलाफ स्वयं बोलना चाहिए था। वे दलितों के पक्ष में बोलने में असमर्थ हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि देवेगौड़ा ने दलित समुदायों के साथ हो रहे अन्याय को ठीक करने के लिए सही समय पर राज्यसभा में बात की। यह एक भ्रष्ट सरकार है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर किसी भी बात का समुचित उत्तर न देने का आरोप लगाया।

वाल्मीकि निगम में 187 करोड़ रुपए निगल लिए गए। इसी कांग्रेस सरकार ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए निर्धारित 25,000 करोड़ रुपये निगल लिये। उन्होंने पूछा कि खड़गे ने इस बारे में क्यों नहीं बोला। आज तक इस मुद्दे को नहीं उठाया गया। उन्होंने पूछा आप किसकी तरफ हैं? चंद्रशेखर ने सुसाइड नोट लिखकर जान दे दी। कई लोगों की जान चली गई है। गृह मंत्री ने स्वयं घोषणा की थी कि वे एसआई परशुराम के परिवार को 50 लाख रुपये का मुआवजा देंगे और उनके परिवार के सदस्यों को नौकरी देंगे। लेकिन अभी तक एक भी पैसा नहीं दिया गया है।

मेरे नेतृत्व पर संदेह है, तो मेरे बारे में बात करने दीजिए

सड़कों पर येदियुरप्पा के बारे में अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा बर्दाश्त: बीवाई विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि यदि किसी को मेरे नेतृत्व पर संदेह है, तो उन्हें मेरे बारे में बात करने दीजिए। उन्होंने असहमति जताने वालों को सीधे शब्दों में चेतावनी दी है कि अगर वे सड़कों पर हमारे पिता येदियुरप्पा के बारे में बात करेंगे या अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करेंगे तो उन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हाल ही में कुछ लोग येदियुरप्पा के बारे में अपमानजनक बातें बोल रहे हैं। येदियुरप्पा ने राज्य में भाजपा के लिए एक ठोस नींव रखी। अगर आप मुझसे नाखुश हैं तो बोलिए। लेकिन जब बात अपने पिता के बारे में बात करने की आती है तो मैं सहज महसूस नहीं करता। उन्होंने गुर्राहट के साथ कहा कि हमारे समय की भी अपनी सीमाएं हैं। उन्होंने पार्टी कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की और कहा मैं बारीकी से निगरानी कर रहा हूं कि कौन क्या बात कर रहा है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में मैं जिम्मेदारी से काम कर रहा हूं। यह मेरा दुर्भाग्य नहीं है कि मैं इस तरह चुप रहा। मुझमें भी आत्मसम्मान है। उन्होंने यह कहकर अपना असंतोष व्यक्त किया कि वह उचित समय पर बोलेंगे। चाहे आप मेरे बारे में कितनी भी बात करें, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं इसे सहन करूंगा। लेकिन येदियुरप्पा को शर्मिंदा और अपमानित किया जा रहा है। उन्होंने इस

बात पर असंतोष व्यक्त किया कि स्थिति ऐसी है कि हमारे कार्यकर्ता सिर ऊंचा करके नहीं घूम सकते। कुछ लोग सबकुछ देखते रहे और चुप रहे, जो हुआ उसे होने दिया। वे ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जैसे इसका हमसे कोई लेना-देना ही नहीं है। जो लोग येदियुरप्पा का मजाक उड़ा रहे हैं, उन्हें रोकने का काम बुजुर्गों को करना चाहिए था। उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से तटस्थ गुट की भी इस बात के लिए आलोचना की कि उन्होंने इस मुद्दे को अपने वरिष्ठों के ध्यान में नहीं लाया। पिछले एक साल से कुछ लोग लगातार येदियुरप्पा का महिमामंडन कर रहे हैं। वे दुर्भावनापूर्वक अपमान कर रहे हैं। कुछ लोग कल्पना कर रहे हैं कि इस सब के पीछे आलाकमान और राष्ट्रीय संगठन सचिव बी.एल. संतोष का समर्थन है। राज्य के अध्यक्ष के रूप में मैं यह स्पष्ट रूप से कहूंगा। विजयेंद्र ने स्पष्ट किया कि इस घटनाक्रम का बी.एल. संतोष से कोई लेना-देना नहीं है। पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई के इस बयान पर कि येदियुरप्पा को मतभेदों को सुलझाने के लिए मध्यस्थता करनी चाहिए, विजयेंद्र ने कहा कि अगर वह मध्यस्थता करना चाहते हैं, तो उन्हें पहले असंतुष्टों को चुप रहने के लिए कहना चाहिए। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा यदि आप कुछ लोगों को येदियुरप्पा के खिलाफ बोलते देखकर आत्मसंतुष्ट हो रहे हैं, तो मैं जानता हूं कि राज्य अध्यक्ष के तौर पर मुझे क्या कहना है। मैं राज्य अध्यक्ष के रूप में अपने अधिकार क्षेत्र की सीमाओं के भीतर काम कर रहा हूं। कार्यकर्ता जहां भी जाते हैं, प्रेम से बात करते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की प्रशंसा ही मेरे लिए काफी है। हम किसी भी तरह से सरकार से जुड़े नहीं हैं। हम ही वे लोग हैं जिन्होंने मुडा और वाल्मीकि सहित सरकारी घोटालों के खिलाफ जन आंदोलन खड़ा किया। लेकिन फुटपाथ पर बोलने वालों ने कहा है कि हमने कुछ भी नहीं किया है। विजयेन्द्र ने पूछा कि जब हम बेंगलूरु से मैसूरु तक की पैदल यात्रा पर निकले थे तो वे कहां गए थे। यदि यह समझौता राजनीति होती तो क्या मैसूरु पदयात्रा हो रही होती? इस तरह के बयान कार्यकर्ताओं का अपमान कर रहे हैं। विजयेंद्र का अपमान होने दो, लेकिन कार्यकर्ताओं का अपमान मत करो। उन्होंने भ्रम दूर करने की अपील की। यह आरोप कि मैं बड़ों को विश्वास में नहीं ले रहा हूं, सत्य नहीं है। विधायक के रूप में पहली बार मैंने सरकार को ठप करने का काम किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई पक्ष दोनों संघर्षों में से किसी से भी दूर रहता है तो यह समझौता राजनीति नहीं है। विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने कई सवाल उठाए हैं। अध्यक्ष चुनाव के बाद मैं एक-एक करके इन सभी सवालों का जवाब दूंगा। उन्होंने कहा कि अगर अब हम बात करें तो मुझमें और उनमें कोई अंतर नहीं है। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक के इस बयान पर कि एक ऐसे प्रदेश अध्यक्ष की जरूरत है जिससे सभी सहमत हों, उन्होंने कहा जब बेंगलूरु के विधायक मिलेंगे तो मैं इस पर चर्चा करूंगा। उन्होंने कहा कि येदियुरप्पा के पुत्र और प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते उन्हें इस बात से दुख होता है कि येदियुरप्पा के सम्मान की हत्या को उनके बुजुर्ग नहीं रोक पा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष के लिए चुनाव प्रक्रिया कभी भी हो सकती है। जानकारी है कि 20 तारीख तक सब कुछ खत्म हो जाएगा। पार्टी में आंतरिक मतभेद 20 तारीख तक समाप्त हो जाएगा। कई लोग मेरे और पार्टी के बारे में तरह-तरह की बयानबाजी कर रहे हैं और प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते मेरे लिए बयानबाजी करना उचित नहीं है और इससे कार्यकर्ताओं को ठेस पहुंचेगी, इसलिए मैं कुछ नहीं बोल रहा हूं। पूर्व मंत्री श्रीरामुलु ने कहा है कि मेरे में अनुभव की कमी है। हो सकता है कि मुझे राज्य अध्यक्ष के रूप में अनुभव न हो। उन्होंने जवाब दिया कि उनके पास पार्टी कार्यकर्ता, सचिव, युवा मोर्चा अध्यक्ष और पार्टी उपाध्यक्ष के रूप में अनुभव है।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के साथ बजट पूर्व बैठक की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया 16वें बजट की प्रस्तुति की तैयारी में जुटे हैं और उन्होंने गुरुवार से विभिन्न विभागों की प्रारंभिक बैठकें शुरू कर दी हैं। घुटने के दर्द के कारण आराम पर चल रहे सिद्धरामैया ने बजट-पूर्व तैयारियों के लिए काम फिर से शुरू कर दिया है।

पिछले डेढ़ महीने से राज्य की वित्तीय स्थिति के संबंध में प्रत्येक विभाग के साथ प्रगति समीक्षा बैठकें आयोजित की जा रही हैं। पिछले बजट में घोषित कार्यक्रम

के क्रियान्वयन, धन आवंटन और उपयोग सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इसी क्रम में विभिन्न विभागों के साथ विचार-विमर्श किया गया और 2025-26 के लिए बजट का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया। उन्होंने अपने सरकारी आवास कावेरी में आंतरिक प्रशासन, बड़े एवं मध्यम उद्योग, अधोसंरचना विकास, लघु उद्योग, ऊर्जा, श्रम, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले, महिला एवं बाल विकास, विशेष आवश्यकता एवं वरिष्ठ नागरिकों का सशक्तिकरण, सहकारिता, कपड़ा एवं पशुपालन सहित 14 विभागीय अधिकारियों एवं मंत्रियों के साथ विचार-विमर्श किया। बैठक में संबंधित विभागों के मंत्री, अतिरिक्त मुख्य सचिव, सचिव, आयुक्त, निदेशक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पिछले बजट में क्रियान्वित परियोजनाओं और प्रयुक्त धनराशि के आधार पर अगले बजट में नई परियोजनाओं और वित्तीय सुविधाओं की घोषणा की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बैठक में वर्ष 2024-25 के बजट में घोषित सभी कार्यक्रमों को मार्च के अंत तक क्रियान्वित करने के भी निर्देश दिए।

सड़क किनारे पेड़ से टकराई कार, महिला की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

यहां एक कार के चालक द्वारा नियंत्रण खो देने के कारण सड़क किनारे पेड़ से टकराने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना ब्रह्मवर तालुक के कोक्करने के कदुर में हुई। मृतक की पहचान बीजाडी की जयलक्ष्मी (68) के रूप में हुई है। घायल रामचंद्र भट, सुजाता, मंगला और प्रेमा को इलाज के लिए मणिपाल

के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह समूह कबीनाले मेले से लौट रहा था और कोटा में मंदारथी, सालिगराम और अमृतेश्वरी मंदिर जा रहा था, तभी यह दुर्घटना हुई। ब्रह्मवर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ चुकी

माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं को हिंसा के लिए सरकार की हरी झंडी: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई.विजयेन्द्र ने कहा कि जनता की मदद के लिए आगे आने वाली राज्य सरकार ने अत्याचार करने वाले माइक्रोफाइनेंस संस्थानों को शाम पांच बजे तक काम करने की हरी झंडी दे दी है। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने राज्य सरकार के इस बयान की आलोचना की कि लोगों को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक वसूली के लिए जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार का दावा है कि एक ओर राज्य में लोग गारंटी के कारण समृद्ध हैं, सब कुछ ठीक है। दूसरी ओर, राज्य में गरीब, महिलाएं और मजदूर माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं के दुरुपयोग और बड़े पैमाने पर शोषण के कारण परेशान हैं। गरीब लोग माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं के चंगुल में फंसे हुए हैं। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह अत्याचार बंद करे और निर्दोष गरीबों और किसानों की मदद के लिए आगे आए।

राज्य में स्थिति बहुत खराब है, जहां विधायक कांग्रेस सरकार से विकास निधि के बिना अविकसित निर्वाचन क्षेत्र में हाथ बांधकर बैठे हैं। सरकार किसानों की शिकायतें नहीं सुन रही है। दिनदहाड़े लूट, हत्या और बलात्कार के मामले दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने आरोप लगाया कि कानून व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ चुकी है। लोग सवाल कर रहे हैं कि क्या राज्य में निर्वाचित सरकार और मुख्यमंत्री है? सरकार राज्य के विकास समेत सब कुछ भूल गई है। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि ऐसी स्थिति पैदा कर दी गई है कि लोग सरकार के खिलाफ लड़ने के लिए सड़कों पर उतरेंगे। कर्नाटक में माइक्रोफाइनेंस संकट पर काफी चर्चा हो रही है। कई लोगों ने आत्महत्या कर ली है। उन्होंने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि लोग माइक्रोफाइनेंस घोटालों और ऋण वसूली के दुरुपयोग के डर से अपनी जान गंवा रहे हैं, तथा ऋण चुकाने में असमर्थ हो रहे हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा पूरा विश्वास है कि भाजपा दिल्ली में सत्ता में आएगी। उन्होंने कहा कि 9-10 के जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार, भाजपा 27 साल बाद फिर से दिल्ली की सत्ता में आएगी। उस राज्य की जनता आम आदमी पार्टी को करारा सबक सिखाएगी, जो गारंटियों के भ्रम में थी। भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम चलाकर प्रदेश की सत्ता संभालने वाली आम आदमी पार्टी को करारा जवाब मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि भाजपा स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में आएगी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शानदार बजट पेश किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने एक उत्कृष्ट बजट पेश किया है जो विकास के लिए अनुकूल है तथा गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के पक्ष में है तथा विकसित भारत के उनके सपने को साकार करने की दिशा में है। 12 लाख रुपए तक की आयकर छूट के फैसले से मध्यम वर्ग को बहुत फायदा हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रस्तुत बजट लोगों की दीर्घकालिक अपेक्षाओं के अनुरूप है और इससे सभी खुश होंगे। केंद्रीय बजट के बारे में सिद्धरामैया से अच्छी बातें सुनना असंभव है। बेशक उन्होंने आलोचनाएं की हैं। उन्होंने कहा कि इस बजट की कर्नाटक सहित देश के हर राज्य में सराहना हुई है। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अश्वथ नारायण, विधायक शैलेन्द्र बेलदाले, प्रदेश सचिव तमेश गौड़ा, मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा और उत्तरी जिला अध्यक्ष हरीश मौजूद थे।

कर्नाटक रेलवे के लिए केंद्रीय बजट यूपीए काल से नौ गुना अधिक: केंद्रीय मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने बुधवार शाम को कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने यूपीए काल की तुलना में नवीनतम बजट में कर्नाटक की रेलवे परियोजनाओं के लिए नौ गुना अधिक धन आवंटित किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने लगातार नौ वर्षों से समान आवंटन प्रदान किया है। केंद्रीय मंत्री, जो कर्नाटक के धारवाड़ से सांसद भी हैं, ने केंद्रीय बजट में राज्य को पर्याप्त धन नहीं मिलने के कांग्रेस के दावों का कड़ा जवाब दिया। उन्होंने कहा यूपीए सरकार के पांच साल के कार्यकाल (2009-14) के दौरान, कर्नाटक के लिए वार्षिक औसत रेल बजट 835 करोड़ रुपये था। हालांकि, अकेले 2025-26 के बजट में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने 7,559 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जो नौ गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार ने जहां सालाना औसतन 835 करोड़ रुपये आवंटित किए थे, वहीं एनडीए सरकार ने इसे नौ गुना बढ़ाकर 7,559 करोड़ रुपये कर दिया है।

उन्होंने कहा कर्नाटक में प्रमुख रेलवे विकास में 31 नई रेलवे पटरियों का निर्माण शामिल है और 31 परियोजनाओं में कुल 3,840 किलोमीटर नई रेलवे पटरियों का विकास किया जा रहा है, जिसकी अनुमानित लागत 47,016 करोड़ रुपये है। उन्होंने आगे बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 61 प्रमुख रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण के लिए 1,981 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वर्तमान में कर्नाटक के 12 जिलों से दस वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चल रही हैं, जो 18 प्रमुख स्टेशनों पर रुकती हैं। उन्होंने कहा कि 2014 से कर्नाटक ने 1,652 किलोमीटर नई रेलवे पटरियों का निर्माण किया है, जो श्रीलंका के कुल रेलवे नेटवर्क से आगे निकल गया है। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के तहत केवल 113 ट्रैक बनाए गए थे, जबकि एनडीए सरकार ने 150 नए ट्रैक बनाए हैं। उन्होंने कहा कर्नाटक के रेलवे नेटवर्क का 96.5 प्रतिशत और कुल 3,233 किलोमीटर 294 रेलवे मार्गों का विद्युतीकरण किया जा चुका है। यूपीए काल में केवल 18 मार्गों का विद्युतीकरण किया गया था, जबकि एनडीए सरकार के तहत यह संख्या 16 गुना बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए, कर्नाटक में अब ये 335 रेलवे स्टेशनों पर वाई-फाई की सुविधा, 61 स्थानों पर लिफ्ट और 43 स्थानों पर एस्केलेटर की सुविधा है। कर्नाटक के चार प्रमुख रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास में 1,240 करोड़ रुपये की राशि का निवेश किया जा रहा है। बेंगलूरु कैंट स्टेशन को 475 करोड़ रुपये से विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल के लिए 300 करोड़ रुपये और तुमकुरु स्टेशन के लिए 88 करोड़ रुपये की निविदा प्रक्रिया शुरू की गई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन विकासों के साथ, कर्नाटक के रेलवे बुनियादी ढांचे को अभूतपूर्व बढ़ावा मिल रहा है, जिससे पूरे राज्य में कनेक्टिविटी और सुविधा में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है।

केंद्र सरकार रायचूर को विकास से कर रही वंचित: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लघु सिंचाई मंत्री एन एस बोसराजू ने कहा कि केंद्र सरकार रायचूर को विकास से वंचित कर रही है। बोसेराजू ने रायचूर में एम्स की मंजूरी न देने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की, जिसके लिए 1,000 दिन से आंदोलन चल रहा है। केंद्र सरकार रायचूर को सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक रूप से उसके उचित विकास से वंचित कर रही है। हमारे संघीय ढांचे के अनुसार, हर राज्य के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित करना केंद्र का कर्तव्य है। हालांकि, जब से मोदी सरकार सत्ता में आई है, संघवाद के सिद्धांतों को उलट दिया गया है। कर्नाटक की वैध मांगों के प्रति केंद्र की

निरंतर उपेक्षा संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन है। बोसराजू ने कहा कि उनकी सरकार ने रायचूर के लिए एम्स की मांग करते हुए विभिन्न स्तरों पर कम से कम 10 आधिकारिक अनुरोध किए हैं। 14 जनवरी, 2025 को लिखे पत्र में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को बताया कि रायचूर में एम्स को मंजूरी देने के बजाय, केंद्र ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत अनुदान के माध्यम से कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने का सुझाव दिया है। बोसराजू ने पूछा इससे एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है, राज्य के पूरे स्वास्थ्य ढांचे को कैसे मजबूत किया जा सकता है और सिर्फ एनएचएम अनुदान के साथ एम्स जैसी संस्था कैसे स्थापित की जा सकती है।

विजय माल्या ने कर्ज वसूली का ब्योरा मांगा

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बैंकों को किया नोटिस जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या ने कर्नाटक उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और बैंकों को यूनाइटेड ब्रुअरीज होल्डिंग्स लिमिटेड (यूबीएचएल, जो अब परिसमापन में है) द्वारा लिए गए ऋणों के विरुद्ध वसूली गई कुल राशि का विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश देने की मांग की। याचिका पर विचार करते हुए उच्च न्यायालय ने इस संबंध में संबंधित बैंकों को नोटिस जारी किए हैं। न्यायमूर्ति आर. देवदास की अध्यक्षता वाली पीठ ने बैंकों और वसूली अधिकारियों को नोटिस जारी करते हुए मामले की सुनवाई 19 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी।

विजय माल्या की ओर से पेश वरिष्ठ वकील साजन पूवैया ने अदालत को बताया कि चुकाई

जाने वाली ऋण राशि 6,200 करोड़ रुपये थी, जबकि अब तक 10,200 करोड़ रुपये की वसूली हो चुकी है। ऋण राशि की पूरी वसूली के बावजूद बैंकों द्वारा वसूली की प्रक्रिया जारी रखी जा रही है, इसलिए बैंकों को वसूली गई राशि का लेखा-जोखा प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किए जाने चाहिए। इसके अलावा, वकील ने तर्क दिया कि इस बारे में कोई आदेश नहीं दिया गया है कि मूल राशि का भुगतान किया गया है या नहीं और ऋण वसूली प्रक्रिया को रोकने के लिए अंतरिम स्थगन आदेश का अनुरोध किया। यह भी प्रार्थना की गई कि याचिकाकर्ता के पास मौजूद संपत्तियों की आगे की बिक्री पर रोक लगाई जाए। वकील साजन पूवैया ने आगे कहा कि, आज की तारीख तक, वसूली अधिकारी ने 10,200 करोड़ रुपये के भुगतान की पुष्टि की है। आधिकारिक परिसमापक का दावा है कि बैंकों ने अपना पैसा वापस कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद के पटल पर एक बयान दिया था कि 14,000 करोड़ रुपये की वसूली की गई है। सूत्रों के अनुसार, चेन्नई के ऋण वसूली न्यायाधिकरण से जुड़े अधिकारियों, भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, फेडरल बैंक लिमिटेड, आईडीबीआई बैंक लिमिटेड, इंडियन ओवरसीज बैंक, जम्मू और कश्मीर बैंक लिमिटेड, पंजाब और सिंध बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, यूको बैंक, जेएम फाइनेंशियल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड और यूबीएचएल के आधिकारिक परिसमापक को नोटिस जारी किया गया है।

सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो। विजयपुरा जिले के देवरा हिप्पारागी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया। यह दुर्घटना तब हुई जब बेलगावी-कलबुर्गी राजमार्ग पर चंद्रमा अलादी (45) ने अपनी बाइक को बस से टकरा दिया। घटना के बाद चंद्रमा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। मामला दर्ज कर लिया गया है। आगे की जांच पड़ताल जारी है।

अगले शैक्षणिक वर्ष से सरकारी स्कूलों में कौशल प्रशिक्षण: शिक्षा मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक सरकार अगले शैक्षणिक वर्ष में स्कूल में कौशल कार्यक्रम शुरू करके बच्चों को कौशल प्रशिक्षण देने की योजना बना रही है। स्कूल शिक्षा मंत्री मधु बंगरप्पा ने कहा हम बच्चों में उनकी रुचि के अनुसार कम उम्र से ही कौशल सुधारने की योजना बना रहे हैं। यह स्कूली शिक्षा का हिस्सा होगा और आगामी बजट में इसकी घोषणा की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, विभाग स्तर पर शुरू किए जाने वाले कौशल में संचार कौशल, समस्या समाधान, उद्यमिता कौशल, डिजिटल कौशल आदि शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार सभी सरकारी स्कूलों को इंटरनेट की सुविधा प्रदान करेगी और यह कौशल कार्यक्रम का हिस्सा होगा। दिलचस्प बात यह है कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की विशेषताओं में से एक है, जिसे कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने खारिज कर दिया है। एनईपी में स्कूली पाठ्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षा को कई तरह के व्यावहारिक कौशल के साथ एकीकृत करने की सिफारिश की गई है। जैसा कि एनईपी में उल्लेख किया गया है, छात्रों को नौकरी के बाजार के लिए आवश्यक प्रतिस्पर्धी कौशल से लैस करने के लिए पारंपरिक शैक्षणिक ज्ञान से आगे बढ़ना है। एनईपी द्वारा सूचीबद्ध कौशल संचार कौशल, डिजिटल साक्षरता आदि हैं।

संस्कृति मंत्री को कन्नड़ शब्द गलत लिखने पर शर्मिंदगी का करना पड़ा सामना

कोप्पल/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के कन्नड़ और संस्कृति मंत्री शिवराज तंगागी को गुरुवार को उस समय शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ा, जब उन्होंने कोप्पल जिले में स्कूली बच्चों के सामने व्याकरण की दृष्टि से गलत कन्नड़ शब्द लिख दिया। करातागी में एक आंगनवाड़ी केंद्र के उद्घाटन समारोह के बाद, मंत्री ने थोड़ी व्याकरण संबंधी गलती के साथ शुभगली (जिसका अर्थ है सौभाग्य) शब्द लिख दिया। इस गलती के कारण विवाद पैदा हो गया और मंत्री की भाषा में दक्षता पर सवाल उठने लगे। गलती के बारे में पूछे जाने पर, मंत्री शिवराज तंगागी ने जवाब दिया मेरे पास सामान्य ज्ञान है, और मैं अज्ञानी नहीं हूं। यह मेरा सत्ता में 12वां साल है। क्या मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लोग भाषा के बारे में मेरे ज्ञान को नहीं जानते? मैंने बीएससी की पढ़ाई की है और मेरे पास सामान्य ज्ञान है। एक इंसान के धैर्य की परीक्षा नहीं ली जानी चाहिए। उन्होंने आगे बताया मेरे

निर्वाचन क्षेत्र के लोग जानते हैं कि मैं कैसे काम करता हूँ और वास्तविकता को समझते हैं। मैं कुछ और लिख रहा था जब अधिकारियों ने मुझे शुभकामना संदेश लिखने का सुझाव दिया। वास्तव में थोड़ी व्याकरण संबंधी त्रुटि थी, संभवतः इसलिए क्योंकि मैं क्षण भर के लिए विचलित हो गया था। हालाँकि, मुझे ऐसे व्यक्ति के रूप में चित्रित करना गलत है जो लिखना नहीं जानता। निराशा व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा मैं इस घटनाक्रम के बारे में कुछ नहीं कह सकता। मैं स्नातक हूँ, फिर भी मीडिया में मेरे लिखने तक का इंतजार करने का धैर्य नहीं था। वीडियो रिकॉर्ड करने वाले व्यक्ति में भी धैर्य की कमी थी। मैं इतना अज्ञानी नहीं हूँ। मैंने अपनी डिग्री पूरी कर ली है और जब मैं लिखता हूँ तो सामान्य ज्ञान रखता हूँ। मैं जीवन भर पढ़ता रहा हूँ - क्या मैंने कभी गलत पढ़ा है? उन्होंने आगे कहा मैं सभी राष्ट्रीय अवसरों पर भाषण देता हूँ। क्या कभी ऐसा हुआ है कि मैंने तैयार भाषण से कुछ गलत पढ़ा हो? क्या मैंने कभी किसी शब्द का गलत उच्चारण किया हो? मुझे कोई शिकायत नहीं है, लेकिन मुझसे सवाल करने से पहले आपको मेरी क्षमताओं का आकलन करना चाहिए।

1.5 लाख रुपये का नकद बैग असली मालिक को लौटाया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु सिविक ग्रुप के संस्थापक-निदेशक निगेल अल्बुकर्क की ईमानदारी की सराहना की जा रही है, क्योंकि उन्होंने बार्के पुलिस के माध्यम से 1.5 लाख रुपये से भरा एक नकद बैग उसके असली मालिक को लौटा दिया। लालबाग के पास पाया गया यह बैग, जिसमें कोई पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं था। पैसे रखने के बजाय, निगेल ने मालिक का पता लगाने के लिए अपनी निजी जांच की। सत्यापन के बाद, उन्होंने पुलिस की सहायता से नकद बैग को असली दावेदार को सौंप दिया। मेंगलूरु के नागरिकों ने निगेल अल्बुकर्क की ईमानदारी और सराहनीय कार्य के लिए उनकी प्रशंसा की है।

केन्द्रीय विद्यालय मल्लेश्वरम में कक्षा का हुआ नवीनीकरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केन्द्रीय विद्यालय मल्लेश्वरम ने टेट्रा पैक के सहयोग से बुधवार को अपने मॉडल संधारणीय कक्षा का अनावरण किया, जिसमें रीसाइकिल किए गए पेय पदार्थों के डिब्बों से बने फर्नीचर हैं जो रोजमर्रा की जिंदगी में रीसाइकिलिंग की क्षमता को प्रदर्शित करते हैं। नए सिरे से तैयार किए गए इस कक्षा में डेस्क, कुर्सियाँ और अलमारी के 25 सेट हैं, जो सभी रीसाइकिल किए गए टेट्रा पैक की पैकेजिंग सामग्री से बने हैं।

केवी मल्लेश्वरम के प्रिंसिपल अनिल कुमार ने कहा कि टेट्रा पैक के साथ साझेदारी ने केवी मल्लेश्वरम को पर्यावरण चेतना के लिए एक मॉडल स्कूल के रूप में स्थापित करने में मदद की है। टेट्रा पैक साउथ एशिया के प्रबंध निदेशक कैसियो सिमोस ने कहा कि उनकी कंपनी ने एक साल में समुदाय को 1,000 रीसाइकिल किए गए उत्पाद दान करने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा केवी मल्लेश्वरम उनमें से एक है। मॉडल स्कूल परियोजना के बारे में मॉडल स्कूल परियोजना को एएआरसी (एक्शन अलायंस फॉर रिसाइकिलिंग बेवरेज कार्टन) के सहयोग से क्रियान्वित किया गया, जो एक उद्योग गठबंधन है जो पेय कार्टन उद्योग की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है और आरयूआर ग्रीनलाइफ, पर्यावरण शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाला एक मुंबई स्थित सामाजिक उद्यम है।

भारत के नागरिक बने पाकिस्तानी हिंदुओं ने दिल्ली चुनाव में किया मतदान

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

धार्मिक प्रताड़ना के कारण पाकिस्तान से भागकर आए कुछ हिंदुओं नागरिकता मिलने के बाद दिल्ली विधानसभा चुनावों में पहली बार मतदान किया। इन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बननी चाहिए। बता दें कि दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए 5 फरवरी 2025 को वोट डाले गए। नतीजे 8 फरवरी को आने हैं।

पाकिस्तान से आए राधेकृष्ण आडवाणी और उनका परिवार पहली बार भारत में मतदान किया। आडवाणी साल 2013 में अपनी मां, पिता, पत्नी और दो बच्चों के साथ भारत आए थे। वे अपना और अपने परिवार का भरण-पोषण के लिए पास के ही एक मोबाइल मरम्मत की दुकान पर काम करते हैं। दिल्ली विधानसभा चुनावों में पहली बार वोट देने के बाद उन्होंने कहा, मैंने पाकिस्तान में कभी मतदान नहीं किया और जब हम दिल्ली आए तो हमें घर जैसा महसूस हुआ। आज हमें लगता है कि हम वाकई यहीं के हैं। उन्होंने अपना वोटर कार्ड दिलाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं का धन्यवाद दिया। हालांकि, उनके घर की महिलाओं के वोटर आईडी नहीं मिले, क्योंकि प्रमाण पत्र देरी से जमा किए गए थे।

राधेकृष्ण आडवाणी की तरह ऐसे 150 से अधिक हिंदू हैं, जिन्होंने वोट किया। पिछले साल मोदी सरकार ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के तहत इन्हें भारतीय नागरिकता दी थी। आडवाणी की तरह ही पाकिस्तान से आए हजारों हिंदू दिल्ली स्थित मजनू का टीला और आदर्श नगर में स्थापित किए गए दो शिविरों में रह रहे हैं। राधेकृष्ण का कहना है कि सरकार अब उन लोगों की समस्याओं पर नजर डाले। उनका कहना है, हमारे इलाके में एक निजी कंपनी (टाटा पावर) बिजली सप्लाई करती है, जो बहुत महंगी है। हमें उम्मीद है कि सरकार हमें दिल्ली के दूसरे इलाकों की तरह ही सब्सिडी वाली बिजली मुहैया कराएगी। इसके साथ ही इलाका खाली करने के लिए मिलने वाले नोटिस से भी वे खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं।

आम आदमी पार्टी की वर्तमान सरकार को लेकर उन्होंने कहा, केजरीवाल को हमने देख लिया। हम चाहते हैं कि भाजपा सत्ता में आए। भाजपा कार्यकर्ता हमारे लिए काम करते रहते हैं। आम आदमी पार्टी (आपा) ने हमारे लिए कुछ नहीं किया। राधेकृष्ण और उनके 21 वर्षीय भाई लक्ष्मण का कहना है कि चुनाव प्रचार के दौरान आपा से कोई नहीं आया, जबकि भाजपा के लोग आते रहे। ये सिर्फ राधेकृष्ण और लक्ष्मण की बात नहीं है। हाल ही में नागरिकता पाए हिंदुओं ने अरविंद केजरीवाल की पार्टी की सरकार की जगह भाजपा की सत्ता की उम्मीद जताई। उनका कहना है कि भाजपा उनके लिए बेहतर कर सकती है। वे भारत की नागरिकता दिलाने से लेकर उनके लिए विभिन्न सुविधाओं की मांग तक के लिए भाजपा कार्यकर्ता आगे रहे हैं।

एनएसई लिमिटेड से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग का मामला

13 हजार निवेशकों से हुई 5600 करोड़ की धोखाधड़ी

प्रवर्तन निदेशालय ने दाखिल की नई चार्जशीट

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड (एनएसईएल) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नया आरोपपत्र दाखिल किया है। यह मामला करीब 13,000 निवेशकों से 5,600 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का है।

ईडी ने बताया कि 28 जनवरी को अभियोजन पक्ष की शिकायत मुंबई में विशेष धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) मामलों की विशेष अदालत के समक्ष 19 ब्रोकिंग इकाइयों और उनके निदेशकों के खिलाफ दायर की गई थी। इन पर एनएसईएल अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर निवेशकों को इस प्लेटफार्म पर व्यापार करने के लिए प्रलोभन देने का आरोप है।

एजेंसी ने बताया कि अदालत ने तीन फरवरी को आरोपपत्र पर संज्ञान लिया। ईडी ने पहले ही इस जांच के तहत 94 आरोपियों के खिलाफ छह आरोपपत्र दायर किए हैं और 3,288 करोड़ रुपए की सम्पत्ति अटैच की है।

ईडी ने बताया कि जांच में खुलासा हुआ कि ब्रोकिंग कंपनियों ने एनएसईएल में पंजीकरण कराने के बाद एक्सचेंज के बारे में झूठे आश्वासन देकर अपने ग्राहकों को गुमराह किया तथा अवैध व्यापार अनुबंधों को बढ़ावा दिया, जिनकी उन्हें इसकी अनुमति नहीं थी। एजेंसी ने कहा कि ब्रोकिंग कंपनियों के साथ सांठगांठ कर एनएसईएल ने एक ऐसी प्रणाली स्थापित की, जो उनके ग्राहकों के लिए गोदाम रसीदों या भौतिक वस्तुओं के संग्रह की जरूरत को जानबूझकर बाईपास कर देती थीं। ईडी ने मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा के साथ मिलकर एनएसईएल और इससे जुड़े अन्य लोगों की जांच के लिए 2013 में पीएमएलए के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया था। एजेंसी ने आरोप लगाया था कि उक्त मामले में आरोपियों ने निवेशकों को धोखा देने के लिए आपराधिक साजिश रची, उन्हें एनएसईएल के मंच पर व्यापार करने के लिए प्रेरित किया, फर्जी गोदाम रसीदों जैसे जाली दस्तावेज बनाए, खातों में हेराफेरी की और इस तरह करीब 13,000 निवेशकों के खिलाफ 5,600 करोड़ रुपए का आपराधिक विश्वासघात किया।

गुलाम नबी आजाद की पार्टी से आजाद होने जा रहे कई नेता

जम्मू, 06 फरवरी (ब्यूरो)।

पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद की पार्टी का अस्तित्व खतरे में है क्योंकि उनकी पार्टी के अधिकतर नेता पार्टी को छोड़ने जा रहे हैं। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद और केंद्रीय मंत्री के नेतृत्व वाली डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी का राजनीतिक सफर केंद्र शासित प्रदेश में अपने अंतिम पड़ाव पर हो सकता है।

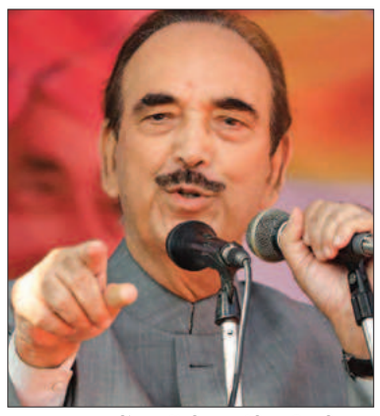

वर्ष 2022 में कांग्रेस छोड़ने वाले सभी नेताओं ने फिर से बड़ी पुरानी पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक ताज मोहिउद्दीन के नेतृत्व में कई नेता अगले कुछ दिनों में फिर से कांग्रेस में शामिल होने वाले हैं। ताज ने आजाद की पार्टी में शामिल होने के लिए अगस्त 2022 में कांग्रेस छोड़ दी थी। बाद में उन्होंने पिछले साल अगस्त में पार्टी से इस्तीफे की घोषणा की और फिर उड़ी निर्वाचन क्षेत्र से एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में 2024 का विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन असफल रहे।

बदलते घटनाक्रम में कांग्रेस में फिर से शामिल होने का इरादा रखने वाले अन्य नेताओं में जीएम सरूरी, देवसर से मुहम्मद अमीन भट, अशोक कुमार, गुलजार अहमद वानी और अन्य शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस सप्ताह जम्मू या नई दिल्ली में बड़े पैमाने पर फिर से शामिल होने की उम्मीद है। कांग्रेस में फिर से शामिल होने की उम्मीद रखने वाले कई नेताओं ने पिछले साल ही डीपीएपी से इस्तीफा दे दिया था। गौरतलब है कि इससे पहले यह खबर दी जा चुकी थी कि 2024 के विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद डीपीएपी अनिश्चित भविष्य का सामना कर रही है। पार्टी की गतिविधियां ठप्प हो गई हैं, और आजाद खुद जम्मू कश्मीर के राजनीतिक परिदृश्य से असामान्य चुप्पी और अनुपस्थिति बनाए हुए हैं।

ममता बनर्जी बदलना चाहती हैं पश्चिम बंगाल का नाम

कलकत्ता हुआ कोलकाता अब प. बंगाल होगा बांग्ला

कोलकाता, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल का नाम बदलना चाहती हैं। अपनी इस मांग को एक बार फिर से टीएमसी ने संसद में उठाया है। टीएमसी की राज्यसभा सांसद रीताब्रत बनर्जी ने राज्यसभा में यह मांग दोहराई। टीएमसी सांसद ने राज्य का नाम बांग्ला करने की मांग की।

सांसद ने ममता बनर्जी का हवाला देते हुए कहा पश्चिम बंगाल का बांग्ला नाम वहां की भाषा, संस्कृति और इतिहास के साथ मेल खाता है। टीएमसी सांसद का आरोप है कि 2018 में ममता बनर्जी ने राज्य विधानसभा में इसको लेकर एक प्रस्ताव पारित किया था,

जिसके बाद उसे मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को भेजा था, लेकिन, उसे अब तक मंजूरी नहीं दी गई है। रीताब्रत बनर्जी का कहना है कि 1947 में भारत के बंटवारे के बाद बांग्लादेश को पूर्वी पाकिस्तान कहा गया और हमें पश्चिम बंगाल कहा गया। अब पूर्वी पाकिस्तान नहीं रहा तो हमें भी अपना नाम बदलना चाहिए। टीएमसी सांसद का कहना है कि 1955 में बॉम्बे को मुंबई किया गया, 1996 में मद्रास चेन्नई बना, कलकत्ता 2001 में कोलकाता बन गया और बैंगलोर 2014 में बेंगलुरु हो गया। इसके अलावा 2011 में उड़ीसा का नाम भी ओड़ीशा कर दिया गया था। टीएमसी की इस मांग पर विपक्ष का कहना है कि राज्य में इससे अधिक आवश्यक मुद्दा वहां अवैध बांग्लादेशियों मौजूदगी है, जिस पर सरकार कोई कदम नहीं उठा रही है।

वायुसेना का लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, दोनों पायलट सुरक्षित

शिवपुरी, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

मध्य प्रदेश के शिवपुरी के पास वायुसेना का लड़ाकू विमान मिराज-2000 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दोनों पायलटों को हल्की चोट आई है, लेकिन वे सुरक्षित बच गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन ने तुरंत एक टीम को घटना स्थल के लिए रवाना किया। हादसे की जांच का आदेश दे दिया गया है।

वायुसेना का विमान नरवर तहसील के दबरासानी गांव में एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिसके बाद उसमें आग लग गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण घटना स्थल के पास पहुंच गए थे। मौके पर वायुसेना का हेलीकॉप्टर पहुंचा और दोनों पायलटों को लेकर ग्वालियर रवाना हो गया। दोनों पायलटों ने खुद को इजेक्ट कर लिया था, जिससे दोनों की जान बच गई। विमान ने ग्वालियर से अभ्यास उड़ान भरी थी।

भाग रहे ट्रक पर सेना ने गोली चलाई, ड्राइवर मरा

जम्मू, 06 फरवरी (ब्यूरो)।

श्रीनगर से बारामुला की ओर जा रहे एक ट्रक चालक ने तलाशी का उल्लंघन कर भागने की कोशिश की। सेना ने रोकने की कोशिश की और करीब 23 किलोमीटर तक पीछा किया। तेजी से भाग रहे ट्रक को रोकने के लिए सेना को आखिरकार गोलियां चलानी पड़ीं। सेना की गोली से ट्रक चालक वसीम मजीद मीर की मौत हो गई। ट्रक जब्त कर ली गई है और मामले की छानबीन की जा रही है। चालक की पृष्ठभूमि और वाहन में मौजूद सामान की जांच जारी है।

महाकुंभ आकर हो रहा सनातनी होने का गौरव: ईशा गुप्ता

अभिनेत्री और मॉडल ईशा गुप्ता ने की सीएम योगी की प्रशंसा

महाकुंभ नगर, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

अभिनेत्री और मॉडल ईशा गुप्ता भी गुरुवार को आस्था की डुबकी लगाने महाकुंभ पहुंचीं। उन्होंने महाकुंभ में की गई व्यवस्थाओं को लेकर योगिनसरकर की तारीफ की और कहा कि यहां आकर उन्हें सनातनी होने पर गौरव की अनुभूति हो रही है।

महाकुंभ 2025 में अपनी उपस्थिति को लेकर ईशा गुप्ता ने कहा कि मैं यहां एक बॉलीवुड अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि एक सनातनी के रूप में आई हूं।

बॉलीवुड एक्टर्स का काम एक्टिंग करना है, लेकिन भारतीय होने के नाते यहां आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। ईशा गुप्ता ने कहा की महाकुंभ में व्यवस्था बहुत अच्छी रही है। 144 साल में यह अवसर आया है।

मोदी और योगी जी ने इस आयोजन को भव्य और दिव्य बनाने के लिए काफी मेहनत की है। मुझे नहीं लगता कि इतना बड़ा आयोजन इतनी सारी व्यवस्थाओं के साथ पूरे विश्व में कहीं भी हो पाएगा। पूरी दुनिया में लोग जानते हैं कि भारत जैसी आस्था किसी और देश में नहीं। महाकुंभ के माध्यम से आज पूरी दुनिया इसका अनुभव कर रही है।

उन्होंने कहा कि हम बचपन से मूवी तक में देखते रहे हैं कि यहां महाकुंभ में आकर लोग खो जाते हैं। लेकिन इस बार इतनी ऑर्गेनाइज व्यवस्था रही है कि लोग इस पर रील बनाकर प्रशंसा कर रहे हैं। व्यवस्था इतनी सुदृढ़ है कि लोग स्वत: ही लाइन से आ और जा रहे हैं।

किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो रही है। उन्होंने अपील की कि यदि आप सनातन धर्म को फॉलो करते हैं तो हर हर महादेव का नारा लगाकर यहां चले आइए।

तिरुपति मंदिर से 18 गैर हिंदू कर्मचारी दूसरे विभागों में स्थानांतरित

तिरुपति, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर का प्रबंधन करने वाला तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने मंदिर के 18 गैर-हिंदू कर्मचारियों को दूसरे सरकारी विभागों में स्थानांतरित कर दिया है। टीटीडी के अध्यक्ष बीआर नायडू के आदेश पर यह कार्रवाई की गई। नायडू का कहना है कि ऐसा कदम मंदिर की पवित्रता को बनाए रखने के लिए उठाया जा रहा है। अब इन लोगों के मंदिर एवं उससे संबंधित काम में भाग लेने पर रोक रहेगी।

टीटीडी द्वारा 1 फरवरी 2025 को जारी कार्यकारी आदेश के अनुसार, इन 18 कर्मचारियों में से 6 टीटीडी द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में

शिक्षक हैं। इसके अलावा एक उप-कार्यकारी अधिकारी (कल्याण), एक सहायक कार्यकारी अधिकारी, एक सहायक तकनीकी अधिकारी (विद्युत), एक छात्रावास कार्यकर्ता, दो इलेक्ट्रीशियन और दो नर्स शामिल हैं। जिन लोगों दूसरे विभागों में स्थानांतरित किया गया है, उनमें तिरुपति के एसवी आयुर्वेदिक कॉलेज में प्रोफेसर डॉक्टर केवी विजय भास्कर रेड्डी, प्रिंसिपल डॉक्टर रेणु दीक्षित, तिरुपति के एसपीडब्ल्यू डिग्री एवं पीजी कॉलेज में लेक्चरर के सुजाता और प्रिंसिपल जी असुंथा, एसजीएस आर्ट्स कॉलेज में लेक्चरर के प्रताप, एसवी आर्ट्स कॉलेज में लेक्चरर के मानेकशॉ दयान एवं अनुबंध कर्मचारी एनसी भीमन्ना शामिल हैं।

इसके अलावा, टीटीडी के कल्याण विभाग के डिप्टी एग्जीक्यूटिव अधिकारी ए आनंद राजू और टीटीडी के ही नीलामी विभाग के सहायक कार्यकारी अधिकारी ए राजशेखर बाबू को तबादला के लिए कहा गया है। स्थानांतरित किए गए अन्य लोगों में श्री वेंकटेश्वर कर्मचारी प्रशिक्षण अकादमी (एवीईटीए) के निदेशक कार्यालय की वीबी कोमला देवी शामिल हैं।

इसके अलावा, टीटीडी के बिजली विभाग में इलेक्ट्रीशियन एम शेखर, बीआईआरआरडी अस्पताल की हेड नर्स टी कल्याणी और स्टाफ नर्स ए सौभाग्यम और एस रोजी, एसवी पुअर होम में मेडिको नर्सिंग अधिकारी टी नारायण स्वामी, सहायक तकनीकी अधिकारी (इलेक्ट्रिकल) जी असरवदम और सेंट्रल हॉस्पिटल, तिरुपति में रेडियोग्राफर जी गोपी शामिल हैं।

आंध्र प्रदेश के धर्मस्व मंत्री अनम रामनारायण रेड्डी ने बताया कि जो कर्मचारी गैर-हिंदू धार्मिक गतिविधियों में शामिल का मतलब है कि ऐसे कर्मचारी या तो ईसाई हैं या फिर मुस्लिम और वे हिंदू मान्यताओं का अनुसरण नहीं करते। दरअसल, नवंबर 2024 में टीटीडी की बैठक में गैर-हिंदुओं को मंदिर एवं उससे संबंधित विभाग से स्थानांतरित करने का प्रस्ताव पास किया गया था।

कई देशों में भेजी गई महाकुंभ की 10 हजार अमिट निशानियां

महाकुंभनगर, 06 फरवरी (एजेंसियां)।

पवित्र त्रिवेणी के किनारे संगम की रेती पर महाकुंभ को यादगार बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की गई है। रूस, जर्मनी, फ्रांस, इज़राइल और इटली तक महाकुंभ की 10 हजार से अधिक अमिट निशानियां भेजी गई हैं। जिनमें प्रयागराज के प्रसिद्ध अमरूद के साथ बेल और केले के पौधे भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हरित और सांस्कृतिक महाकुंभ के विजन को अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष समेत समस्त महामंडलेश्वरों ने सराहा है। महाकुंभनगर में देश विदेश से आए बड़े हनुमान मंदिर और बाघंबरी मठ की ओर से श्रद्धालुओं को महाप्रसाद के रूप में फलदार पौधों के साथ नीम और तुलसी के पौधे भी वितरित किए गए।

बड़े हनुमान मंदिर, संगम तट, प्रयागराज के महंत एवं श्रीमठ बाघम्बरी पीठाधीश्वर पूज्य बलवीर गिरि जी महराज के संयोजन में श्रीमठ बाघम्बरी गद्दी में अचला सप्तमी महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें महाप्रसाद के रूप में साधु-संतों और श्रद्धालुओं को पौधों के साथ एक थैला और एक थाली भी प्रदान की गई। श्रीमहंत बलवीर गिरि ने कहा कि एक थैला और एक थाली के साथ ही प्रयाग में पौधा पाने वाला बहुत भाग्यशाली है। वहीं, सीएम योगी द्वारा सम्मानित सबसे कम उम्र के गंगा सेवक पर्यावरणविद् मानस चिरविजय सांकृत्यायन ने कहा हम अपने मुख्यमंत्री योगी के साथ श्रीमठ बाघम्बरी पीठाधीश्वर बलवीर गिरि के आशीर्वाद से हरित महाकुंभ की संकल्पना को पूरा कर रहे हैं।

इस अवसर पर श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर सती गिरि जी महाराज ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ही वे महापुरुष हैं जो संत समाज का सम्मान कर रहे हैं। इनमें महादेव की शक्ति और आदियोगी गोरखनाथ जी की कृपा कार्य कर रही है, जिसकी वजह से न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व के लिए यह महाकुंभ एक ऐतिहासिक अवसर बना। उन्होंने कहा कि संगम की रेती पर श्रद्धालुओं का ऐसा उत्साह उमड़ा कि विशाल स्थान भी कम पड़ गया। उन्होंने महाकुंभ को हरित क्षेत्र बनाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

वहीं, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सनातन धर्म के रक्षक और संतों के सेवक के रूप में सराहा।

यूपी में जल परिवहन और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

प्राधिकरण के गठन को कैबिनेट की मंजूरी

लखनऊ, 06 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश की योगी सरकार ने राज्य में जल परिवहन एवं जल पर्यटन को विकसित करने की दिशा में एक महत्व-पूर्ण कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के गठन को मंजूरी दे दी है। इस प्राधिकरण के कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए उत्तर प्रदेश जलमार्ग प्राधिकरण नियमावली 2025 को प्रख्यापित किया गया है। योगी कैबिनेट ने इस नियमावली को अपनी सहमति प्रदान कर दी है। गुरुवार को लोकभवन में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में 12 प्रस्तावों पर चर्चा हुई। इनमें से एक को छोड़कर 11 को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है।

गौरतलब है कि देश में 111 राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किए गए हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश में गंगा, यमुना सहित कुल 11 राष्ट्रीय जलमार्ग मौजूद हैं। जलमार्गों के जरिए परिवहन को किफायती और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से इस प्राधिकरण की स्थापना की जा रही है। सरकार का मानना है कि जल परिवहन प्रणाली विकसित होने से यातायात के अन्य साधनों पर दबाव कम होगा और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

इस प्राधिकरण का नेतृत्व मुख्यमंत्री द्वारा नामित परिवहन मंत्री या अंतर्देशीय जलमार्ग, शिपिंग, नेविगेशन, पोर्ट्स और मैरीटाइम मामलों के विशेषज्ञ द्वारा किया जाएगा। उपाध्यक्ष के रूप में ऐसे ही विशेषज्ञ व्यक्तियों में से किसी एक को राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा। इसके अलावा, वित्त, लोक निर्माण, पर्यटन एवं संस्कृति, सिंचाई एवं जल संसाधन और वन एवं पर्यावरण विभाग के अपर मुख्य सचिव या प्रमुख सचिव इस प्राधिकरण के पदेन सदस्य होंगे।

ई लॉटरी द्वारा होगा शराब की दुकानों का लाइसेंस

2025-26 की आबकारी नीति को भी कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने बताया कि इस नीति के तहत शराब की दुकानों का लाइसेंस अब ई-लॉटरी द्वारा दिया जाएगा और इस बार पुराने लाइसेंस का रिन्यूअल नहीं किया जाएगा। हालांकि, 2026-27 में लाइसेंस रिन्यूअल का विकल्प दिया जाएगा। इसके अलावा, सरकार ने 55 हजार करोड़ रुपए का राजस्व जुटाने का लक्ष्य तय किया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष से 4000 करोड़ रुपए अधिक है। नई नीति में यह भी प्रावधान किया गया है कि कोई भी व्यक्ति, फर्म या कंपनी दो से अधिक लाइसेंस नहीं ले सकेंगी। इसके अलावा, अब से विदेशी मदिरा 60 और 90 मिलीलीटर के पैक में भी उपलब्ध होगी, जो पहले नहीं थी।

केजीएमयू में 500 बेड के ट्रॉमा सेंटर का होगा विस्तार

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ में मरीजों की संख्या में निरंतर वृद्धि को देखते हुए यहां स्थापित ट्रॉमा सेंटर के विस्तार का निर्णय लिया गया है। वर्तमान ट्रॉमा सेंटर का विस्तार करते हुए इसे 460 बेड से बढ़ाकर 500 बेड का किया जाएगा। इसके साथ ही पेशेंट यूटिलिटी कॉम्प्लेक्स का भी निर्माण कराया जाएगा। इस पर 272 करोड़ 97 लाख रुपए की राशि खर्च होगी। इस निर्णय से एक ही छत के नीचे किसी भी दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल मरीजों को सभी सर्जिकल स्पेशियलिटी सुविधाएं सुलभ हो सकेंगी।

यूपी 112 को मिलेंगे 469 नए वाहन

यूपी 112 के निर्बाध संचालन के लिए कैबिनेट ने 469 पुराने वाहनों की जगह 469 नए वाहनों का अनुमोदन प्रस्ताव मंजूर कर लिया। इसके लिए 43 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि खर्च की जाएगी। इसमें चार पहिया वाहनों के साथ-साथ दोपहिया वाहनों की भी खरीद की जाएगी।

हाई स्पेसिफिकेशन वाले टैबलेट का उपयोग करेंगे शिक्षक

डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों को हाई स्पेसिफिकेशन वाले टैबलेट उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए भारत सरकार से अनुमोदित राशि के अतिरिक्त खर्च होने वाली राशि को राज्य सरकार वहन करेगी। मालूम हो कि भारत सरकार द्वारा टैबलेट खरीद के लिए 5166.70 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है, लेकिन टैबलेट को छात्र हित में अधिक उपयोगी बनाने के लिए उच्च स्पेसिफिकेशन वाले टैबलेट की खरीद के लिए राज्य सरकार द्वारा 1468.80 लाख रुपए वहन किए जाएंगे।

इसके अलावा, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष द्वारा नामित एक प्रतिनिधि भी सदस्य के रूप में शामिल होगा। उत्तर प्रदेश के परिवहन आयुक्त इस प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी होंगे।

इस प्राधिकरण के अंतर्गत विभिन्न महत्वपूर्ण प्रावधानों को शामिल किया गया है। इनमें अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की शक्तियां एवं कर्तव्य, आवासीय व्यवस्था, यात्रा भत्ता, बैठकों की प्रक्रिया, कोरम, सलाहकार समितियों का गठन, कार्य संचालन की प्रक्रिया, सदस्यों का कार्यकाल, विशेषज्ञों का पैनल, बजट, लेखा और लेखा परीक्षा से जुड़े नियमों को सम्मिलित किया गया है। इसके अलावा, वार्षिक लेखा रिपोर्ट, आरक्षित निधि, तथा भूमि और सम्पत्ति में प्रवेश करने से संबंधित प्रावधान भी निर्धारित किए गए हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार जल परिवहन के साथ-साथ जल पर्यटन को भी विकसित करने की योजना बना रही है। इस प्राधिकरण के माध्यम से विभिन्न पर्यटन स्थलों को जलमार्ग से जोड़ने और उन्हें आकर्षक बनाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। इससे पर्यटकों को एक नया अनुभव मिलेगा और राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। सरकार का यह कदम जल परिवहन को बढ़ावा देने और राज्य में आर्थिक विकास को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

महाकुंभ पहुंचे मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने कहा

महाकुंभ मेला नहीं, भारतीय संस्कृति और आस्था का महान संगम

महाकुंभ नगर, 06 फरवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह गुरुवार को महाकुंभ पहुंचे। उन्होंने महाकुंभ को ऐतिहासिक और दुर्लभ आध्यात्मिक अवसर बताया। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह अपने मंत्रीमंडल के सहयोगियों और विधायकों के साथ त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान के लिए पहुंचे। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने कहा कि महाकुंभ केवल एक मेला नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और आस्था का महान संगम है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन की दिव्यता और आध्यात्मिक ऊर्जा पूरे देश को जोड़ने का कार्य करती है।

केंद्रीय मंत्री श्रीपद नाइक भी महाकुंभ पहुंचे और महाकुंभ दिव्यता एवं भव्यता की सराहना की। उन्होंने इसे ऐतिहासिक आयोजन बताया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महाकुंभ का यह आयोजन अपने आप में एक मिसाल है। करोड़ों श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं और उन्हें उच्च स्तरीय सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

इस सुव्यवस्थित आयोजन के लिए उन्होंने मोदी-योगी सरकार को धन्यवाद दिया। केंद्रीय मंत्री ने संगम स्नान के बाद कहा कि यह आयोजन भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की दिव्यता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि इस स्तर का आयोजन करना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन योगी सरकार ने इसे पूरी तरह सफल बनाया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद भी महाकुंभ पहुंचे और महाकुंभ की भव्यता देख कर अभिभूत हुए। रविशंकर प्रसाद ने कहा, यहां की व्यवस्था देखने के बाद मैं योगी आदित्यनाथ को तहेदिल से बधाई देना चाहता हूं। मुझे लगता है कि अब तक 40 करोड़ लोग यहां आ चुके हैं। आज मैंने कम से कम 1 करोड़ लोगों को पवित्र स्नान करते देखा। यह दुनियाभर के बड़े विश्वविद्यालयों के लिए एक बड़ी केस स्टडी है कि कैसे दो महीने तक 40-50 करोड़ लोगों के ठहरने की व्यवस्था यहां की जाती है।

महाकुंभ की भव्यता से योगी के कायल हुए गोवा के सीएम

विशेष ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

पणजी/महाकुंभनगर, 06 फरवरी (एजेंसियां)। तीर्थराज प्रयागराज में महाकुंभ-2025 का आयोजन हर दिन के साथ दिव्यता व भव्यता के नए सोपानों की ओर अग्रसर है। इस दिव्यता और भव्यता का साक्षी बनने पूरी दुनिया से लोग आ रहे हैं। इसी क्रम में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने गुरुवार को राज्य सरकार की मुख्यमंत्री देव दर्शन यात्रा योजना के तहत पहली तीर्थयात्रा ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर प्रयागराज के लिए रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने महाकुंभ में हुई व्यवस्थाओं को लेकर जमकर सराहा। उन्होंने कहा कि महाकुंभ 2025 विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित आध्यात्मिक आयोजन है।

40 करोड़ से अधिक लोग इसमें भाग ले रहे हैं, और इतने बड़े आयोजन की व्यवस्थाएं करना निश्चित रूप से एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। योगी आदित्यनाथ जी ने इसे सफल बनाने के लिए शानदार व्यवस्थाएं की हैं। हम गोवा के तीर्थयात्रियों को इस पवित्र आयोजन में शामिल होने का अवसर प्रदान कर गर्व महसूस कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरासत भी, विकास भी विजन की सराहना करते हुए कहा कि हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोते हुए देश के विकास के लिए भी कार्य करना है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। हमें आने वाली पीढ़ियों को हमारी विरासत से परिचित कराते हुए विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ना होगा। उल्लेखनीय है कि कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सहयोग से संचालित यह विशेष ट्रेन महाकुंभ 2025 के लिए तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुगम बनाने के लिए निर्धारित तीन ट्रेनों में से पहली है। इस अवसर पर गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत के साथ समाज कल्याण मंत्री सुभाष फलदेसाई, गोवा भाजपा अध्यक्ष दामू नाइक और अन्य गणमान्य व्यक्ति उप-स्थित रहे। महाकुंभ 2025 के लिए तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए दो अतिरिक्त विशेष ट्रेनें 13 फरवरी और 21 फरवरी 2025 को मडगांव रेलवे स्टेशन से सुबह 8 बजे रवाना होंगी। प्रत्येक ट्रेन में 1,000 तीर्थयात्रियों के बैठने की सुविधा होगी। इतना ही नहीं, इसमें 18 से 60 वर्ष की आयु के बिना किसी चिकित्सीय समस्या वाले योग्य यात्री पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर सीटें बुक करा सकते हैं। तीर्थयात्रियों ने इस आध्यात्मिक यात्रा को संभव बनाने के लिए सरकार का आभार व्यक्त किया।

गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने कहा, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में इतने बड़े महाकुंभ के आयोजन के लिए मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का अभिनंदन करता हूं। 40 करोड़ से अधिक लोगों के लिए व्यवस्थाएं करना बहुत बड़ी उपलब्धि है। गोवा सरकार की ओर से, हम उत्तर प्रदेश सरकार को इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने सपरिवार किया संगम स्नान

महाकुंभनगर, 06 फरवरी (एजेंसियां)। सनातन संस्कृति के महापर्व महाकुंभ-2025 के अंतर्गत हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को सपरिवार आस्था, भक्ति व अध्यात्म के संगम में पुण्य स्नान किया। त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना की। योगी सरकार द्वारा महाकुंभ को दिव्य व भव्य बनाने के प्रयासों को लेकर पूरी तरह संतुष्ट दिखे सैनी ने इस महाआयोजन का विरोध करने वालों तथा इसके खिलाफ नकारात्मकता फैलाने वालों को आड़े हाथ लेते हुए उन्हें नसीहत भी दे डाली।

साथ ही, यह भी कहा कि प्रायोजित एजेंडे के तहत इस प्रकार के कृत्यों को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। सैनी के सपरिवार महाकुंभनगर आगमन पर उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कुंभ कलश भेंट कर भव्य स्वागत किया तथा उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से उनका अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री सैनी ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि महाकुंभ केवल आस्था का संगम नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की जीवंत धरोहर है। यह आयोजन भारत की आध्यात्मिक शक्ति और सांस्कृतिक विरासत का भव्य प्रतीक है, जिसे आज पूरा विश्व

देख रहा है और गौरव की अनुभूति कर रहा है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस विराट आयोजन की भव्यता की सराहना करते हुए कहा कि महाकुंभ 2025 सनातन धर्म की दिव्यता और गौरवशाली परंपराओं का प्रतीक बनेगा।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह सनातन का वह केंद्र है जहां पीढ़ियों से लोग मां गंगा की त्रिवेणी में आकर डुबकी लगाते हैं और अपने जन्म को धन्य करते हैं। न केवल देश बल्कि सकल विश्व से लोग इस महासमागम का हिस्सा बनने आ रहे हैं। ऐसे में, जब भी कोई अच्छा काम होता है तो कुछ लोगों का ध्येय उसमें विघ्न डालने का बन जाता है। कुछ लोग प्रायोजित एजेंडे के तहत या जानबूझकर नकारात्मकता के प्रसार को ही अपना लक्ष्य बनाकर इस पवित्र समागम में आ रहे हैं जो कि गलत है और किसी प्रकार से स्वीकार्य नहीं है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सकारात्मक पक्षों को देखने के बजाए नकारात्मक पहलुओं के पीछे ऊर्जा बर्बाद करना कुछ लोगों का ध्येय बन गया है। सैनी ने ऐसे तत्वों को नसीहत देते हुए कहा कि बेहतर होगा कि अगर उन्हें कोई नकारात्मकता दिख रही है तो उसे दूर करने में शासन-प्रशासन का सहयोग करें।

संपादकीय

यह किसकी जमीन

विधायक प्राथमिकता बैठक से रूठा भाजपा का कुनबा भले ही बहिष्कार करता रहा, लेकिन प्रदेश के सत्ता पक्ष ने अपनी जमीन हथिया ली। विपक्ष की गैर मौजूदगी का आक्रोश छन से बाहर आया, तो मालूम हुआ कि हमारी राजनीति का स्तर किस गति से गिर रहा है। बहरहाल अपनी जवाबदेही में सरकार ने नाबार्ड योजनाओं के बही खाते खोल कर समझाने की चेष्टा की कि वह भी तू डाल-डाल, तो मैं पात-पात की स्थिति में है। इस बहिष्कार की संगत में 28 विधानसभा क्षेत्र कम से कम यह तो नहीं बता पाए कि उनके भीतर कितनी क्षमता, कितनी संभावना और कितनी महत्त्वाकांक्षा रची बसी है। मंडी जैसा पूरा जिला एक तरह से अलग होकर बैठ गया, तो भाजपा विधायकों का विजन खामोश हो गया। अगर सत्य विपक्ष के पास है, तो सत्ता को ऐसे दृष्टांत से बचने का रास्ता चाहिए। कोशिश अगर यह हो जाए कि 28 विधानसभा क्षेत्रों के लोग भी सरकार को प्रिय हैं, तो धरातल पर उभरते अक्स में कुछ तो कहा जाएगा। खैर इन बैठकों के माध्यम से प्रदेश के कांग्रेसी विधायकों का विजन तो सामने आया। खास पहलू यह कि अब हर विधानसभा क्षेत्र में पर्यटन की संभावना खोजी जाने लगी है। कुछ संकल्प व्यावहारिक और कुछ भविष्य की ओर देख रहे हैं। जब पालमपुर के आशीष बुटेल टी-टूरिज्म की कोंपलें चुनते हैं या बैजनाथ के विधायक किशोरी लाल बीड़-बिलिंग में पर्यटक सूचना केंद्र मांगते हैं, तो परिदृश्य में रौनक आती है। ज्वालामुखी के विधायक संजय रत्न मंदिर परिसर की सुविधाओं को आगे बढ़ाने का रास्ता चुनते हैं, तो धार्मिक पर्यटन का मंत्रोच्चारण शुरू होता है। चंबा के नीरज नैयर पर्यटन गतिविधियों में इजाफे के साथ हेली टूरिज्म की प्राथमिकता को आवाज देते हैं, तो हजार साल की संस्कृति कहीं मिंजर समारोह से आगे धरोहर पर्यटन की खोज खबर लेती है। शीतकालीन मरुस्थल को शीतकालीन खेलों का मक्का बनाने के प्रयत्न में लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा, प्रगतिशील इरादों को उकेर देती हैं। इसी तरह ठियोग के विधायक कुलदीप सिंह राठौर हाटू रोपवे के माध्यम से अपने क्षेत्र में पर्यटन का वसंत उगाना चाहते हैं। कहना न होगा कि अब विधायक अपने दायित्व के क्षेत्र में पर्यटन का दायरा बड़ा करना चाहते हैं। चाहते तो भाजपा के विधायक भी यही होंगे, क्योंकि अगर ज्वालाजी मंदिर को चार चांद लगते हैं, तो कांगड़ा, चामुंडा, दियोटसिद्ध और नयनादेवी के दर्शनों में विपक्षी विधायक भी सैलानियों के लिए पर्यटन का लंगर लगाना चाहते होंगे। मंडी की शिवधाम परियोजना के पीछे भाजपा विधायक और नेता प्रतिपक्ष की प्रतिबद्धता नजर आती है। जाहिर है विजन की हाजिरी के लिए सतत प्रयास चाहिए और अगर राज्य में पर्यटन के जरिए आर्थिकी व रोजगार के समाधान संभव हैं, तो पर्यटन प्राथमिकता बैठकों में विपक्ष की साझेदारी दिल्ली तक जरूरी है। ऐसे में सरकार अगर पर्यटन राज्य की शक्ल में प्राथमिकताएं तय करती है, तो हर विधानसभा क्षेत्र से हर गांव की दहलीज तक न जाने कितने-कितने पर्यटक हाजिरी लगाएंगे। राज्य के लक्ष्य में अगर आर्थिकी का संकल्प खड़ा करना है, तो इसे विविधता और सियासी एकता में देखना होगा। हर विधानसभा को कम से कम एक पर्यटक गांव तो बसा ही लेना चाहिए। इस तरह विधायक प्राथमिकता का ओजस्वी चेहरा, एक साथ 68 विधानसभा क्षेत्रों व सरकार के विभिन्न विभागों के बजटीय प्रावधानों का प्रसार हो जाएगा।

विपक्ष की गैर मौजूदगी का आक्रोश छन से बाहर आया, तो मालूम हुआ कि हमारी राजनीति का स्तर किस गति से गिर रहा है। बहरहाल अपनी जवाबदेही में सरकार ने नाबार्ड योजनाओं के बही खाते खोल कर समझाने की चेष्टा की कि वह भी तू डाल-डाल, तो मैं पात-पात की स्थिति में है। इस बहिष्कार की संगत में 28 विधानसभा क्षेत्र कम से कम यह तो नहीं बता पाए कि उनके भीतर कितनी क्षमता, कितनी संभावना और कितनी महत्त्वाकांक्षा रची बसी है। मंडी जैसा पूरा जिला एक तरह से अलग होकर बैठ गया, तो भाजपा विधायकों का विजन खामोश हो गया। अगर सत्य विपक्ष के पास है, तो सत्ता को ऐसे दृष्टांत से बचने का रास्ता चाहिए। कोशिश अगर यह हो जाए कि 28 विधानसभा क्षेत्रों के लोग भी सरकार को प्रिय हैं, तो धरातल पर उभरते अक्स में कुछ तो कहा जाएगा। खैर इन बैठकों के माध्यम से प्रदेश के कांग्रेसी विधायकों का विजन तो सामने आया। खास पहलू यह कि अब हर विधानसभा क्षेत्र में पर्यटन की संभावना खोजी जाने लगी है। कुछ संकल्प व्यावहारिक और कुछ भविष्य की ओर देख रहे हैं। जब पालमपुर के आशीष बुटेल टी-टूरिज्म की कोंपलें चुनते हैं या बैजनाथ के विधायक किशोरी लाल बीड़-बिलिंग में पर्यटक सूचना केंद्र मांगते हैं, तो परिदृश्य में रौनक आती है। ज्वालामुखी के विधायक संजय रत्न मंदिर परिसर की सुविधाओं को आगे बढ़ाने का रास्ता चुनते हैं, तो धार्मिक पर्यटन का मंत्रोच्चारण शुरू होता है।

पुस्तक मेला केवल किताबों तक सीमित नहीं है, यह सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का भी एक मंच है

पुस्तक-महाकुंभ से एक नये दौर का सूत्रपात

ललित गर्ग

प्रयागराज में सनातन धर्म का महाकुंभ तो दूसरा दिल्ली में पुस्तकों का महाकुंभ। 1 फरवरी से 9 फरवरी 2025 तक प्रगति मैदान के भारत मंडपम में पाठकों, लेखकों और प्रकाशकों एक भव्य महा-उत्सव जो पांच दशकों की समृद्ध विरासत के साथ, साहित्य, संस्कृति और ज्ञान का जीवंत संगम बना हुआ है।

देश में दो महाकुंभ चल रहे हैं, एक प्रयागराज में सनातन धर्म का महाकुंभ तो दूसरा दिल्ली में पुस्तकों का महाकुंभ। 1 फरवरी से 9 फरवरी 2025 तक प्रगति मैदान के भारत मंडपम में पाठकों, लेखकों और प्रकाशकों एक भव्य महा-उत्सव जो पांच दशकों की समृद्ध विरासत के साथ, साहित्य, संस्कृति और ज्ञान का जीवंत संगम बना हुआ है। इस वर्ष के पुस्तक मेले की मुख्य थीम 'रिपब्लिक @ 75' है, जो भारतीय संविधान के 75 वर्षों के जश्न पर एक मजबूत भारत की परिकल्पना, राष्ट्र-निर्माण में प्रगति, और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य पर केन्द्रित है। पुस्तक मेले का एक मुख्य आकर्षण बच्चों का मंडप है, जिसका उद्देश्य बच्चों के साहित्य को बढ़ावा देना और युवाओं में पढ़ने की आदत विकसित करना है। पुस्तक मेला केवल किताबों तक सीमित नहीं है; यह सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का भी एक मंच है। मेले में आयोजित नाट्य, संगीत, लोक कला और परंपरागत प्रस्तुतियाँ इसे एक समग्र अनुभव और वैश्विक दृष्टिकोण के संवाद का अवसर प्रदान कर रही है। इस अवसर पर विभिन्न देशों के साहित्यिक प्रतिनिधिमंडल की सहभागिता हो रही है, जो अपने सांस्कृतिक मूल्यों, परंपराओं और साहित्यिक दृष्टिकोण को साझा कर रहे हैं। आज डिजिटलीकरण और कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) के दौर में भले ही पुस्तकों की उपादेयता एवं अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह टंग रहे हो, लेकिन ऐसे अनूठे एवं विलक्षण पुस्तक मेले पुस्तकों की उपयोगिता, प्रासंगिकता एवं महत्व को नये पंख भी दे रहे हैं। पुस्तक मेलों की परंपरा भारत और विश्व में सैकड़ों वर्षों से चली आ रही है। प्राचीन भारत में भी पांडुलिपियों के आदान-प्रदान और साहित्यिक संवाद की परंपरा थी। आधुनिक युग में, पुस्तक मेले का आयोजन पहली बार यूरोप में 15वीं शताब्दी में हुआ। गुटेनबर्ग द्वारा मुद्रण तकनीक के आविष्कार के बाद पुस्तकों का वितरण तेज़ी से बढ़ा और इसने पुस्तक मेलों के आयोजन को प्रेरित किया। भारत में पुस्तक मेलों की आधुनिक परंपरा 1970 के दशक में प्रारंभ हुई, जब नेशनल बुक ट्रस्ट ने दिल्ली में पहले

विश्व पुस्तक मेले का आयोजन किया। ये मेले न केवल साहित्यिक संवाद का माध्यम बने हैं, बल्कि विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों को जोड़ने का एक सशक्त मंच बनकर शब्द, विचार तथा भावनाओं को जीवंत किया हैं। ये केवल पुस्तकों की खरीद-बिक्री का स्थान नहीं, बल्कि भाषाई और साहित्यिक विविधता को प्रोत्साहित करते हुए समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर उनके विचारों को साझा करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि पुस्तक मेले न केवल साहित्यिक चेतना को सजीव करते हैं, बल्कि गहरी सांस्कृतिक चेतना का पोषण भी करते हैं। विश्व पुस्तक मेला न केवल पुस्तकों का उत्सव है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक धरोहर, साहित्यिक समृद्धि और विविधता का उत्सव मनाने के साथ पुस्तक-संस्कृति को सजीव बनाने का अवसर भी है। इंसान की ज़िंदगी में विचारों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। वैचारिक क्रांति एवं विचारों की जंग में पुस्तकें सबसे बड़ा हथियार है। जिसके लिए न तो कोई लाइसेंस लेना है, न ही इसके लिए किसी नियम-क़ायदे से गुज़रना है, लेकिन यह हथियार जिसके पास हैं, वह ज़िंदगी की जंग हारेगा नहीं। जब लड़ाई वैचारिक हो तो किताबें हथियार का काम करती हैं। किताबों का इतिहास शानदार और परम्परा भव्य रही है। पुस्तकें मनुष्य की सच्ची मार्गदर्शक हैं। पुस्तकें सिर्फ जानकारी और मनोरंजन ही नहीं देती बल्कि हमारे दिमाग को चुस्त-दुरुस्त रखती हैं। समाज में पुस्तकें पुनः अपने सम्मानजनक स्थान पर प्रतिष्ठित हो, इसके लिये ऐसे मेले मील का पत्थर है। पुस्तकें वैचारिक जंग के साथ-साथ जीवन-जंग को जीतने का सक्षम आधार है। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने पुस्तकों के महत्व पर लिखा है कि तोप, तीर, तलवार में जो शक्ति नहीं होती, वह शक्ति पुस्तकों में रहती है। तलवार आदि के बल पर तो हम केवल दूसरों का शरीर ही जीत सकते हैं, किंतु मन को नहीं। लेकिन पुस्तकों की शक्ति के बल पर हम दूसरों के मन और हृदय को जीत सकते हैं। ऐसी जीत ही सच्ची और स्थायी हुआ करती है, केवल शरीर की जीत नहीं! वस्तुतः पुस्तकें सचमुच हमारी मित्र हैं। वे अपना अमृतकोश सदा हम पर न्यौछावर करने को तैयार रहती हैं। उनमें छिपी अनुभव की बातें हमारा मार्गदर्शन करती हैं। हमारे मन में उठ रहे सवालों का जवाब पाने के लिए पुस्तकों से बेहतर ज़रिया कोई भी नहीं। तब भी जब हमारे आस-पास कोई नहीं है, हम अकेले हैं, उदास हैं, परेशान हैं, किताबें हमारी सच्ची दोस्त बनकर हमें सहारा देती हैं। पुस्तकों का महत्व एवं क्षेत्र सार्वकालिक, सार्वभौमिक एवं सार्वदैशिक है। जहां तक जीवन की पहुंच है, वहां तक पुस्तकों का क्षेत्र है। पुस्तकों की यही कसौटी बताई गयी है कि वे जीवन से उत्पन्न होकर सीधे मानव जीवन को प्रभावित करती है। दो और दो चार होते हैं, यह चिर सत्य है पर साहित्य नहीं है क्योंकि जो मनोवेग तरंगित नहीं करता, परिवर्तन एवं कुछ कर गुजरने की शक्ति नहीं देता, वह साहित्य नहीं हो सकता अतः अभिव्यक्ति जहां आनन्द एवं जीवन ऊर्जा का स्रोत बन जाए, वहीं वह साहित्य है। पुस्तकें पढ़ना विचार सुनने या भाषणों से बेहतर हैं। रेडियो पर अपने मन की बात के जरिये प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी ने हिन्दी के अमर कथाकार मुंशी प्रेमचन्द का उल्लेख करते हुए लोगों से अपने दैनिक जीवन में किताबें पढ़ने की आदत डालने का आह्वान किया था। साथ ही उपहार में 'बुके नहीं बुक' यानी किताब देने की बात कही। पुस्तक-संस्कृति को जनजीवन में प्रतिष्ठापित करने की दृष्टि से उनकी यह एक नयी प्रेरणा है, झकझोरने एवं सार्थक दिशाओं की ओर अग्रसर करने की मुहिम है।

दृष्टि कोण

आत्मनिर्भर एवं विकसित प्रदेश का निर्माण

हिमाचल प्रदेश का पूर्ण राज्यत्व दिवस समारोह शिवभूमि बैजनाथ में गत 25 जनवरी को संपन्न हो गया। यह दिन बैजनाथ के नागरिकों के लिए दो कारणों से महत्वपूर्ण था क्योंकि बैजनाथ के इतिहास में पहली बार किसी बड़े राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ तो वहीं बैजनाथ विधानसभा क्षेत्र के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने स्थानीय विधायक किशोरी लाल द्वारा रखी गईं सभी मांगों को खुशी खुशी पूरा करने की घोषणाएं भी मंच से कीं। बैजनाथ क्षेत्र को पूर्ण राज्यत्व दिवस समारोह के लिए निर्धारित करना मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच को भी रेखांकित करता है। सुक्खू सरकार को चाहिए कि वह इसी तर्ज पर जिला स्तरीय स्वतंत्रता एवं गणतंत्र दिवसों के आयोजन भी संबंधित जिलों के उपमंडल एवं तहसील मुख्यालयों में आयोजित करने के बारे में सोचे ताकि राज्य की अधिकतम आबादी को इन राष्ट्रीय पर्वों के आयोजन में भागीदारी का सुअवसर प्राप्त हो। बैजनाथ में आयोजित समारोह में बड़ा भंगाल घाटी के बाशिंदों ने भी बढ़-चढ़ कर शिरकत की तो वहीं चढियार को पूर्ण तहसील का दर्जा देने की मुख्यमंत्री की घोषणा ने समारोह में मौजूद लोगों को तालियां बजाने के लिए बाध्य कर दिया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर चढियार में लोक निर्माण विभाग का नया उपमंडल खोलने और पपरोला-बैजनाथ बाईपास मार्ग पर संसाली-भटवाली में बिनवा नदी पर पुल के निर्माण की घोषणा की। बैजनाथ-पपरोला के संकरे बाजारों में निरंतर लगने वाले जाम से यथाशीघ्र निजात मिले, इसके लिए इस बाईपास का निर्माण बेहद अहम हो गया है। मुख्यमंत्री ने संसाल में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने और माहलपट गांव में राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल खोलने जैसी महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। लोकतंत्रात्मक प्रणाली में नागरिकों के कल्याण एवं सेवार्थ हेतु आवश्यक मूलभूत व्यवस्थाओं को अमलीजामा पहनाना चुनी हुई सरकारों का दायित्व रहता है, लेकिन इस प्रकार की घोषणाओं को धरातल पर साकार करने के लिए बजट की भी जरूरत रहती है। चूंकि वर्ष 2025-26 में, यानी अगले वित्त वर्ष में केंद्रीय राजस्व घाटा अनुदान घटकर 3257 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, इसलिए राज्य की वित्तीय समस्याएं बढने वाली हैं और मुख्यमंत्री मानते भी हैं कि आगामी वित्तीय वर्ष चुनौतीपूर्ण रहेगा। आज यदि हिमाचल का प्रत्येक नागरिक खुशहाल और सुखमय जीवनयापन कर रहा है तो इसके पीछे उनकी अपनी मेहनत तो है ही, लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में हुई प्रगति का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वर्तमान में हिमाचल प्रदेश के दुर्गम क्षेत्रों में भी घर के निकट हमारे बच्चों को स्कूलों एवं महाविद्यालयों में पढने की सुविधाएं मिल रहीं हैं तो इसका श्रेय भी हिमाचल के नेतृत्व को जाता है, लेकिन इसी दरमियान निजी शिक्षण संस्थानों का भी विस्तार हुआ है, लिहाजा सरकारी शिक्षण संस्थानों से विद्यार्थियों के पलायन ने वर्तमान सुक्खू सरकार को सरकारी क्षेत्र के स्कूलों के युक्तिकरण के बारे में कड़े फैसले लेने के लिए भी बाध्य किया है और यह जरूरी भी है क्योंकि हिमाचल की आर्थिक स्थिति और कर्ज को लेकर स्वयं मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह पूर्ण राज्यत्व दिवस के भाषण में विद्यमान आर्थिक संकट को लेकर चिंतित नजर आते हैं। इस बार के केंद्रीय बजट में हिमाचल को कोई बड़ा प्रोजेक्ट नहीं मिला है। इसलिए यह बेहद जरूरी हो जाता है कि सरकार अपनी नीतियों, कार्यक्रमों और योजनाओं का पुनर्निरीक्षण करे और देखे कि कहां, क्या कमियां रह गईं हैं, उनमें बदलाव लाए। 1980 में राज्य का सकल घरेलु उत्पाद 794 करोड़ से बढक़र (जीएसडीपी) 2024-25 में 227136 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, लेकिन बढ़ता कर्ज प्रदेश सरकार के लिए जी का जंजाल बना हुआ है। इसलिए जरूरी है कि राज्य की आय के संसाधन बढ़ें, जिससे विकास कार्यों को गति मिले, प्रदेश के बच्चों को नौकरियां मिलें, पर्यटन, ऊर्जा, बागवानी और सडक़ विकास को गति मिले। आय बढ़ाने के लिए राज्य में आयोजित किए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय, राज्य एवं जिला स्तरीय मेलों से होने वाली आय का इस्तेमाल फिजूलखर्ची करके उड़ाने के बजाय विकासात्मक कार्यों पर खर्च किया जाना चाहिए। हाल ही में मंडी शिवरात्रि मेले के लिए सिर्फ पड्डल मैदान की रेहड़ी फड़ी मार्किट 1.03 करोड़ में बिकी है, जबकि अन्य स्रोतों से लाखों की आय अलग से होगी। स्पष्ट है कि पूरे प्रदेश के मेलों के संदर्भ में यह इन्कम करोड़ों के आंकड़े को छुएगी। हाल ही में सरकार ने नए आईएएस/आईपीएस और आईएफएस कैडर के अधिकारियों को हिमाचल कैडर में न लेने के अपने फैसले से केंद्रीय कार्मिक विभाग को आधिकारिक रूप से सूचित किया है। सरकारी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों का मर्जर एवं युक्तिकरण एक अनिवार्य फैसला है। ऐसे ही फैसले अन्य विभागों के लिए भी होने चाहिए। अनावश्यक अनुत्पादक और गैर लाभकारी योजनाओं को इसी बजट में अलविदा कह देना चाहिए। मुख्यमंत्री स्वीकार भी करते हैं कि हिमाचल के लोग अमीर हैं, लेकिन सरकार गरीब है। यह सच भी है, आज हिमाचल के हर गांव-कस्बे में निजी निर्माण कार्यों की भरमार है, संपन्न हिमाचलियों ने पांच लाख से ज्यादा प्रवासी भारतीयों को रोजगार दे रखा है। यह सवाल उठना भी लाजिमी है कि एपीएल कार्ड धारकों को सस्ते राशन पर आखिर सरकार किसलिए प्रत्येक वर्ष लगभग 250 करोड़ रुपए की सब्सिडी देती है।

कुछ अलग

छिलकों की छाबड़ी : अच्छे दिन कहां?

कहीं किसी रोज एक बच्चा बोरवैल में गिर गया, मीडिया कर्मी उसे निकालने का प्रयास किए बिना पूछ रहे हैं कि 'बच्चे, आप इस बोरवैल में गिर कर कैसा मसहूस कर रहे हैं, कि जैसे पूछ रहे हों, आपने हमारा चॉकलेट खाकर कैसा महसूस किया, मीठा है कि कड़वा-कड़वा थू?' बच्चे ने जवाब नहीं दिया तो सही जवाब जानने के लिए वे अगले बोरवैल में किसी बड़ी उम्र के आदमी के गिरने का इंतजार करने लगे। फिलहाल एक दोटूक फैसले में राज्य के मसीहा ने पूरे राज्य में खुले पड़े बोरवैलों को बंद करने का आदेश दे दिया है। बस अब ईंट, सीमेंट, रेत सामग्री का इंतजार हो रहा है। ठेकेदार अपनी काम करने वालों की कुमक के साथ काम करने के लिए तत्पर हैं। बस उनकी मांग है तो इतनी-सी कि उसके पिछले काम का रुका हुआ भुगतान दिलवा दिया जाए। बंधु, हम तो बकाया देने के लिए तत्पर हैं, लेकिन पिछली सरकार 'अंधा बांटे रेवडियां मुड़-मुड़ अपनों को दे' के अंदाज में खजाना खाली कर गई। हमने जनता को उनके सर्वग्रासी पंजे से छुटकारे के वायदों के बाद उनकी गद्दी के साथ यह खाली खजाना संभालने की विरासत पाई थी। हम अभी गद्दी सुरक्षित करने में लगे हैं, पहले अपने लिए, फिर अपने नाती-पोतों के लिए। खाली खजाने की विरासत हमने केन्द्र में बैठी आला सरकार को सौंपने की कोशिश की थी, उन्होंने हाथ खड़े कर दिए। हुजूर बंदर की बला कौनसा तबेला अपने सिर लेने के लिए तैयार होगा? और वह भी ऐसा तबेला जो हमारे सौतेले बाप का हो, हमारी पार्टी अलग, उनकी पार्टी अलग। फिर विचारधारा भी तो अलग-अलग है। चुनाव परिणाम निर्णायक थे, इसलिए मरम्मत करके कोई नया निम्नतम सांझा कार्यक्रम भी नहीं बनाया जा सका कि वह रेते लीजिये कहीं की ईंट कहीं का रोड़ा, भानुमती ने कुनबा जोड़ा। अभी तो नया कुनबा बनाने की जरूरत नहीं पड़ी, इसलिए ईंट की दीवार में रोड़े कैसे चिन देते? तब बहुत से राजनीतिक अदावल के आरोप इन केन्द्र बंधुओं पर लगा कर, राज्य के मसीहा अपना दुःखड़ा लेकर जनता के बीच जाने की बात कहने लगे, लेकिन बातों से खाली खजाने का पेट नहीं भरता। फिर जरूरी भुगतान कैसे कर दिए जाएं? सब बोरवैल बंद करने के आदेश असमर्थता की दीवारों से टकरा कर लौट आए। बच्चा बोरवैल में गिरा है, कैसा महसूस कर रहा है, अभी जवाब नहीं दे पाया। नौजवानों के लिए भी बोरवैल बंद नहीं हुए, दिशाहीनता के अंधकूप खुल गए। इन अंधकूपों से कोई आवाज नहीं उभरती कि वे कैसा महसूस कर रहे हैं? कभी-कभी उनमें से कोई झुंड बाहर झांकता है, और वैध-अवैध कबूतरबाजों के टूटे हुए डैनों पर सवार होकर सात समुद्र पार जाने की कोशिश करता है। रास्ता समुद्री है तो माल्टा नौका दुर्घटनाओं जैसी त्रासदियां उसकी गलबहियां लेने को तैयार मिलती हैं। रास्ता मैदानी है तो तेल शेखों की गुलामी और दोयम दर्जे की नागरिकता उनका पीछा करती है। हवाई उड़ानें किसी सम्पन्न देश के अड्डे पर उतर गई, तो बेलौस, ठण्डे और अंधेरे कारागार उनकी प्रतीक्षा करते हैं। उससे बच निकले तो यहां का डाक्टर वहां कम्पाऊंडर भी बन जाए, तो समझो उसका जीवन सफल हो गया। कुछ पता नहीं चलता कि इस देश के निरीह लोगों का यहां बोरवैल में गिर कर या अंधकूप में कैद हो जाना बेहतर है या विदेशियों की बेगानी धरती पर किसी नए अंधकूप में कैद होकर सुखी हो जाने का बहाना करना। हमने गणतंत्रता की पौन सदी भी पूरी कर ली, लेकिन इस प्रश्न का जवाब आज तक नहीं मिला।

देश दुनिया से

पर का बुरा न राखहु चीत...

आयरिश नाटककार बर्नार्ड शॉ ने एक बार कहा था कि सबसे अशिक्षित व्यक्ति वह है जिसके पास भूलने के लिए कुछ नहीं है। यह एक चतुर और महत्वपूर्ण अवलोकन है। हर दिन लोगों को नकारात्मक अनुभवों का सामना करना पड़ता है। नकारात्मक अनुभव चाहे कैसा भी हो, अधिक महत्व का या कम महत्व का, लोग आम तौर पर इन नकारात्मक अनुभवों पर बार-बार ध्यान लगाते हैं और उसे मन ही मन दोहराते रहते हैं। नकारात्मक अनुभव हुआ और गुजर गया, लेकिन जब हम उसी पर ध्यान लगाए रखें तो वह गुजर चुका होने के बावजूद भी हमारे लिए वर्तमान बन जाता है और लगातार दुखी करता रहता है। एक बार जब यह आदत बन जाती है तो इसका अगला नकारात्मक प्रभाव यह है कि तब यह अप्रिय अनुभव हमारी सक्रिय स्मृति का हिस्सा बनकर अंततः नकारात्मकता का एक बड़ा जंगल बन जाता है। इसलिए इस प्रकार की दुखद घटनाओं को भूल जाना ही सबसे अच्छा है। नकारात्मक अनुभव के मामले में जो कुछ भी हुआ, वह अक्सर हमारे नियंत्रण से बाहर होता है, लेकिन इसे भूल जाना और इसे अपनी स्मृति का हिस्सा बनने से रोकना हमारे हाथ में है। एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि इस संदर्भ में चुनाव भूलने और न भूलने के बीच नहीं है, असली विकल्प हर तरह की कड़वी यादों के साथ जीने और खुद को उनसे पूरी तरह मुक्त करने के बीच है। अप्रिय यादों की कड़वाहट में रहने से अच्छा है कि हम उनसे मुक्त हो जाएं। यह हमें व्याकुलता से बचाकर हमारी ऊर्जा को अकारण खर्च होने से बचाता है, समय बर्बाद होने से बचाता है और नकारात्मक विचारों के कारण सेहत की गड़बड़ी से भी बचाता है। आइए, अब हम नकारात्मक विचारों के दूसरे पहलू को भी देख लें। नकारात्मक अनुभव होने का मतलब है कि सामने वाला व्यक्ति हमें पसंद नहीं करता, हमसे घृणा करता है, हमें छोटा बनाने की कोशिश कर रहा है। जब कोई व्यक्ति हमारा अपमान करके खुद को बड़ा साबित करने की कोशिश करता है तो ज्यादातर मामलों में वह व्यक्ति हमारी काबीलियत और हमारी प्रगति के कारण हमसे जलन रखने वाला व्यक्ति होता है, जो हमसे इसलिए ईर्ष्या करता है क्योंकि वह धन में, स्टेटस में, सम्मान में से किसी न किसी रूप में हमसे पीछे है। चूंकि वह हमारी बराबरी नहीं कर पा रहा है, इसलिए वह हमसे जलता है, और उसकी वह जलन इस रूप में प्रकट होती है कि वह हमें ठेस पहुंचाकर, हमें नीचा दिखाकर या हमारा अपमान करके अपने अहम् को संतुष्ट करने की कोशिश कर रहा है। ऐसे व्यक्ति पर तो हमें क्रोध करने के बजाय, उस पर दया करनी चाहिए। वह सचमुच दया का पात्र है। यही नहीं, वह व्यक्ति हमसे ईर्ष्या ही इसलिए करता है क्योंकि अपने सभी प्रयत्नों के बावजूद वह हमारी बराबरी नहीं कर पा रहा, यानी, वह हमारी काबीलियत को जानता है, हमारी काबीलियत को मानता है, और असल में हमारी काबीलियत का प्रशंसक है, पर अपने स्वभाव से मजबूर होकर वह उस प्रशंसा को प्रशंसा के रूप में प्रकट न करके, ईर्ष्या के रूप में प्रकट कर रहा है। ऐसे में हमें अपने उस प्रशंसक पर क्रोध करके खुद को दुखी करते रहना उचित नहीं है। यही नहीं, हमें अपने मन में उसके लिए किसी भी तरह की बदले की भावना भी नहीं रखनी चाहिए। गुरबाणी में ठीक ही कहा गया है- 'पर का बुरा न राखहु चीत, तुम कउ दुख नहीं भाई मीत।' इसका अर्थ है कि- ऐ भाई, ऐ मित्र, अपने चित्त में, अपने मन में कभी किसी के लिए बुरा मत चाहो। कभी मन में यह इच्छा मत पैदा होने दो कि किसी का नुकसान हो। इसका परिणाम यह होगा कि तुम्हें कोई दुख नहीं मिलेगा। यूं भी किसी के बारे में बुरा सोचकर, या अपने अपमान की घटना के बारे में बार-बार सोचकर हम सिर्फ खुद के लिए बीमारी ही मोल लेते हैं। यदि हम मानसिक और शारीरिक व्याधियों से बचे रहना चाहते हों तो इसके लिए सहज संन्यास मिशन का मार्गदर्शन बहुत काम आ सकता है। सहज संन्यास की जीवनशैली इन व्याधियों से बचाव के लिए बहुत प्रभावशाली है। कहते हैं कि यात्रा के समय सामान जितना कम होगा, यात्रा उतनी सुखद होगी। सहज, सरल जीवन का मतलब ही यही है कि हम संग्रह नहीं करते, बीते कल का पछतावा नहीं करते, आने वाले कल की फिक्र नहीं करते, जो कुछ सामने हो, उसे पूरी शिद्दत से निभाते हैं। इसीलिए कहा जाता है कि इस नियम का पालन करने वाले एकदम सीधा और सरल जीवन जीते हैं।

इसका किसी कर्मकांड से, पूजा के विधि-विधान से, या ग्रंथों के पठन-पाठन से कोई लेना-देना नहीं है। इसके लिए अपनी सोच में एक रचनात्मक परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। इस परिवर्तन के लिए छोटे-छोटे कदम उठाकर अपना लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। पहली बात तो यही है कि हम सोच लें कि सोच बदलनी है। इससे हमें वह मोटिवेशन, वह प्रेरणा मिलेगी जो सोच बदलने में सहायक होगी। सतर्कता बस इतनी चाहिए कि हम अपने लक्ष्य के बारे में पूर्णतः स्पष्ट हों, उसमें कोई किंतु-परंतु न हो, कोई शक-शुबहा न हो। हमें यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि हम जो लक्ष्य प्राप्त करना चाहते हैं, वह क्यों चाहते हैं, हमारा अंतिम उद्देश्य क्या है। जब हम इस बारे में स्पष्ट हों कि हमें अपनी सोच बदलनी है, लक्ष्य और उसका अंतिम उद्देश्य, लक्ष्य प्राप्ति का कारण भी स्पष्ट हो तो फिर यह देखना चाहिए कि पहला कदम क्या उठाएं। छोटे-छोटे कदमों से आगे बढ़ते चलें। इससे लक्ष्य तक पहुंचने की यात्रा आसान हो जाएगी, बोझिल नहीं बनेगी। जब ऐसा कर लें तो फिर यह सोचें कि हमें अपने जीवन में क्या-क्या वरदान मिले हैं, क्या सुख हैं, कौन-कौन सी खुशियां हैं। इससे हममें कृतज्ञता का भाव आएगा। ध्यान यह रखना है कि अपने सुख और खुशियों का आकलन करते समय हममें कृतज्ञता का भाव आए, अहंकार का नहीं। बस अब सब सरल है। अब प्रेममय होना कठिन नहीं रह जाता। यह एक सीधे और सादे जीवन का आसान सा पाठ है, जरूरत सिर्फ इसे समझने की है, और समझकर जीवन में उतारने की है। इतना कर लिया तो फिर कुछ और बाकी नहीं रह जाता। याद बस यह रखना चाहिए कि नजरिया बदलने से सब बदल जाता है। यह समझ लिया तो फिर मंगल ही मंगल है।

आप का नजरिया

पीएम का दोहराव भाषण

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर सियासी जवाब दिया और विपक्ष को निशाने पर रखा। यह संसदीय परंपरा है कि केंद्र में राष्ट्रपति मौजूदा सरकार की नीतियों और उसके कार्यक्रमों पर अभिभाषण देते हैं और राज्यों में यह भूमिका राज्यपाल निभाते हैं। अभिभाषण सरकार के अधिकारी ही लिखते हैं, लिहाजा सांसदों या विधायकों का संबोधन पूरी तरह राजनीतिक होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने करीब 95 मिनट के भाषण में गांधी परिवार, केजरीवाल और अखिलेश यादव सरीखे विपक्ष पर कई पलटवार किए, तंज भी कसे और पुराने, अप्रासंगिक मुद्दों को भी उठाया। प्रधानमंत्री ने 1961-63 के दौरान अमरीका के राष्ट्रपति रहे जॉन एफ. कैनेडी और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के आपसी संबंधों का जिक्र किया और कैनेडी पर लिखी एक किताब पढने की सलाह दी। अमरीका के 35वें राष्ट्रपति कैनेडी पर असंख्य किताबें लिखी गई हैं, लेकिन आज कैनेडी-नेहरू के संबंधों की प्रासंगिकता क्या है? यह मोदी-ट्रंप का दौर है। आज 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान हमारी असफलताओं को क्यों दोहराया जाए? बेशक चीन का भारत की 38,000 से ज्यादा वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा है। वह चीन युद्ध की देन है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस आयाम पर बयान दिया है। फिर इस किताब की प्रासंगिकता कितनी है, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू की विदेश नीति की आलोचना की गई थी। यह भी उल्लेख था कि नेहरू चीन के युद्ध को समझ ही नहीं पाए। भारत की सेनाओं की तैयारियां ही नहीं थीं। चीन को लेकर कैनेडी ने नेहरू को सावधान किया था, लेकिन नेहरू ने उसे गंभीरता से नहीं लिया। ये तमाम करीब 63 साल पुराने संदर्भ हैं। बीते 11 साल से मोदी सरकार काम कर रही है। आज भारत-चीन के बीच अरबों डॉलर का कारोबार होता है, तो सैन्य रूप से दोनों देश प्रतिद्वंद्वी भी हैं। लद्दाख में भारत के हजारों सैनिक चीनी सैनिकों के सामने तन कर तैनात रहे, अंततः सेनाओं को पीछे हटने पर समझौता करना पड़ा। यह आज का महत्वपूर्ण यथार्थ है। यदि प्रधानमंत्री मोदी उचित समझते, तो उन सवालों के जवाब दे सकते थे, जो नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत विपक्ष के कुछ सांसदों ने राष्ट्रपति अभिभाषण के संदर्भ में उठाए थे। उन्हें अनर्गल करार देकर खारिज कर सकते थे। प्रधानमंत्री के मुख से ये आंकड़े देश कई बार सुन चुका है कि मोदी सरकार ने 12 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाया है, उज्ज्वला योजना लागू की है, 40 लाख करोड़ रुपए सीधे ही जनता-जनार्दन के खातों में जमा कराए हैं, 10 करोड़ फर्जी लाभार्थियों के नाम मिटा कर 3 लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बचाए हैं, बुनियादी ढांचे का बजट 11 लाख करोड़ रुपए तय किया है, भारत आज विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, 3.5 लाख करोड़ रुपए किसानों के खातों में डाले हैं और 10 साल में कृषि का बजट 10 गुना बढ़ाया है। यह सूची बेहद लंबी है। बेशक हम 'विकसित भारत' का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन अब वाकई 'जहर की राजनीति' नहीं होनी चाहिए। प्रधानमंत्री भी दोहराव करते न दिखें।

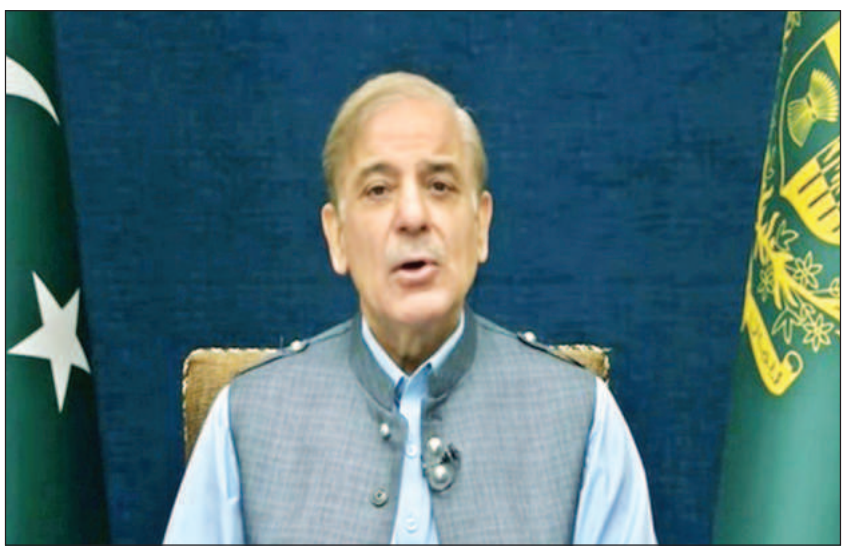

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने कश्मीर सहित अन्य मुद्दों पर भारत के साथ बातचीत पर दिया जोर

इस्लामाबाद, 06 फरवरी (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कश्मीर सहित सभी लंबित मुद्दों को हल करने के लिए भारत के साथ संवाद की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने यह बात पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की विधानसभा में कश्मीर एकजुटता दिवस के अवसर पर विशेष सत्र को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने कश्मीरी जनता के प्रति अपने नैतिक, कूटनीतिक और राजनीतिक समर्थन को दोहराया। शरीफ ने अपने संबोधन में कहा कि पाकिस्तान शांति चाहता है और क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि के लिए भारत के साथ बातचीत को ही एकमात्र रास्ता मानता है। उन्होंने 05 अगस्त 2019 को भारत द्वारा जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत को इस फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए और बातचीत के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक कश्मीर मुद्दे का हल नहीं निकलता, तब तक क्षेत्र में स्थायी शांति संभव नहीं होगी। शरीफ ने 1999 के लाहौर घोषणापत्र का हवाला देते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच बेहतर संबंधों का आधार संवाद ही हो सकता है। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी की पाकिस्तान यात्रा के दौरान इस पर सहमति बनी थी, और भी यह प्रासंगिक है। शरीफ ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी अपील की कि वह भारत पर कश्मीर मसले के समाधान के लिए दबाव बनाए। अपने संबोधन में शरीफ ने भारत पर हथियारों का जखीरा बढ़ाने का आरोप लगाया और कहा कि सैन्य शक्ति बढ़ाने से शांति स्थापित नहीं होगी। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया की जनता को आर्थिक और सामाजिक प्रगति की जरूरत है, न कि हथियारों की होड़ की। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान कश्मीरी जनता को आत्मनिर्णय के अधिकार की प्राप्ति तक समर्थन देता रहेगा। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के तहत कश्मीर मुद्दे के हल की आवश्यकता पर बल दिया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कश्मीरियों को अपना भविष्य तय करने का अधिकार देने के लिए भारत पर दबाव बनाने की अपील की।

न्यूज ब्रीफ

टैरिफ परिवर्तन के बीच अमेरिकी डाक सेवा फिर शुरू करेगी चीन में पार्सल डिलीवरी

वाशिंगटन। अमेरिकी डाक सेवा (यूएसपीएस) ने अस्थायी निलंबन के बाद एक बार फिर चीन और हांगकांग से पार्सल स्वीकार करने की घोषणा की है। यह निर्णय हाल ही में किए गए टैरिफ परिवर्तनों के बीच लिया गया है। यूएसपीएस ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि वह सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर नए चीन टैरिफ के लिए एक प्रभावी संग्रह प्रणाली विकसित कर रहा है, जिससे पार्सल डिलीवरी में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित किया जा सके। अमेरिकी प्रशासन ने चीनी उत्पादों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लागू किया है और डी मिनिमिस छूट को समाप्त कर दिया है, जिसके तहत 800 डॉलर से कम मूल्य के पैकेज शुल्क मुक्त अमेरिका में प्रवेश कर सकते थे। इस बदलाव का प्रभाव कई खुदरा विक्रेताओं, जैसे टेमू, शीन और अमेजन पर पड़ा है, जो इस प्रावधान का उपयोग कर अमेरिकी ग्राहकों तक उत्पाद पहुंचाते थे। न्यूयॉर्क स्थित कंसल्टेंसी सप्लाई चेन कंप्लायंस की सह-संस्थापक मॉरीन कोरी ने इस नीति परिवर्तन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे निपटने के लिए किसी को भी पर्याप्त समय नहीं मिला। उन्होंने स्पष्ट निर्देशों की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे व्यवसायों को अचानक हुए इस बदलाव के अनुरूप ढलने में सहायता मिल सके।

राष्ट्रपति जरदारी ने बीजिंग में चीन के प्रधानमंत्री कियांग से की मुलाकात

इस्लामाबाद/बीजिंग। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने बीजिंग में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात की। राष्ट्रपति सचिवालय ने इस्लामाबाद में जारी बयान में कहा गया कि उच्चस्तरीय बैठक ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में हुई। दोनों पक्षों ने नवीकरणीय ऊर्जा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचे और कृषि में गहन सहयोग पर जोर देते हुए सीपीईसी 2.0 को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। चर्चा का उद्देश्य साझा आर्थिक प्रगति में तेजी लाना और दोनों देशों के बीच आम समृद्धि को बढ़ावा देना था। जरदारी और कियांग ने द्विपक्षीय व्यवसाय और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर भी चर्चा की। राष्ट्रपति जरदारी ने चीन-पाकिस्तान की स्थायी और गहरी जड़ों वाली ऑल-वेदर स्ट्रैटेजिक को-ऑपरेटिव पार्टनरशिप के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने की पाकिस्तान की प्रतिबद्धता दोहराई। इस उच्चस्तरीय बैठक में राष्ट्रपति जरदारी के अलावा उपप्रधान मंत्री इशाक डार और मुख्यमंत्री (सिंध) मुराद अली शाह भी मौजूद रहे। बैठक में कई एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर राष्ट्रपति जरदारी पांच दिवसीय राजकीय यात्रा पर मंगलवार को बीजिंग पहुंचे हैं। जरदारी की कल बीजिंग में अपने समकक्ष जिनपिंग से मुलाकात हो चुकी है। जरदारी ने मंगलवार को नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की स्थायी समिति के अध्यक्ष झाओ लेजी से भी मुलाकात की।

श्रीलंका सुप्रीम कोर्ट पूर्व राष्ट्रपति राजपक्षे की याचिका पर 19 मार्च को करेगा विचार

कोलंबो। श्रीलंका का सुप्रीम कोर्ट पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे की मौलिक अधिकार याचिका पर 19 मार्च को विचार करेगा। राजपक्षे ने निजी सुरक्षा से जुड़ी याचिका में अपने सुरक्षा अधिकारियों की संख्या घटाकर 60 करने के सरकार के फैसले को चुनौती दी है। खबर के अनुसार 2005 से 2015 तक श्रीलंका के राष्ट्रपति रहे महिंदा राजपक्षे की मौलिक अधिकार याचिका पर जस्टिस प्रीति पैडमैन सुरसेना, जस्टिस जनक डी सिल्वा और जस्टिस संपत अबेकून की पीठ ने सुनवाई की। राजपक्षे ने यह याचिका 24 जनवरी को दाखिल की थी। इसमें राजपक्षे ने कहा था कि सरकार ने सुरक्षा में तैनात कर्मियों की संख्या घटाकर 60 कर दी है, जो पहले 350 से अधिक हुआ करती थी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से इस पर दखल देने का आग्रह किया था। मौलिक अधिकार याचिका में 80 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति राजपक्षे ने कहा था कि लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) के तीन दशक लंबे सशस्त्र अभियान को समाप्त करने में उनकी भूमिका के कारण उनका जीवन खतरे में है।

राष्ट्रीय सभा में बहुमत नहीं जुटा पाने के बाद अध्यादेश पर वोटिंग से पीछे हटी ओली सरकार

काठमांडू, 06 फरवरी (एजेंसियां) ।

नेपाल सरकार के पिछले महीने लाए गए 6 अध्यादेशों को गुरुवार को संसद के दोनों सदनों से पारित करने की कार्यसूची से हटा दिया गया है। उच्च सदन राष्ट्रीय सभा में सरकार के पक्ष में बहुमत नहीं जुटा पाने के कारण सरकार को इससे पीछे हटना पड़ा है। प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार विष्णु रिमाल ने इसकी पुष्टि की है।

कई कानूनों के संशोधन को लेकर प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार ने पिछले महीने एक के बाद एक कर के छह अध्यादेश जारी किए थे। संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक अध्यादेश जारी होने के बाद वाले संसद सत्र में इन अध्यादेशों को संसद के दोनों सदनों से पारित करने पर ही इनकी वैधता कायम रहती है।

ओली सरकार के पास प्रतिनिधि सभा में जहां दो तिहाई बहुमत है वहीं उच्च सदन राष्ट्रीय सभा में वो अल्पमत में है। राष्ट्रीय सभा में निर्णायक भूमिका में रहे जनता समाजवादी पार्टी नेपाल (जसपा नेपाल) के तीन सांसदों के समर्थन से ही यह अध्यादेश पारित होने वाला है। संसद की कार्रवाई शुरू होने तक जसपा नेपाल ने अध्यादेश पर कोई निर्णय नहीं किया था।

जसपा नेपाल के अध्यक्ष उपेन्द्र यादव ने बताया कि अध्यादेश पर समर्थन को लेकर उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री ओली और सत्तारूढ़ गठबंधन दल के नेता शेर बहादुर देउवा से हुई है। उनकी कुछ मांगे हैं जिस पर सत्तारूढ़ दलों के तरफ से सकारात्मक जवाब आने के बाद ही वो निर्णय लेंगे।

इसी बीच कानून मंत्री अजय चौरसिया ने स्पीकर देवराज घिमिरे से मुलाकात कर संसद की कार्यसूची से अध्यादेश को पारित करने वाले विषय को हटाने का आग्रह किया, जिसके बाद दोनों सदनों से इसे हटा दिया गया है। कानून मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का संदेश लेकर वह स्पीकर घिमिरे से मिले और उनसे कार्यसूची बदलने का आग्रह किया है।

संसद सचिवालय की तरफ से संसद के दोनों सदनों प्रतिनिधि सभा और राष्ट्रीय सभा की कार्यसूची से अध्यादेश को बदलने वाले विषय को हटाए जाने की सूचना दे दी गई है। प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार विष्णु रिमाल ने कहा कि जसपा नेपाल से बातचीत कर समर्थन लेने के लिए समय लगेगा, इस कारण की बैठक की कार्यसूची से इसको हटा दिया गया है।

भारत के चाय पत्ती आयात पर बदले प्रावधानों से नेपाली निर्यातक संकट में

काठमांडू। भारत के चाय पत्ती आयात करने के नए प्रावधानों ने नेपाली निर्यातकों की मुश्किलें बढ़ा दी है। नेपाली चायपत्ती उत्पादक संघ ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को अपनी चिंता से अवगत कराया है। ओली ने संघ को आश्वासन दिया है कि नेपाल सरकार इसके लिए भारत सरकार से बात करेगी । भारत ने हाल ही में नए प्रावधान लागू करते हुए नीलामी प्रक्रिया से ही विदेश से चाय पत्ती का आयात करने का फैसला किया है। नेपाल चायपत्ती उत्पादक संघ के अध्यक्ष आदित्य पराजुली का कहना है कि इससे उनकी परेशानी बढ़ गई है। भारतीय बाजार में जाने वाली चाय पत्ती की मात्रा घट गई है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा गया है। पराजुली ने बताया कि प्रधानमंत्री ने समस्या के समाधान के लिए कूटनीतिक प्रयास करने का आश्वासन दिया है। नेपाल जल्द ही भारतीय दूतावास के माध्यम से अपनी पक्ष भारत सरकार के सामने रखेगा। नेपाल से करीब 600 करोड़ रुपये की चाय पत्ती का सालाना निर्यात किया जाता है। नेपाल से हर वर्ष एक करोड़ 20 लाख किलोग्राम सीटीसी चाय पत्ती और 50 लाख किलोग्राम आर्थोडॉक्स चाय पत्ती का निर्यात भारत को किया जाता है। नेपाल में उत्पादित कुल चाय पत्ती का 80 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ भारत में निर्यात होता है। अब तक नेपाली चाय पत्ती पर 40 प्रतिशत कस्टम ड्यूटी के साथ निर्यात की अनुमति थी। नेपाल और भारत के बीच सन 2009 में हुए मुक्त व्यापार संधि के तहत यह कस्टम ड्यूटी तय हुई थी।

यूएसएआईडी पर करदाताओं के पैसे का गलत इस्तेमाल करने का आरोप, ट्रंप ने दिया बंद करने का आदेश

वाशिंगटन, 06 फरवरी (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) को बंद करने का आदेश दिया है। ट्रंप प्रशासन ने एजेंसी पर करदाताओं के पैसे का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। कुछ दिनों पहले ट्रंप ने एलन मस्क को सभी अमेरिकी विदेशी सहायता की समीक्षा करने का निर्देश दिया था। वहीं, हजारों यूएसएआईडी कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का भी आदेश दिया था।

ट्रंप ने आदेश दिया कि दुनियाभर में इसके कार्यक्रम बंद कर दिए जाएं। एलन मस्क ने एजेंसी को आपराधिक संगठन बताया है। ट्रंप प्रशासन ने दावा किया है कि यूएसएआईडी ने पिछले कुछ सालों में अलकायदा जैसे आतंकवादी संगठन का फंड दिया है। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन को भी यूएसएआईडी द्वारा फंडिंग की गई है। यह संगठन हाफिज सईद के लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा है। यह आतंकी संगठन भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देते आया है।

कई लैटिन अमेरिकी देशों में एलजीबीटी समुदाय से जुड़े लोगों की मदद के लिए एजेंसी की ओर से फंड दिया गया है। इतना ही नहीं श्रीलंकाई पत्रकारों को द्विआधारी लिंगीय भाषा की चुनौतियों से निपटने जैसी छोटी चीजों के लिए भी फंड दिया गया है। इस मामले पर ट्रंप प्रशासन ने एक्स पर लिखा कि दशकों तक, यूएसएआईडी के नौकरशाहों का मानना था कि वे किसी के प्रति जवाबदेह नहीं हैं, लेकिन वह युग समाप्त हो गया है। राष्ट्रपति ट्रंप पैसों की बर्बादी, धांधली और दुरुपयोग को रोक रहे हैं।

ट्रंप के इस फैसले पर पूर्व राष्ट्रपति बाइडन, ओबामा, जॉर्ज बुश, बिल क्लिंटन और रीगन प्रशासन में काम करने वाले अधिकारियों ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यूएसएआईडी को खत्म करना किसी भी राजनीतिक दल के लिए फायदेमंद नहीं है। ट्रंप के फैसले से अमेरिका के लोगों को नुकसान होगा। यूएसएआईडी द्वारा की जा रही सहायता अमेरिका के हित के लिए महत्वपूर्ण है।

लाहौर प्रशासन से हाई कोर्ट ने कहा- पीटीआई की रैली पर फैसला लो

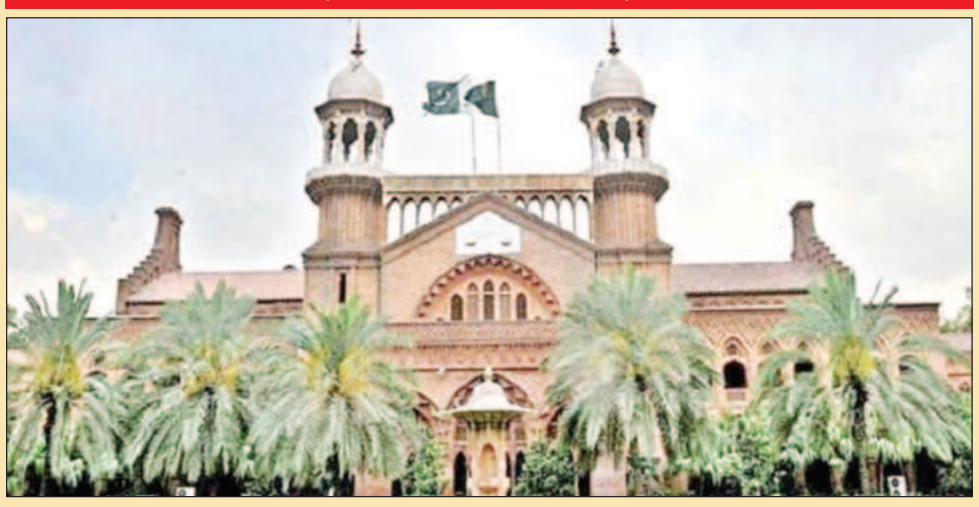

पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के आठ फरवरी को लाहौर के मीनार-ए-पाकिस्तान में रैली करने के ऐलान से प्रशासन के हाथ-पांव फूले हुए हैं। पीटीआई 10 दिन पहले लाहौर जिला प्रशासन को इसकी सूचना देते हुए अनुमति मांगी थी। प्रशासन से कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर पीटीआई ने तीन फरवरी को लाहौर हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने लाहौर के डिप्टी कमिश्नर को फैसला लेने का आदेश दिया है।

यूक्रेन की सेना ने नेपाल के दो युवकों को नौ महीने बाद छोड़ा

काठमांडू, 06 फरवरी (एजेंसियां) ।

रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान यूक्रेन की सेना के कब्जे में रहे नेपाल के दो युवकों को नौ महीने बाद रिहा कर दिया गया। दोनों को प्रवासी नेपाली संघ यूक्रेन को सौंपा गया।

प्रवासी नेपाली संघ यूक्रेन के अध्यक्ष डॉ. बद्री केसी ने टेलीफोन पर बताया कि पिछले नौ महीने से यूक्रेन के डिटेंशन सेंटर में रहे नेपाल के तेह्थुम जिले के निवासी 29 वर्षीय फुर्वा शेरपा और इसी जिले के 39 वर्षीय सांबो शेरपा को यूक्रेन की सेना ने रिहा कर दिया है। जर्मनी स्थित नेपाली राजदूत डॉ. शैल रूपखेती दोनों युवकों को लेने के लिए कीव पहुंचे। दोनों युवकों को

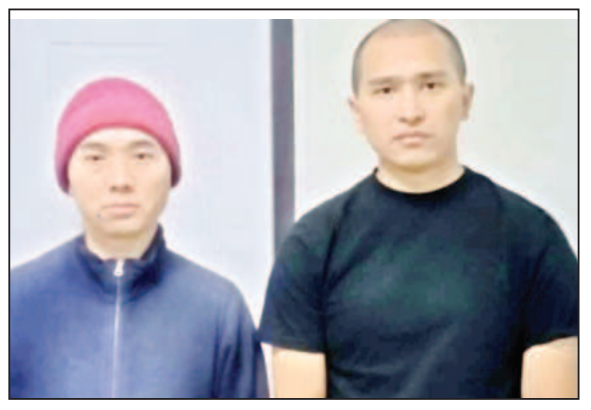

टर्किश एयर से काठमांडू भेज दिया गया है। यह विमान शुक्रवार दोपहर काठमांडू पहुंचेगा।

राजदूत रूपखेती ने बताया कि नौकरी के झांसे में करीब 10 महीने पहले ये दोनों युवक यूक्रेन आए थे। नई दिल्ली स्थित एक कंसल्टेंसी के जरिये कीव पहुंचे इन दोनों को रूस के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार कर डिटेंशन सेंटर में रखा गया। उधर, इन दोनों की रिहाई पर परिवार वालों ने खुशी व्यक्त की है।

ढाका में बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान और शेख हसीना के पति के आवास को फूंका गया

ढाका, 06 फरवरी (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश की राजधानी में कल शाम से देररात तक अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता और मुल्क के संस्थापक बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के आवास (धानमंडी-32) पर जमकर तोड़फोड़ की गई। इतने भर से मन नहीं भरा तो भीड़ ने उनके आवास को फूंक दिया। साथ ही हसीना के पति के घर को भी आग के हवाले कर दिया गया। देश की अंतरिम सरकार इस दौरान तमाशबीन बनी रही। शेख हसीना पिछले साल अगस्त के महीने से भारत में रह रही हैं।

खबर के अनुसार, यह पूरा बवाल शेख हसीना के ऑनलाइन संबोधन के दौरान हुआ। हजारों प्रदर्शनकारी धानमंडी-32 पहुंच गए। आवास पर जमकर तोड़फोड़ की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह आवास फासीवाद का तीर्थस्थल है। इसे ध्वस्त किया जाए। इस पूरे अभियान को बुलडोजर जुलूस नाम दिया गया है।

शेख हसीना का रात नौ बजे संबोधन शुरू होना

था। इससे पहले ही हजारों प्रदर्शनकारियों ने बंगबंधु के आवास पर धावा बोल दिया। आवास पर फावड़े और हथौड़े चलाए। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि इस दौरान बंगबंधु मुजीब की एक भित्ति भी नष्ट हो गई। कुछ लोगों ने रात करीब साढ़े नौ बजे इमारत में आग लगा दी। आधी रात से कुछ पहले एक क्रेन और एक खुदाई करने वाली मशीन पहुंची। लगभग ढाई घंटे बाद घटना की रिपोर्ट दर्ज की गई। तब तक आवास के कुछ हिस्से जमींदोज हो चुके थे।

कुछ सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार, हसीना दिल्ली से बांग्लादेश विरोधी गतिविधियों का संचालन कर रही हैं। यह घटना इसी का जवाब है। प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान नारे लगाए। नारों में दिल्ली शब्द का भी उल्लेख किया गया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि अवामी लीग को बांग्लादेश में किसी भी चुनाव में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इस सारे बवाल के दौरान पुलिस तमाशबीन बनी रही। आधी रात तक कोई भी अग्निशमन कर्मी मौके पर नहीं पहुंचा। रात करीब साढ़े नौ बजे सेना के कुछ जवान जरूर मौके पर पहुंचे पर बाद में वह चले गए।

अंतरिम सरकार के गृह सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी, पुलिस महानिरीक्षक बहारुल आलम, ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस आयुक्त एसएम सज्जात अली और अतिरिक्त आयुक्त एसएन नजरूल इस्लाम ने इस बवाल पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। बुलडोजर जुलूस का आह्वान बशेरकेला फेसबुक समूह, पीपुल्स एक्टिविस्ट्स कोएलिशन (पीएसी) के प्रवक्ता रतुल मोहम्मद, जुलाई रिवोल्यूशनरी अलायंस, स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन के संयोजक हसनत अब्दुल्ला, पेरिस स्थित व्लॉगर पिनाकी भट्टाचार्य आदि ने सोशल मीडिया पर किया था। खबर के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने रात करीब 11:00 बजे शेख हसीना के दिवंगत पति और परमाणु वैज्ञानिक एमए वाजेद मिया के धानमंडी स्थित आवास सुधा सदन में भी आग लगा दी। दमकल विभाग के अधिकारी रकीबुल हसन ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि विभाग को धानमंडी 32 में भी आग लगाने की सूचना मिली है।

11वां पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट 10 फरवरी से, प्रो. बालाराम पाणि और अशोक ध्यानचंद करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली , 06 फरवरी (एजेंसियां) ।

11वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल आमंत्रण हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन 10 से 17 फरवरी, 2025 तक श्याम लाल कॉलेज, शाहदरा के मैदान पर किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में दिल्ली यूनिवर्सिटी की शीर्ष पुरुष और महिला हॉकी टीमें हिस्सा लेंगी। श्याम लाल कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. रबि नारायण कर ने बताया कि टूर्नामेंट का उद्घाटन 10 फरवरी, सोमवार को सुबह 10 बजे दिल्ली यूनिवर्सिटी के डीन ऑफ कॉलेजेस प्रो. बालाराम पाणि और पूर्व ओलंपियन अशोक ध्यानचंद द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर कॉलेज की चेयरपर्सन डॉ. सविता गुप्ता भी उपस्थित रहेंगी।

10 पुरुष और 6 महिला टीमें लेंगी हिस्सा – खेल समिति के संयोजक वी. एस. जग्गी के अनुसार, पुरुष वर्ग में 10 और महिला वर्ग में 6 टीमें लीग और नॉकआउट आधार पर खेलेंगी। शीर्ष पर रहने वाली दो टीमों के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। टूर्नामेंट के हर मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार भी दिया जाएगा।

गत विजेता टीमें – पिछले वर्ष पुरुष वर्ग में श्याम लाल कॉलेज और महिला वर्ग में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस की टीम ने खिताब जीता था। प्रो. रबि नारायण कर ने कहा कि कॉलेज स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने और फिट इंडिया अभियान के तहत छात्रों को फिटनेस के प्रति जागरूक करने के लिए ऐसे टूर्नामेंट का आयोजन बेहद जरूरी है।

टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीमें

पुरुष वर्ग
- 1.श्याम लाल कॉलेज
- 2. इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस
- 3. किरोड़ी मल कॉलेज
- 4. एमिटी यूनिवर्सिटी
- 5. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली
- 6. श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स
- 7. श्याम लाल कॉलेज (सांध्य)
- 8. हंसराज कॉलेज
- 9. श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज
- 10. श्याम लाल कॉलेज (एलुमनस)

महिला वर्गे
- 1. इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस
- 2. भारती कॉलेज
- 3. दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमना
4. विवेकानंद कॉलेज
5. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज
6. जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज।

न्यूज ब्रीफ

द हंड्रेडः एसआरएच ने नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स फ्रेंचाइजी खरीदी

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने द हंड्रेड में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स फ्रेंचाइजी हासिल कर ली है। यॉर्कशायर काउंटी द्वारा संचालित टीम के लिए विजयी बोली 100 मिलियन जीबीपी है। यह इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा बेची गई छठी हंड्रेड फ्रेंचाइजी है और मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपरजायंट्स के बाद एसआरएच तीसरी आईपीएल फ्रेंचाइजी है, जिसने 100 गेंदों की प्रतियोगिता में एक टीम हासिल की है। पिछले कुछ दिनों में इंग्लिश बोर्ड ने लंदन स्पिरिट, ओवल इनविंसिबल्स, वेल्श फायर, मैनचेस्टर ओरिजिनल्स और बर्मिंघम फीनिक्स को बेच दिया है। दो और टीमें - ट्रेंट रॉकेट्स और सदर्न ब्रेव - बिक्री के लिए तैयार हैं। चेन्नई स्थित सन ग्रुप द्वारा प्रबंधित सनराइजर्स, फ्रेंचाइजी क्रिकेट के क्षेत्र में पुरानी है। वे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में हैदराबाद स्थित टीम हैं और एसए 20 में भी सनराइजर्स ईस्टर्न केप उनकी एक टीम है। वर्तमान में आईपीएल में उनका नेतृत्व पैट कमिंस कर रहे हैं, जो यकीनन सबसे सम्मानित अंतरराष्ट्रीय कप्तानों में से एक हैं। वे पिछले साल आईपीएल में उपविजेता रहे थे। एसए 20 में, वे दो बार के गत चैंपियन हैं।

अभिषेक ने की धुआंधार बल्लेबाजी, गुरुकुल ने जीता मैच

लखनऊ। अंडर-25 करीम चिश्ती मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में गुरुकुल क्रिकेट क्लब ने सिद्धार्थ ग्लोबल क्लब को 211 रन से मात दे दी। इस मैच में अभिषेक सिंह ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 70 बाल पर 102 रन बनाये। गुरुकुल क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में सात विकेट गवांकर 327 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज शिवांश सिंह मात्र 20 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। वहीं अभिषेक सिंह ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 11 चौका और छह छक्का की मदद से 70 बाल पर 102 रन जड़े। अभिषेक यादव ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए छह चौका और दो छक्का की मदद से 52 बाल पर 60 रन बनाये। अभिषेक यादव ने शानदार गेंदबाजी भी की और मात्र दो रन देकर तीन विकेट झटक लिये। उत्कर्ष वर्मा ने छह चौका और दो छक्का की मदद से 40 बाल पर 56 रन बनाये। आदित्य ने 38 रन का योगदान दिया। सिद्धार्थ ग्लोबल की पूरी टीम 116 रन बनाकर ही पवेलियन लौट गयी और गुरुकुल ने 211 रन से मैच को जीत लिया। अपनी टीम में हर्षित ने सबसे अधिक 33 रन बनाये।

राष्ट्रीय खेल : ट्रैक साइक्लिंग में हरियाणा, कर्नाटक और अंडमान के साइक्लिस्टों का जलवा

रुद्रपुर। 38वें राष्ट्रीय खेलों के अंतर्गत शिवालिक वेलोड्रोम, रुद्रपुर में ट्रैक साइक्लिंग प्रतियोगिता के तीसरे दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। विभिन्न श्रेणियों में देशभर के साइक्लिस्टों ने अपनी गति, तकनीक और रणनीति से दर्शकों को रोमांचित किया। हरियाणा ने महिला एलीट टीम परसूट में जीता स्वर्ण महिला एलीट टीम परसूट (4 किमी) स्पर्धा में हरियाणा की टीम ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। हिमांशी सिंह, परुल, अंशु देवी और मीनाक्षी की चौकड़ी ने 5.26.920 मिनट का समय निकालते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। ओडिशा (5.30.423) की टीम को रजत पदक और महाराष्ट्र (5.32.643) की टीम को कांस्य पदक मिला। डेविड बेकहम ने पुरुष 1 किमी टाइम ट्रायल में मारी बाजी पुरुष एलीट टाइम ट्रायल (1 किमी) में अंडमान व निकोबार के डेविड बेकहम ने 1.06.535 मिनट में दौड़ पूरी कर स्वर्ण पदक जीता। राजस्थान के देवेंद्र बिश्नोई (1.06.644) ने रजत और मणिपुर के यांगलेम रोजित सिंह (1.07.874) ने कांस्य पदक अपने नाम किया। कीर्ति रंगास्वामी ने महिला केरिन स्पर्धा में मारी बाजी महिला एलीट केरिन (5 लैप्स) स्पर्धा में कर्नाटक की कीर्ति रंगास्वामी सी ने तेज रफ्तार और जबरदस्त तकनीक के दम पर स्वर्ण पदक जीता। महाराष्ट्र की श्वेता बालू गुंजाल को रजत और तमिलनाडु की श्रीमति जे को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। सर्विसेज ने पुरुष टीम परसूट में किया कमाल पुरुष एलीट टीम परसूट (4 किमी) में सर्विसेज की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

हर्षित-जडेजा के बाद आया श्रेयस-शुभमन और अक्षर का तूफान, जीत के साथ भारत ने बनाई 1-0 से बढ़त

नागपुर, 06 फरवरी (एजेंसियां) ।

भारत ने इंग्लैंड को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। इससे पहले टीम इंडिया ने इंग्लैंड को पांच मैचों की टी20 सीरीज में 4-1 से हराकर सीरीज अपने नाम की थी। गुरुवार को नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 47.4 ओवर में 248 रन बनाए। जवाब में भारत ने 38.4 ओवर में छह विकेट पर 251 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। वनडे विश्व कप 2023 के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने आठ में से सात वनडे मैच गंवाए हैं। अब टीम इंडिया की नजर दूसरे वनडे में जीत के साथ अजेय बढ़त बनाने पर होगी। यह मुकाबला कटक में नौ फरवरी को खेला जाएगा।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं हुई थी। यशस्वी जायसवाल (15) और रोहित शर्मा (02) 19 रन के स्कोर पर आउट हो गए। इसके बाद मोर्चा शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर ने संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 64 गेंदों में 94 रनों की साझेदारी हुई। इस दौरान दाएं हाथ के बल्लेबाज श्रेयस ने अपने वनडे करियर का 19वां पचासा किया। इसके लिए उन्होंने 30 गेंदें खेलीं। इस प्रारूप में यह उनके बल्ले से निकली दूसरी सबसे तेज फिफ्टी है। इससे पहले उन्होंने 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 28 गेंदों में अर्धशतक जड़ा था।30 वर्षीय बल्लेबाज को जैकब बेथेल ने 16वें ओवर की आखिरी गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट किया। अय्यर 36 गेंदों में नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से 59 रन बनाने में कामयाब हुए। इसके बाद पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए अक्षर पटेल ने शुभमन गिल का साथ दिया और दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 100 से ज्यादा रनों की विशाल साझेदारी हुई, जिसे आदिल रशीद ने 34वें ओवर में तोड़ा। उन्होंने बाएं हाथ के बल्लेबाज अक्षर पटेल को बोल्ड किया। वह 47 गेंदों में 52 रन बनाकर लौटे। उन्होंने 46 गेंदों में अपने वनडे करियर का तीसरा अर्धशतक पूरा किया।

छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे केएल राहुल सिर्फ दो रन बना सके। वहीं, शुभमन गिल 87 रनों की दमदार पारी खेलकर आउट हुए। उन्होंने 60 गेंदों में अपने करियर का 14वां अर्धशतक पूरा किया। इस दौरान उन्होंने सात चौके लगाए। हार्दिक पांड्या ने नौ* और रवींद्र जडेजा* ने 12 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। इंग्लैंड के लिए साकिब महमूद और आदिल रशीद ने दो-दो विकेट लिए जबकि जोफ्रा आर्चर और जैकब बेथेल को एक-एक सफलता मिली।डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज हर्षित राणा और स्पिनर रवींद्र जडेजा की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने इंग्लैंड को 248 रन पर ऑलआउट कर दिया। इंग्लैंड के लिए कप्तान जोस बटलर और जैकेब बेथेल ने अर्धशतक जड़े जिस कारण टीम चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रही।

भारत की ओर से हर्षित और जडेजा ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि मोहम्मद शमी, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को एक-एक विकेट मिला।

फिल सॉल्ट और बेन डकेट ने पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। सॉल्ट के रन आउट होने के बाद इंग्लैंड की पारी लड़खड़ा गई और हर्षित ने भारतीय टीम की वापसी कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इसके बाद बटलर ने सधी हुई बल्लेबाजी कर इंग्लैंड को संभाला, लेकिन उनके आउट होने के बाद टीम फिर लड़खड़ाई। हालांकि, बेथेल टिके रहे और उन्होंने पचासा जड़ा। पर बेथेल के आउट होने के बाद शेष बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके और टीम पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल सकी। इंग्लैंड के लिए बटलर ने 52 रन, बेथेल ने 51 रन, सॉल्ट ने 43 रन और डकेट ने 32 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके।

राष्ट्रीय खेल : शूटिंग स्पर्धाएं संपन्न, नीरज कुमार, सुरूचिप्रमोद की जोड़ी चमकी

देहरादून, 06 फरवरी (एजेंसियां) ।

38वें राष्ट्रीय खेलों की शूटिंग स्पर्धाएं त्रिशूल शूटिंग रेंज में दस दिनों तक चले जबरदस्त मुकाबलों के बाद सफलतापूर्वक संपन्न हो गईं। इस दौरान देशभर के शीर्ष निशानेबाजों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया और विभिन्न रायफल व पिस्टल श्रेणियों में नए कीर्तिमान स्थापित किए। कुमार ने जीता 50 मीटर 3-पोजीशन राइफल पुरुष स्वर्ण प्रतियोगिता के अंतिम दिन 50 मीटर एयर राइफल 3-पोजीशन पुरुष फाइनल बेहद रोमांचक रहा। सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) के नीरज कुमार ने 464.1 अंकों के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मध्य प्रदेश के ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 462.4 अंकों के साथ रजत पदक जीता, जबकि महाराष्ट्र के स्वप्निल सुरेश कुसेल ने 447.7 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

हरियाणा ने जीता 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्वर्ण

10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम फाइनल में हरियाणा के सुरूचि और प्रमोद की जोड़ी ने राजस्थान को 17-7 के बड़े अंतर से हराकर स्वर्ण पदक जीता। राजस्थान के अंजलि शेखावत और उमेश चौधरी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। वहीं, कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में महाराष्ट्र के राही सरनोबत और प्रणव अरविंद पाटिल ने उत्तराखंड को 17-3 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। क्वालीफिकेशन राउंड में हुआ जबरदस्त मुकाबला मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वालीफाइंग राउंड में 19 टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। फाइनल में हरियाणा और राजस्थान ने स्वर्ण पदक मुकाबले में जगह बनाई, जबकि महाराष्ट्र और उत्तराखंड कांस्य पदक के लिए भिड़े। नए सितारों ने किया खुद को साबित 38वें राष्ट्रीय खेलों की शूटिंग स्पर्धाएं देश के उभरते निशानेबाजों के लिए बड़ा मंच साबित हुईं। इस दौरान कई युवा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। समापन समारोह में विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने समर्पण और मेहनत से इस प्रतियोगिता को यादगार बना दिया।

कर्नाटक 54 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर बरकरार

उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेल के नौवें दिन के पदक तालिका में कर्नाटक ने 54 पदकों के साथ शीर्ष पर बरकरार है। कर्नाटक ने अब तक 28 स्वर्ण, 11 रजत और 15 कांस्य पदक जीते हैं। दूसरे स्थान पर सर्विसेज है, जिसने कुल 46 पदक (27 स्वर्ण, 10 रजत, 9 कांस्य) अपने नाम किए हैं। मध्य प्रदेश 34 पदकों (17 स्वर्ण, 7 रजत, 10 कांस्य) के साथ तीसरे स्थान पर है। महाराष्ट्र 82 पदकों के साथ सर्वाधिक कुल पदक जीतने वाला राज्य है, लेकिन इसमें स्वर्ण पदकों की संख्या 16 होने के कारण वह चौथे स्थान पर है।

लीजेंड 90 लीग: धवन की कप्तानी में दिल्ली रॉयल्स के लिए खेलेंगे रॉस टेलर, बोले- ड्रेसिंग रूम साझा करने को लेकर रोमांचित हूं

रायपुर, 06 फरवरी (एजेंसियां) ।

रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में गुरुवार से लीजेंड 90 लीग की शुरुआत हो रही है। इस नए और रोमांचक 90 गेंदों के प्रारूप वाले टूर्नामेंट के उद्घाटन मुकाबले में दिल्ली रॉयल्स और छत्तीसगढ़ वॉरियर्स आमने-सामने होंगे। दिल्ली रॉयल्स टीम की कमान अनुभवी भारतीय बल्लेबाज शिखर धवन के हाथों में होगी। उनके साथ न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज रॉस टेलर, वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज लेंडल सिमन्स, श्रीलंका के दनुश्का गुनाथिलका समेत कई अनुभवी खिलाड़ी टीम का हिस्सा होंगे।

भारत में खेलने को लेकर उत्साहित रॉस टेलर

रॉस टेलर ने भारत में खेलने को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। उन्होंने कहा, मुझे भारत में खेलना हमेशा पसंद आया है। यहां की ऊर्जा अलग होती है और इस बार लीजेंड 90 लीग का अनूठा प्रारूप इसे और भी रोमांचक बनाएगा। टेलर ने इस नए 90 गेंदों के प्रारूप को लेकर कहा, टी20 पहले से ही तेज प्रारूप है, लेकिन 90 गेंदों की यह लीग और भी तेज होगी। इसमें बल्लेबाजों को परिस्थितियों को जल्दी समझकर तेजी से रन बनाने

होंगे, जबकि गेंदबाजों को अलग रणनीति अपनानी होगी।

शिखर धवन के साथ खेलने को लेकर उत्साहित टेलर

टेलर ने शिखर धवन की कप्तानी में खेलने को लेकर भी उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैंने शिखर के साथ कई बार अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में आमने-सामने मुकाबले खेले हैं, लेकिन पहली बार उनके साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना शानदार अनुभव होगा। मैं अपनी टीम और कप्तान के लिए 100प्रतिशत देने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।

बिपुल शर्मा बोले- नया प्रारूप दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण

दिल्ली रॉयल्स के ऑलराउंडर बिपुल शर्मा ने 90-बॉल फॉर्मेट को लेकर कहा, यह एक दिलचस्प और अनूठा प्रारूप है। यह पारंपरिक 10 या 20 ओवरों के प्रारूप से अलग होगा और इसके लिए मानसिक रूप से तैयार रहना जरूरी होगा।

उन्होंने टीम के संतुलन पर बात करते हुए कहा, हमारे पास शिखर धवन और रॉस टेलर जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं, जिनसे युवा खिलाड़ियों को सीखने का शानदार अवसर मिलेगा। हम एकजुट होकर खेल का मजा लेंगे और अपनी रणनीति को सही ढंग से लागू करेंगे।

दिल्ली रॉयल्स टीम

शिखर धवन (कप्तान), लेंडल सिमन्स, रॉस टेलर, जेरोम टेलर, दनुश्का गुनाथिलका, शरद लुम्बा, बिपुल शर्मा, सुमित नरवाल, परविंदर अवाना, लखविंदर सिंह, राजविंदर सिंह, पुनीत बिस्ट, अनुरीत सिंह, एंजेलो परेरा, प्रवीन गुप्ता। लीजेंड 90 लीग का पहला मुकाबला शाम 7 बजे से दिल्ली रॉयल्स और छत्तीसगढ़ वॉरियर्स के बीच खेला जाएगा, जहां प्रशंसकों को रोमांचक क्रिकेट का लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से वेस्टइंडीज के 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की होगी शुरुआत

नई दिल्ली , 06 फरवरी (एजेंसियां) ।

वेस्टइंडीज की पुरुष क्रिकेट टीम 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत फ्रैंक वॉरेल ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला से करेगी। यह श्रृंखला 25 जून से 16 जुलाई तक खेली जाएगी। डैरेन सैमी की कोचिंग में यह वेस्टइंडीज का पहला टेस्ट असाइनमेंट होगा, जिन्होंने रेड-बॉल कोच आंद्रे कोली की जगह ली है।

श्रृंखला का पहला टेस्ट बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में खेला जाएगा, दूसरा टेस्ट ग्रेनेडा नेशनल स्टेडियम में और अंतिम टेस्ट जमैका के सबीना पार्क में होगा। इसके बाद दोनों टीमें पांच टी20 मैच भी खेलेंगी।

पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सत्र का समापन

वेस्टइंडीज अपनी घरेलू गर्मी का समापन 31 जुलाई से 12 अगस्त तक पाकिस्तान के खिलाफ

तीन टी20 और तीन वनडे मैचों के साथ करेगा। टी20 सीरीज फ्लोरिडा में ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में होगी, जबकि ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी, त्रिनिदाद में एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे।

भारत, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ विदेशी दौरे

इसके बाद वेस्टइंडीज 21 सितंबर से 23 दिसंबर तक भारत, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड का दौरा करेगा। बांग्लादेश में टीम तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलेगी, जबकि न्यूजीलैंड दौरे में तीन टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मैच शामिल होंगे।

वनडे विश्व कप 2027 की तैयारी में इंग्लैंड और आयरलैंड दौरा 2023 वनडे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने से चूकने के बाद, वेस्टइंडीज 2027 विश्व कप की तैयारी में आयरलैंड और इंग्लैंड में तीन-तीन वनडे और टी20 मैच खेलेगा। आयरलैंड में मुकाबले 21 से 25 मई तक मलाहाइड में होंगे, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ वनडे मैच 29 मई, 1 जून और 3 जून को हेडिंग्ली, कार्डिफ और द ओवल में खेले जाएंगे। इसके बाद टीम तीन टी20 मैचों के लिए बेलफास्ट लौटेगी, जहां 15 जून को उनका यूके दौरा समाप्त होगा। वेस्टइंडीज महिला टीम का 2025 अभियान वेस्टइंडीज की महिला टीम अपने 2025 अभियान की शुरुआत 4 से 19 अप्रैल तक पाकिस्तान में विश्व कप क्वालीफायर से करेगी। इस टूर्नामेंट में छह टीमें अगस्त-सितंबर में भारत में होने वाले महिला विश्व कप के दो स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। इसके बाद टीम 21 मई से 8 जून तक इंग्लैंड का दौरा करेगी, जहां तीन टी20 और तीन वनडे खेले जाएंगे। फिर वेस्टइंडीज की महिलाएं दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ स्वदेश में तीन वनडे और तीन टी20 मुकाबलों में भिड़ेंगी। इन सभी मैचों की मेजबानी बारबाडोस का केंसिंग्टन ओवल करेगा। वेस्टइंडीज की पुरुष और महिला टीमों के व्यस्त क्रिकेट कार्यक्रम से यह साफ है कि वे आगामी बड़े टूर्नामेंटों की तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते।

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी, सोना 86 हजार के पार पहुंचा

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां) ।

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन सोने की कीमत मे जोरदार तेजी नजर आ रही है। इस तेजी के कारण 24 कैरेट सोना 86 हजार रुपये के स्तर को और 22 कैरेट सोना 79 हजार रुपये के स्तर को पार कर गया है। सोना 950 रुपये से लेकर 1,040 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। कीमत में आई इस उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 86,250 रुपये से लेकर 86,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 79,060 रुपये से लेकर 79,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी की कीमत में 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 99,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,210 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 86,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,060 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 86,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली इंटरनेशनल लेदर एक्सपो का 20-21 फरवरी को यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में

नई दिल्ली। चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) राजधानी नई दिल्ली में द्वारका के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में 20-21 फरवरी को दिल्ली इंटरनेशनल लेदर एक्सपो (डीआईएलईएक्स) 2025 का आयोजन करने जा रहा है। डीआईएलईएक्स मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहलों के साथ मिलकर निर्यात और रोजगार को प्रोत्साहन देगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में बताया कि यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में होने वाला डीआईएलईएक्स 2025 प्रमुख बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) कार्यक्रम है। इसको निर्माताओं एवं निर्यातकों को अपने नवीनतम संग्रह, नवाचारों और क्षमताओं को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो व्यवहार्य सोर्सिंग विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। चमड़ा निर्यात परिषद के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार जालान ने बताया कि केंद्रीय बजट में की गई घोषणाएं भारत के चर्म और फुटवियर क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहलों के तहत तेजी से वैश्विक विनिर्माण और सोर्सिंग हब के रूप में विकसित हो रहा है। सीएलई ने 2030 तक 47 अरब अमेरिकी डॉलर बिजनेस का लक्ष्य तय किया है। इसमें से 13.7 अरब अमेरिकी डॉलर निर्यात क्षेत्र के लिए है।

आरबीआई गवर्नर शुक्रवार 10 बजे करेंगे एमपीसी के फैसले का ऐलान

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के नवनियुक्त गवर्नर संजय मल्होत्रा 7 फरवरी को सुबह 10 बजे पहली बार मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के फैसले का ऐलान करेंगे। आरबीआई इस बार नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। आरबीआई ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि गवर्नर संजय मल्होत्रा 7 फरवरी को मौद्रिक नीति समिति की बैठक के फैसले की घोषणा करेंगे। रिजर्व बैंक गवर्नर की अध्यक्षता में मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक फिलहाल जारी है। आरबीआई के गवर्नर शुक्रवार को पहली बार एमपीसी के फैसले का एलान करेंगे। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने फरवरी 2023 के बाद रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। रेपो रेट फिलहाल 6.5 फीसदी पर है।

स्टेट बैंक का मुनाफा तीसरी तिमाही में 84 फीसदी बढ़कर 16,891 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एसबीआई का मुनाफा 84 फीसदी बढ़कर 16,891 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में एकल आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ 9,164 करोड़ रुपये रहा था। स्टेट बैंक ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में बैंक की कुल आय बढ़कर 1,28,467 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 1,18,193 करोड़ रुपये थी। तीसरी तिमाही के दौरान बैंक की ब्याज आय सालाना आधार पर 1,06,734 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,17,427 करोड़ रुपये हो गई है। बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) भी दिसंबर 2024 के अंत में 2.07 फीसदी पर आ गईं, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के अंत में 2.42 फीसदी थीं। बैंक ने बताया कि इसी तरह शुद्ध गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) भी सालाना आधार पर 0.64 फीसदी से घटकर 0.53 फीसदी रह गईं। इसके साथ ही एसबीआई समूह का एकीकृत शुद्ध लाभ इस अवधि में सालाना आधार पर 11,064 करोड़ रुपये से 70 फीसदी बढ़कर 18,853 करोड़ रुपये हो गया है। इसके अलावा एकीकृत कुल इनकम तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 1,53,072 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,67,854 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 2.05 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां) ।

ब्याज दरों को लेकर रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी का फैसला आने के पहले घरेलू शेयर बाजार संभलकर कारोबार करता रहा। निवेशकों के सतर्क रुख की वजह से बाजार लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी, लेकिन बाजार खुलने के तुरंत बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.27 प्रतिशत और निफ्टी 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। दिनभर के कारोबार के दौरान कंज्यूमर ड्यूरेबल, रियल्टी और टेलीकॉम सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसके साथ ही ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस, टेक और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, बैंकिंग और हेल्थ केयर सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.87 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.15 अंक की सांकेतिक गिरावट के साथ के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 425.14 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 427.19 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 2.05 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,063 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,917 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,018 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 128 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,568 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,164 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,404 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

भारतीय स्टार्टअप्स ने ओपन एआई से की मूल्य निर्धारण लागू करने की मांग, भारतीय भाषाओं में सपोर्ट को बढ़ाने का वादा किया

नई दिल्ली। भारतीय स्टार्टअप्स के शीर्ष फाउंडर्स ने बुधवार को ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन से मुलाकात की और ओपनी एआई के मॉडल्स को डेवलपर्स के लिए किफायती बनाने और भारत-केंद्रित मूल्य निर्धारण लागू करने की मांग की। ऑल्टमैन ने भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेजी से बढ़ते प्रभाव की सराहना करते हुए इसे नई तकनीकी इनोवेशन के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बताया। आलोक बाजपेई, विजय शेखर शर्मा, कुनाल बहल, राघव वर्मा, गौरव मुंजाल, आकृत वैष जैसे प्रमुख भारतीय स्टार्टअप लीडर्स ने सम्मेलन में भाग लिया और मूल्य निर्धारण की मांग की। इन बैठकों में भारत के उपयोगकर्ताओं की जरूरतों पर चर्चा की गई और ओपन एआई की एपीएलएस के इस्तेमाल की समस्याओं पर विचार किया गया। ओपन एआई ने माना कि उनकी प्राइसिंग को भारत के हिसाब से समायोजित करने की जरूरत है और उन्होंने भारतीय भाषाओं में सपोर्ट को बढ़ाने का वादा किया। इस दौरान, स्टार्टअप फाउंडर्स और डेवलपर्स ने ओपनी एआई की टेक्नोलॉजी के उपयोग और इससे जुड़ी चुनौतियों पर भी चर्चा की। इस महत्वपूर्ण मीटिंग में उठी मुद्दों को लेकर जोरदार चर्चा हुई और मूल्य निर्धारण की मांग को लेकर सभी सहमति जताई गई। स्टार्टअप उद्यमियों की शक्तिशाली दबाव ने ओपन एआई को भारत में अपने मॉडल्स की प्राइसिंग को सही निर्धारित करने के लिए मजबूर किया।

देश में खाने-पीने की चीजें महंगी होने से आम जनता ही नहीं सरकार भी परेशान

नई दिल्ली, 06 फरवरी (एजेंसियां) ।

देश में खाने-पीने की चीजों के भाव बढ़ने से आम जनता ही नहीं सरकार और रिजर्व बैंक भी परेशान है। खाद्य महंगाई की वजह से ही खुदरा महंगाई की दर बढ़ जाती है और आरबीआई पिछले करीब ढाई साल से कर्ज भी सस्ता नहीं कर पा रहा है। अब खाद्य महंगाई बढ़ने के कारणों का पता चला है। एक फाइनेंस कंपनी के मासिक बुलेटिन में बताया गया है कि माल ढुलाई की लागत बढ़ने से देशभर में खाद्य महंगाई पर असर पड़ा है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के प्रमुख मार्गों पर ट्रक किराये में जनवरी 2025 में बढ़ोतरी हुई है, जिसका कारण सर्दियों के फलों और सब्जियों का आना है। इनमें से कुछ मार्गों पर तो किराये में चार प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। इसमें कहा गया है कि जनवरी-मार्च तिमाही आमतौर पर काफी व्यस्त अवधि होती है, जिसमें रबी की फसल के बाद कृषि गतिविधि में तेजी आती है और कई क्षेत्रों में विनिर्माण गतिविधियों में भी बढ़ोतरी होती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तेजी के चलते पिछले महीने माल वाहक, कार्गो थ्री-व्हीलर के साथ-साथ यात्री बसों, मैक्सी कैब और कृषि ट्रेलरों जैसे वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी हुई है। ट्रक किराये की बात करें तो दिल्ली-मुंबई-दिल्ली मार्ग पर चार प्रतिशत, मुंबई-कोलकाता-मुंबई मार्ग पर 3.7 प्रतिशत और दिल्ली-हैदराबाद-दिल्ली और कोलकाता-गुवाहाटी-कोलकाता मार्ग पर मासिक आधार पर किराये में 3.3 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। मासिक आधार पर देखा जाए तो जनवरी में माल वाहक की बिक्री में 41 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। तिपहिया (माल) और यात्री बसों की बिक्री में 32 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि मैक्सी कैब की बिक्री में 59 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी हुई है। रबी की फसल के मौसम में कृषि ट्रेलर की बिक्री में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि मोटर कार की बिक्री में 54 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और दोपहिया वाहनों की बिक्री में महीने-दर-महीने आधार पर 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

माल ढुलाई की लागत बढ़ने से देशभर में खाद्य महंगाई पर असर पड़ा

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नेपाल में हिंदू...

अनुदान दिए जाने को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।वीडियो में ब्रायन मास्ट ने उनसे पूछा, क्या वर्मा रिकॉर्ड पर कह रहे हैं कि नेपाल में नास्तिकता के लिए कोई अनुदान आवंटित नहीं किया गया है या अन्य क्षेत्रों में विभाजित नहीं किया गया है? नेपाल और अन्य जगहों पर नास्तिकता को बढ़ावा देने के आरोपों को खारिज करते हुए वर्मा ने दावा किया, मैंने नेपाल में नास्तिकता को बढ़ावा देने के लिए किसी अनुदान का कोई सबूत नहीं देखा है। अनुदान के लिए अनुरोध दस्तावेज का उल्लेख करते हुए ब्रायन मास्ट ने बताया, यह (आधिकारिक दस्तावेज) नास्तिक, मानवतावादी, गैर-अभ्यास करने वाले और गैर-संबद्ध व्यक्तियों सहित धार्मिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने और बचाव करने की बात कहता है।रिपब्लिकन सांसद ने कहा, यह अनुदान नेपाल में नास्तिकों और विधर्मी व्यक्तियों के बीच नेटवर्क या संगठन बनाने और नास्तिकों के विविध समुदायों के लिए वकीलों का नेटवर्क बनाने और उन्हें मजबूत करने के लिए दिया गया। वर्मा की गवाही के दौरान ब्रायन मास्ट ने जोर देकर कहा कि नास्तिकता शब्द और नेपाल में नास्तिकता को बढ़ावा देने के लिए अलग-अलग वाक्यांशों का आधिकारिक दस्तावेज में अलग-अलग जगहों पर बार-बार उल्लेख मिलता है। मास्ट ने कहा, वर्मा ने गलतबयानी कर समिति का अनादर किया है। मास्ट ने कहा, अनुदान अनुरोध का पहला पृष्ठ ही धर्म का विरोध और नास्तिकता के समर्थन की पुष्टि करता है। मस्त ने कहा, यह खुलासा बेहद परेशान करने वाला है। न केवल यह करदाताओं के पैसे का अनुचित उपयोग है, बल्कि प्रशासन की ओर से पारदर्शिता और ईमानदारी की कमी हमारी सरकार में विश्वास को और कम करती है।रिपब्लिकन नेता के अनुसार, आश्चर्यजनक रूप से बाइडेन प्रशासन ने नेपाल में नास्तिकता को बढ़ावा देने के लिए बड़ी मात्रा में धनराशि दी है, जिसे धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों को बढ़ावा देने के नाम पर छिपाया गया है। नेपाल को दिए गए अमेरिकी अनुदान के पीछे का गुप्त एजेंडा जागर होने के बाद दोनों देशों के बीच कूटनीतिक विवाद पैदा होने की संभावना जताई जा रही है। यह नेपाल के आंतरिक मामलों में सीधा-सीधा बाहरी हस्तक्षेप और इसकी धार्मिक जनसांख्यिकी को बदलने के कुचक्र के रूप में देखा जा रहा है। इस कुचक्र के प्रतिकार में ही नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र बनाने की वकालत करने वाले बड़े पैमाने पर नेपाल में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। 2021 की जनगणना के अनुसार, हिमालयी राष्ट्र में हिंदू धर्म सबसे अधिक पालन किया जाने वाला धर्म है, जो कुल आबादी का 81 प्रतिशत है। 2006 तक नेपाल दुनिया का एकमात्र हिंदू राज्य था। उसी वर्ष, देश एक धर्मनिरपेक्ष राज्य बन गया। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, उसके सहयोगी देशों और अतीत में अरबपति जॉर्ज सोरोस जैसे कुछ गैर-सरकारी धनपशुओं पर देश की राजनीतिक व्यवस्था में हस्तक्षेप करने, क्षेत्र की धार्मिक जनसांख्यिकी को बदलने और लोकतंत्र, धार्मिक सहिष्णुता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बढ़ावा देने जैसे सद्गुणों की वकालत करने के बहाने शासन परिवर्तन की कार्रवाइयों के गंभीर आरोप हैं।

अभिभाषण समझना...

पीएम मोदी ने कहा कि, हमारी सरकार ने एससी-एसटी एक्ट को मजबूत बनाकर दलित-आदिवासी समाज के प्रति सम्मान भी दिखाया, प्रतिबद्धता भी दिखाई। आज जातिवाद का जहर फैलाने के लिए भरपूर प्रयास हो रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज जातिवाद के जहर फैलाने के लिए भरपूर प्रयास हो रहा है। लेकिन तीन-तीन दशक दोनों सदन के ओबीसी एमपी और सभी दलों के ओबीसी एमपी सरकारों से मांग करते रहे थे कि ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया जाए, ठुकरा दिया गया। इनकार किया गया क्योंकि शायद उस समय उनके राजनीति को ये सूट नहीं करता था। हम सबने मिलकर तीन-तीन दशक से मेरे ओबीसी समाज ने जिस बात की मांग की थी हमने आकर इस आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया।पीएम मोदी ने कहा कि हमारे लिए इनका मान-सम्मान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। देश में जब-जब आरक्षण का विषय आया, उसको एक तंदुरुस्त तरीके से सत्य को स्वीकार करते हुए करने का प्रयास नहीं हुआ। दुश्मनी पैदा करने वाले तरीके अपनाए गए। पहली बार हमारी सरकार ने एक ऐसा मॉडल दिया कि हमने सामान्य वर्ग के गरीब को 10 फीसदी आरक्षण दिया, बिना तनाव के, बिना किसी का छीने। एससी-एसटी, ओबीसी ने भी इसका स्वागत किया। पूरे राष्ट्र ने इस बात को स्वीकार किया।पीएम मोदी ने कहा कि बाबा साहब के प्रति कांग्रेस को कितनी नफरत थी, कितना गुस्सा था, इसके प्रमाण हैं। बाबा साहब को दो-दो बार चुनाव हराने के लिए क्या कुछ नहीं कहा गया। बाबा साहब को कभी भारत रत्न के योग्य नहीं समझा गया। इस देश के लोगों ने बाबा साहब की भावना का आदर किया, सर्व समाज ने किया। तब आज मजबूरन कांग्रेस को जय भीम बोलना पड़ रहा है। जय भीम बोलने में उनका मुंह सूख जाता है। ये कांग्रेस भी रंग बदलने में बड़ी माहिर लग रही है। कितनी तेजी से अपना नकाब बदल देते हैं, ये इसमें साफ-साफ नजर आ रहा है।पीएम मोदी ने कहा, अब कांग्रेस का अध्ययन करेंगे तो इसकी राजनीति जैसे हमारा मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास, वैसे ही उनका रहा दूसरे की लकीर छोटी करना। इसके कारण उन्होंने सरकारों को अस्थिर किया, किसी भी राजनीतिक दल की सरकार कहीं बनी तो उसे अस्थिर कर दिया। इसी काम में वो लगे रहे। यही उनकी नीतियों का परिणाम है कि आज कांग्रेस का ये हाल हो गया है। पीएम मोदी ने कहा कि लोकसभा के बाद जो कांग्रेस के साथ थे वो भी भाग रहे हैं। इसी का परिणाम है कि कांग्रेस का आज यह हाल हो गया है। देश की सबसे पुरानी पार्टी, आजादी के आंदोलन से जुड़ी पार्टी, इतनी दुर्दशा। अगर वे अपनी लकीर लंबी करने में मेहनत करने न तो इतनी दुर्दशा नहीं होती। बिना मांगे सलाह देता हूं, अपनी लकीर लंबा करने में मेहनत करेंगे तो देश कभी न कभी 10 मीटर दूर यहां आने का अवसर देगा।पीएम मोदी ने कहा कि, हर समुदाय का सशक्तिकरण और बाबा साहब के सपने को पूरा करने का कार्य हमने मुद्रा योजना से किया है। जिसको किसी ने नहीं पूछा, उसे मोदी पूजता है। गरीब वंचित का कल्याण हमारी प्राथमिकता है। इस वर्ष के बजट में भी लेदर, फुटवियर इंडस्ट्री जैसे छोटे क्षेत्रों को हमने स्पर्श किया है जिसका लाभ गरीब-वंचित समाज को मिलने वाला है। खिलौने की बात करें, इस प्रकार के लोग ही इस काम में हैं। बहुत से लोगों को इस काम में मदद दी गई और इसका परिणाम ये है कि हम इसे इंपोर्ट करने की आदत में फंसे थे, आज हम तीन गुना एक्सपोर्ट कर रहे हैं। इसका फायदा गरीब लोगों को मिल रहा है। हमने मछुआरे साथियों के लिए अलग मंत्रालय बनाया और केसीसी के सारे बेनिफिट्स भी दिए। मत्स्य उत्पादन बढ़ा है।

अवैध आव्रजन...

कल 104 लोग वापस आए हैं। हमने ही उनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि की है। हमें ऐसा नहीं समझना चाहिए कि यह कोई नया मुद्दा है। यह एक ऐसा मुद्दा है जो पहले भी होता रहा है। कानूनी गतिशीलता को प्रोत्साहित करना और अवैध आवागमन को हतोत्साहित करना हमारे सामूहिक हित में है। सभी देशों का यह दायित्व है कि यदि उनके नागरिक विदेश में अवैध रूप से रह रहे पाए जाते हैं तो उन्हें वापस ले लिया जाए। निर्वासन की प्रक्रिया कोई नई नहीं है।

जयशंकर ने अमेरिका से अब तक भारत निर्वासित किए गए लोगों के आंकड़े भी सदन के सामने रखे। उन्होंने कहा कि साल 2009 में 734, साल 2010 में 799, साल 2011 में 597, साल 2012 में 530 भारतीयों को निर्वासित किया गया। उन्होंने इस संबंध में 2024 तक के आंकड़े सदन में प्रस्तुत किए।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका में बिना दस्तावेजों के रह रहे भारतीयों को निर्वासित किए जाने के मुद्दे पर गुरुवार को संसद के दोनों सदनों में विपक्ष ने हंगामा किया। इससे पहले अमेरिकी सेना का एक विमान बुधवार को भारतीयों को लेकर अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरा था। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार सत्ता संभालने के बाद से यह अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों का पहला निर्वासन है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यापक वार्ता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी वॉशिंगटन यात्रा से कुछ ही दिन पहले यह कार्रवाई हुई है। निर्वासित लोगों में से 30 पंजाब से, 33-33 हरियाणा और गुजरात से, तीन-तीन महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से तथा दो चंडीगढ़ से हैं। निर्वासित किए गए लोगों में 19 महिलाएं और चार वर्षीय एक लड़का, पांच व सात वर्षीय दो लड़कियों सहित 13 नाबालिग शामिल हैं।

यूपी में वक्फ ...

से 2363, अयोध्या में 3652 में से 2116, जौनपुर में 4167 में से 2096 और बरेली में 3499 वक्फ सम्पत्तियों में से 2000 सरकारी जमीनों पर स्थित हैं। यहां बता दें कि प्रदेश में कुल 57792 सरकारी सम्पत्तियां हैं, जो वक्फ बोर्ड के रिकॉर्ड में वक्फ सम्पत्तियों के रूप में दर्ज हैं। इनका कुल रकबा 11712 एकड़ है। नियमानुसार, इन सम्पत्तियों को वक्फ (दान) किया ही नहीं जा सकता था। इसी तरह लखीमपुर खीरी-1792, बुलंदशहर-1778, फतेहपुर-1610, सीतापुर-1581, आजमगढ़-1575, सहारनपुर-1497, मुरादाबाद-1471, प्रतापगढ़-1331, आगरा-1293, अलीगढ़-1216, गाजीपुर-1251, मेरठ-1154, संभल-1150, अमरोहा-1045, देवरिया-1027 और बिजनौर में 1005 अवैध सम्पत्तियां हैं।उत्तर प्रदेश में 40 जिले ऐसे भी हैं, जहां बोर्डों के रिकॉर्ड में सैकड़ों की संख्या में वक्फ सम्पत्तियां दर्ज हैं, लेकिन तहसील रिकॉर्ड में एक का भी नामांतरण नहीं है। ये जिले हैं, फिरोजाबाद, मैनपुरी, मथुरा, अलीगढ़, एटा, कासगंज, अयोध्या, आजमगढ़, बलिया, बदायूं, शाहजहांपुर, सिद्धार्थनगर, बहराइच, बलरामपुर, गोंडा, श्रावस्ती, देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, जालौन, ललितपुर, औरैया, फर्रूखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, हरदोई, रायबरेली, बुलंदशहर, गाजियाबाद, हापुड़, भदोही, मिर्जापुर, सोनभद्र, बिजनौर, कौशांबी, प्रयागराज, चंदौली, जौनपुर, वाराणसी, महोबा। वक्फ बोर्ड के रिकॉर्ड के मुताबिक महोबा में एक भी वक्फ सम्पत्ति नहीं है। जबकि, सोनभद्र में एक वक्फ सम्पत्ति है। हालांकि, जिलास्तर के गजट में महोबा में 245 और सोनभद्र में 171 वक्फ सम्पत्तियां हैं।

महाकुंभ भगदड़ में...

वह भी घेरे में हैं।पुलिस को जांच में मिला है कि महाकुंभ को लेकर इन्टरनेट पर अधिक ही रुचि दिखाने वाले बड़ी संख्या में गैर हिंदू हैं। उन्हें नोटिस भेजा जा रहा है। इसके अलावा महाकुंभ की शुरुआत से ही जो लोग इसको लेकर नकारात्मकता फैला रहे हैं और बार बार भ्रामक सूचनाएं डाल रहे हैं, उनको भी राडार पर लिया गया है। पुलिस इसके अलावा मेला क्षेत्र में लगे कैमरों की फुटेज खंगाल कर संदिग्धों को पहचान रही है। 600 ऐसे संदिग्ध पहचाने जा चुके हैं।

इससे पहले पुलिस ने यहां नम्बर खंगालना चालू किया था। इससे पहले मौनी अमावस्या की भगदड़ में फंसी कुछ महिलाओं ने दावा किया था कि हुड़दंगी लड़कों के भीड़ में घुसने के बाद भगदड़ चालू हुई। पुलिस ने उस समय भगदड़ वाली जगह पर मौजूद नम्बरों को भी खंगाला था। इस बीच महाकुंभ में स्नान करने वालों की संख्या लगभग 40 करोड़ के पार पहुंच चुकी है।

दो यात्रियों से...

सीमा शुल्क विभाग ने बताया कि आरोपी जम्मू कश्मीर का रहने वाले हैं और उन्हें बुधवार को इटली के मिलान से दिल्ली लौटने के दौरान हवाई अड्डे पर रोका गया। विभाग ने कहा कि आरोपियों के सामान की जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला, लेकिन व्यक्तिगत तलाशी लेने पर विशेष रूप से डिजाइन की गई दो कमर बेल्ट में छिपा कर रखे गये सोने के सिक्के बरामद हुए। सीमा शुल्क विभाग ने बताया कि अधिकारियों ने 10.092 किलोग्राम सोने के सिक्के जब्त किए, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 7.8 करोड़ रुपए आंकी गई है।

माघ पूर्णिमा से इन राशियों की बदलेगी फूटी किस्मत

बरसेगी बुध देव की कृपा

पूर्णिमा के दिन हिंदू धर्म में स्नान-दान का काफी महत्व माना गया है। इस दिन पर कई शुभ योग भी बन रहे हैं, जो जातक के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं। इसी के साथ बुध देव और सूर्य देव राशि परिवर्तन करने जा रहे हैं। ऐसे में जानते हैं कि माघ पूर्णिमा के दिन किन राशियों की किस्मत चमकने वाली है।

माघ पूर्णिमा मुहूर्त

माघ माह की पूर्णिमा तिथि का आरंभ 11 फरवरी को शाम 06 बजकर 55 मिनट पर हो रहा है। वहीं, इस तिथि का समापन 12 फरवरी को शाम 07 बजकर 22 मिनट पर होगा। इस प्रकार माघ पूर्णिमा, बुधवार 12 फरवरी को मनाई जाएगी। इस दिन चंद्रोदय का टाइम कुछ इस प्रकार रहेगा -

पूर्णिमा के दिन चंद्रोदय का समय - शाम 05 बजकर 59 मिनट पर

राशियों को होगा फायदा

माघ पूर्णिमा पर मेष राशि के जातकों को कई तरह के लाभ मिलने वाले हैं। यह समय आपके लिए खुशियां लेकर आएगा। परिवार के साथ संबंध सुधरने वाले हैं। आपके लिए प्रॉपर्टी आदि खरीदने के योग भी बन रहे हैं। करियर के क्षेत्र में जो भी समस्याएं आ रही हैं, वह इस दौरान दूर हो सकती हैं। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं, उनकी तलाश पूरी हो सकती है।

हर क्षेत्र में मिलेगा लाभ

माघ पूर्णिमा के अवसर पर वृषभ राशि के जातकों को भी काफी लाभ मिलने वाला है। जो जातक कारोबार से जुड़े हुए हैं, उन्हें फायदा मिल सकता है। अगर आप सेहत की दृष्टि से परेशान हैं, तो इस समय आपको अपनी सेहत में सुधार देखने को मिलने वाला है।

बढ़ेगा मान-सम्मान

मकर राशि के जातक माघ पूर्णिमा पर काफी लाभ प्राप्त करने वाले हैं। परिवार और समाज में आपका कद बढ़ने वाला है। लोग आपके व्यक्तित्व से प्रभावित होंगे। करियर में भी आपको लाभ मिलने वाला है।

12 को मनाई जाएगी गुरु रविदास जयंती

समाज सुधार में रहा बड़ा योगदान

15वीं शताब्दी के महान संतों में से एक रहे रविदास जी द्वारा लिखित दोहे आज भी लोगों की जुबान पर हैं। समाज की उन्नति के लिए किया गया उनका योगदान आज भी सहायनीय है। उन्होंने समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। हर साल गुरु रविदास जयंती को बडे.ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। रविदास जी का पूरा जीवन भक्ति व ज्ञान के लिए समर्पित रहा। ऐसे में चलिए जानते हैं उनके जीवन से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें।

कब और कहां हुआ जन्म

संत रविदास के जन्म को लेकर कई मत हैं, जिसमें से सबसे प्रचलित मत यह है कि रविदास जी का जन्म उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक मोची परिवार में हुआ था। उनके जन्म को लेकर एक दोहा भी मिलता है, चौदस सो तैंसीस कि माघ सुदी पन्द-रास. दुखियों के कल्याण हित प्रगटे श्री गुरु रविदास

इस दोहे में कहा गया है कि माघ माह की पूर्णिमा तिथि के दिन संत रविदास का जन्म हुआ था। इसलिए हर साल इसी तिथि पर गुरु रविदास जयंती मनाई जाती है। ऐसे में इस साल माघ पूर्णिमा यानी बुधवार, 12 फरवरी, 2025 को गुरु रविदास जी की जयंती मनाई जाएगी।

दिए कई महत्वपूर्ण योगदान

रविदास जी का 15वीं शताब्दी में भक्ति आंदोलन में बड़ा योगदान रहा। यह उस समय का एक बड़ा आध्यात्मिक आंदोलन था, जिसने भक्ति का प्रचार करने के साथ-साथ समाज सुधार का भी काम किया। उन्होंने अपने जीवन में कई गीत, दोहे और भजनों की रचना की, जो आज के समय में भी मानव मात्र को प्रेरित करने का काम कर रहे हैं।

उनकी रचनाओं में आत्मनिर्भरता, सहिष्णुता और एकता का संदेश मिलता है। इन्होंने अपनी रचनाओं में समाज से जातिवाद, भेदभाव और समाजिक असमानता के भाव को हटाकर भाईटारे और सहिष्णुता का भाव अपनाने के संदेश दिया, जिसका उस समय के लोगों पर काफी सकारात्मक असर पड़ा था। इसी के साथ गुरु रविदास जी ने शिक्षा के विशेष जोर दिया। विख्यात संत मीराबाई भी रविदास जी को ही अपना गुरु मानती थीं।

मूलांक 2 के लड़के बनते हैं अच्छे लाइफ पार्टनर, पूरी जिंदगी निभाते हैं साथ

अंक ज्योतिष शास्त्र में व्यक्ति का मूलांक खास महत्व रखता है। किसी व्यक्ति के मूलांक से उसके बारे में कई बातें पता लगाई जा सकती हैं। उदाहरण के तौर पर देखें तो अगर किसी व्यक्ति का जन्म किसी महीने की 18 तारीख को होता है, तो ऐसी स्थिति में उसका मूलांक 9 माना जाएगा। इसका कारण यह है कि 1 और 8 का जोड़ करने पर 9 प्राप्त होता है।

बनते हैं अच्छे लाइफ पार्टनर

मूलांक 2 के लड़के एक अच्छे पार्टनर साबित होते हैं। जिस किसी जातक का जन्म 2, 11, 20 या 29 तारीख को हुआ है, उनका मूलांक 02 माना जाता है। इस मूलांक के ग्रह स्वामी चंद्र देव हैं। मूलांक 02 के जातक बहुत ही शांत स्वभाव के होते हैं। माना जाता है कि अगर इन मूलांक के लड़कों को किसी से प्यार हो जाए, तो वह पूरी जिंदगी उसका साथ निभाते हैं। इस मूलांक के जातकों के लिए 1, 3, 4 और 6 मूलांक के लोग अच्छे पार्टनर साबित होते हैं।

हर हाल में निभाते हैं प्यार

जिन लड़कों का जन्म किसी महीने की 4, 13, 22 या 31 तारीख को होत है, उनका मूलांक 4 माना है। इस मूलांक का ग्रह स्वामी राहु होता है। इस वजह से इस स्वभाव के लड़के जुनूनी होते हैं। अगर मूलांक 4 के लड़कों को किसी से प्यार होता है, तो वह हर हाल में अपने प्यार को निभाते हैं। इसी के साथ यह अपने पार्टनर की छोटी-छोटी जरूरतों का ध्यान रखते हैं। अंक ज्योतिष के मुताबिक 1, 2, 7 और 9 मूलांक वाली लड़कियों के साथ मूलांक 4 की अच्छी बनती है।

नहीं होने देते किसी चीज की कमी

मूलांक 6 भी उन मूलांक में से एक है, जो बेस्ट लाइफ पार्टनर साबित होते हैं। इसके ग्रह स्वामी शुक्र देव होते हैं। शुक्र के प्रभाव के कारण इस मूलांक के पास सुख-सुविधा और भौतिक चीजें की कोई कमी नहीं होती। इस मूलांक के लड़के अपने लाइफ पार्टनर को खुश रखने की पूरी कोशिश करते हैं। इस मूलांक की 3, 2, 4, 5 और 6 मूलांक वाले लोगों के साथ लव लाइफ अच्छी गुजरती है।

बुधादित्य योग से तीन राशियों का बदलेगा भाग्य

वैदिक पंचांग के अनुसार, 12 फरवरी को माघ पूर्णिमा है। इस शुभ अवसर पर प्रयागराज स्थित गंगा नदी की त्रिवेणी संगम पर अमृत स्नान किया जाएगा। साथ ही पूजा, जप-तप एवं दान किया जाएगा। पूर्णिमा तिथि पर गंगा स्नान करने से साधक के समस्त पाप धुल जाते हैं। साथ ही रोग-दोष दूर हो जाते हैं।

ज्योतिषियों की मानें तो आत्मा के कारक सूर्य देव माघ पूर्णिमा के दिन राशि परिवर्तन करेंगे। सूर्य देव के राशि परिवर्तन करने की तिथि पर कुंभ संक्रांति मनाई जाएगी। सूर्य देव के राशि परिवर्तन करने से बुधादित्य योग का संयोग बन रहा है। इस योग से कई राशि के जातकों को लाभ होगा।

सूर्य राशि परिवर्तन

आत्मा के कारक सूर्य देव 12 फरवरी को मकर राशि से निकलकर कुंभ राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में बुध देव 11 फरवरी को गोचर करेंगे। बुध और सूर्य देव के कुंभ राशि में गोचर करने से बुधादित्य योग बनेगा। बुधादित्य योग महाशिवरात्रि तक है। इसके अगले दिन बुध देव राशि परिवर्तन करेंगे। वहीं, सूर्य देव 14 मार्च को राशि परिवर्तन करेंगे। सूर्य देव 14 मार्च को मीन राशि में गोचर करेंगे।

मेष राशि -मेष राशि के जातकों को बुधादित्य योग से लाभ होगा। इस राशि के जातकों पर बुध देव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से कारोबार में व्यापक बदलाव देखने को मिलेगा। कारोबार में तेजी आएगी। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों को धन लाभ होगा। नए काम की शुरुआत करने के लिए समय अनुकूल है। किसी दोस्त की मदद से आर्थिक धन लाभ होगा। बिगड़ा काम बन सकता है। धन लाभ के योग बन रहे हैं।

वृषभ राशि -बुधादित्य योग से वृषभ राशि के जातक मालामाल होंगे। वृषभ राशि के जातकों पर देवगुरु बृहस्पति, सूर्य देव और बुध देव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से कारोबार संबंधी परेशानी दूर होगी। साथ ही करियर संबंधी परेशानी भी दूर होगी। आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। अचानक धन लाभ भी हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी दूर होगी। त्वचा संबंधी परेशानी दूर होगी। पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

सिंह राशि -सिंह राशि के स्वामी सूर्य देव हैं और आराध्य भगवान विष्णु हैं। जगत के पालनहार भगवान विष्णु की कृपा से सभी बिगड़े काम बन जाएंगे। शिक्षा से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी। धार्मिक यात्रा के योग बनेंगे। धन-संपत्ति में वृद्धि होगी। सरकारी क्षेत्रों से जुड़े लोगों को धन लाभ हो सकता है। विदेश यात्रा के योग बनेंगे। रुके काम पूरे होंगे। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। कारोबार से जुड़े लोगों के अटके काम पूरे होंगे।

14 मार्च से खरमास शुरू होगा

सनातन धर्म में फाल्गुन महीने का खास महत्व है। इस महीने में कई प्रमुख व्रत एवं त्योहार मनाए जाते हैं। फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर महाशिवरात्रि मनाई जाती है। वहीं, फाल्गुन पूर्णिमा पर रंगों का त्योहार होली मनाया जाता है। इसके साथ ही विजया और आमलकी एकादशी भी मनाई जाती है। ज्योतिषियों की मानें तो फाल्गुन महीने में सूर्य देव राशि परिवर्तन करेंगे। आसान शब्दों में कहें तो फाल्गुन महीने में सूर्य देव मीन राशि में गोचर करेंगे। सूर्य देव के मीन राशि में गोचर करने की तिथि से खरमास शुरू होता है। संक्रांति तिथि पर स्नान-ध्यान, पूजा, जप-तप और दान किया जाता है।

कब से शुरू होगा खरमास?

ज्योतिषियों की मानें तो 14 मार्च से खरमास शुरू होगा। वहीं, खरमास का समापन 14 अप्रैल को होगा। आसान शब्दों में कहें तो 14 मार्च से लेकर 13 अप्रैल तक खरमास रहेगा। इस दौरान कोई भी शुभ काम नहीं किया जाएगा। वहीं, 14 अप्रैल से सभी प्रकार के शुभ काम किए जाएंगे।

सूर्य राशि परिवर्तन

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, आत्मा के कारक सूर्य देव 14 मार्च को संध्याकाल 06 बजकर 58 मिनट पर मीन राशि में गोचर करेंगे। इससे पहले सूर्य देव 12 फरवरी को मकर राशि से निकलकर कुंभ राशि में गोचर करेंगे। इसके बाद सूर्य देव 14 मार्च को मीन राशि में गोचर करेंगे। इससे पूर्व सूर्य देव 19 फरवरी को शतभिषा और 04 मार्च को पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में गोचर करेंगे।

मीन संक्रांति शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, 14 मार्च के दिन सूर्य देव मीन राशि में गोचर करेंगे। आसान शब्दों में कहें तो 14 मार्च को मीन संक्रांति और होली मनाई जाएगी। मीन संक्रांति तिथि पर पुण्य काल दोपहर 12 बजकर 39 मिनट से लेकर शाम 06 बजकर 29 मिनट तक है। वहीं, महा पुण्य काल शाम 04 बजकर 29 मिनट से लेकर शाम 06 बजकर 29 मिनट तक है। मीन संक्रांति के दिन पुण्य क्षण शाम 06 बजकर 59 मिनट पर है। साधक अपनी सुविधा अनुसार समय पर मीन संक्रांति के दिन स्नान-ध्यान एवं पूजा, जप-तप कर सकते हैं।

मीन संक्रांति शुभ योग

मीन संक्रांति पर शिववास योग का संयोग बन रहा है। शिववास योग दोपहर 12 बजकर 23 मिनट से है। इस समय देवों के देव महादेव कैलाश पर मां गौरी के साथ रहेंगे। इसके साथ ही उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र का संयोग है। वहीं, बव एवं बालव करण के योग हैं।

नवरात्रि का नौवां दिन: नवरात्रि पारण नवमी तिथि समाप्त होने के बाद दशमी तिथि में होता है!

नवरात्रि हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखने वाला पर्व है, जो देवी दुर्गा की उपासना के लिए नौ दिनों तक चलता है। भक्तगण इस अवधि में व्रत रखते हैं और विभिन्न रूपों में देवी की आराधना करते हैं। नवरात्रि का समापन नवमी तिथि के बाद होता है। जिसे 'पारण' कहा जाता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, नवमी तिथि के समाप्त होने और दशमी तिथि के प्रचलित होने के बाद ही व्रत का पारण किया जाता है। पारण का अर्थ है व्रत का विधिपूर्वक समापन। नवरात्रि में उपवास रखने वाले भक्त नवमी तिथि तक माता की उपासना करते हैं और पूर्ण श्रद्धा के साथ व्रत का पालन करते हैं। जब नवमी तिथि समाप्त हो जाती है और दशमी तिथि प्रारंभ होती है, तब व्रतधारी श्रद्धालु विशेष पूजा-अर्चना के बाद पारण करते हैं।

इस दिन कन्या पूजन का भी विशेष महत्व होता है, जिसमें नौ कन्याओं को भोजन कराकर आशीर्वाद लिया जाता है। नवमी तिथि पर हवन और देवी पूजन किया जाता है। दशमी तिथि लगने के बाद भक्त व्रत खोलते हैं। पारण के दौरान सात्विक भोजन किया जाता है, जिसमें हलवा, चना और पूरी का विशेष महत्व होता है।

कन्या पूजन कर उन्हें भोजन कराना और वस्त्र, दक्षिणा देना शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, विधिपूर्वक पारण करने से माता रानी की कृपा प्राप्त होती है और सुख-समृद्धि बढ़ती है। साथ ही, जीवन में शांति, सफलता

बॉलीवुड का सबसे बड़ा फ्लॉप अभिनेता गिरीश कुमार!

बॉलीवुड में हर साल कई एक्टर्स आते हैं, इनमें से कुछ का सिक्का चल पाता है और कई फ्लॉप होकर गुमनाम जिंदगी में चले हैं। कुछ ऐसे भी हैं, जो बतौर एक्टर पर्दे पर कमाल नहीं कर पाते हैं, लेकिन बतौर प्रोड्यूसर फिल्मों से मोटा पैसा कमा रहे हैं। इस कड़ी में हम बताने जा रहे हैं बॉलीवुड के बड़े प्रोड्यूसर के उस बेटे के बारे में, जो बतौर एक्टर तो हिट नहीं लेकिन अब फिल्म प्रोड्यूसर बनकर पिता के साथ खूब पैसा कमा रहा हैं। बता दें, एक्टर से प्रोड्यूसर बने इस स्टार ने बॉलीवुड में तीन साल काम किया और एक भी हिट फिल्म नहीं दे पाया। आइए जानते हैं इसके बारे में।

इस फ्लॉप के पिता ने सैफ अली खान, बॉबी देओल, रणबीर कपूर, कैटरीना कैफ और अजय देवगन जैसे स्टार्स की फिल्में प्रोड्यूस की हैं, लेकिन जब साल 2013 में फिल्म 'रमैया वस्तावैया' से अपने बेटे को बॉलीवुड में लॉन्च किया, तो अपनी डेब्यू फिल्म से ही फ्लॉप हो गया। फिल्म 'रमैया से अब आप समझ ही गये होंगे कि हम किस एक्टर की बात कर रहे हैं। जी हां, हम बात कर रहे हैं फिल्म प्रोड्यूसर और टिप्स इंडस्ट्री के मालिक रमेश तौरानी के बेटे गिरीश कुमार तौरानी की। फिल्म रमैया वस्तावैया भले ही फ्लॉप हो गई थी, गिरीश इस फिल्म से सिनेप्रेमियों की नजरों में जरूर आए थे। इसके बाद साल 2016 में गिरीश को फिल्म 'लवशुदा' में देखा गया, लेकिन यह फिल्म बॉक्स

ऑफिस पर फेल हुई और गिरीश ने एक्टिंग को बाय-बाय कह दिया।

कंपनी में मिली बड़ी जिम्मेदारी

वहीं, एक्टिंग छोड़ने के बाद गिरीश अब पिता और चाचा की टिप्स इंडस्ट्री से जुड़ गए हैं। गिरिश टिप्स के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर हैं। इसमें गिरीश फिल्म बनाने और उसे डिस्ट्रीब्यूट करने के साथ-साथ म्यूजिक का भी काम संभालते हैं। बता दें, टिप्स की कुल नेटवर्थ 4700 करोड़ रुपये है। शायद ही आपको पता गिरीश ने साल 2016 में ही अपनी बचपन की दोस्त और गर्लफ्रेंड कृष्णा मंगवानी से गुपचुप शादी रचाई थी। वहीं, गिरीश ने एक साल बाद अपनी शादी का खुलासा किया था।

जुनैद खान और खुशी कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म

लवयापा की एडवांस बुकिंग शुरू

जुनैद खान और खुशी कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म लवयापा जल्द ही थिएटर्स में धमाल मचाने वाली है, और एक्साइटमेंट अपने पीक पर है. जबरदस्त ट्रेलर और सुपरहिट गानों ने पहले ही लोगों का दिल जीत लिया है, जिससे फिल्म को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है. अब जब सबको बेसब्री से फिल्म का इंतजार है, तो इंतजार करने की जरूरत नहीं, क्योंकि लवयापा की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है. तो फटाफट टिकट बुक कर लो और तैयार हो जाओ प्यार और इमोशंस से भरी इस खूबसूरत जर्नी के लिए.

जुनैद खान, खुशी कपूर और लवयापा की पूरी टीम फिलहाल फिल्म के प्रमोशन में जुटी हुई है और पूरे देश में धूम मचा रही है. फिल्म को लेकर जबरदस्त क्रेज बना हुआ है, और अब ऑडियंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी आ गई है, एडवांस बुकिंग ऑफिशियली ओपन हो चुकी है! बस कुछ ही दिनों में ये मोस्ट अवेटेड रोमांटिक कॉमेडी बड़े पर्दे पर आने वाली है, तो अगर अभी तक टिकट बुक नहीं की, तो देर मत करो, बल्कि जल्दी से अपनी सीट पक्की कर लीजिए! ट्रेड एनालिस्ट की मानें तो, फिल्म पहले दिन 1 से 1.50 करोड़ रुपये का बिजनेस कर सकती है. फिल्म को यू/अ 16+ सर्टिफिकेट मिला है. फिल्म का रनटाइम 2.17 घंटे का है.

लवयापा मॉडर्न रोमांस की दुनिया में बसाई गई एक दिल छू लेने वाली कहानी है, जो दमदार परफॉर्मेंस, जबरदस्त म्यूजिक और शानदार विजुअल्स से सजी हुई है। प्यार के हर रंग को सेलिब्रेट करती ये फिल्म हर उम्र के दर्शकों के दिलों को छूने वाली है. 2025 की सबसे एक्साइटिंग फिल्मों में से एक बनने जा रही लवयापा के लिए तैयार हो जाइए! 7 फरवरी 2025 को ये खूबसूरत लव स्टोरी बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है, तो अपना कैलेंडर मार्क कर लीजिए और प्यार से भरी इस जर्नी का हिस्सा बनने के लिए रेडी हो जाइए.

छावा का दिल दहला देने वाला नया पोस्टर जारी

जख्मों से घायल और खून से लथपथ दिखे विक्की कौशल

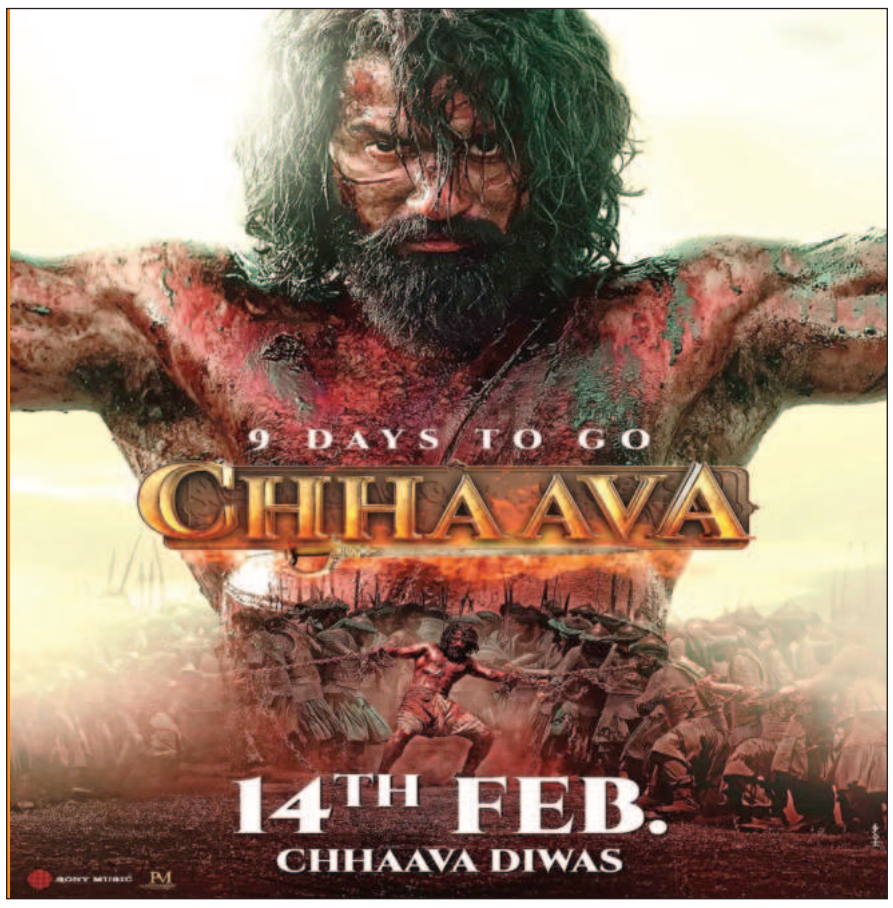

विक्की कौशल इन दिनों छावा फिल्म को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म के जरिए वे रश्मिका मंदाना के साथ पहली बार साथ काम करते नजर आएंगे। फिल्म में विक्की छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभाएंगे, जबकि रश्मिका मंदाना येसूबाई भोसले की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। वहीं अब विक्की कौशल ने अपना नया लुक जारी किया है, जिसे देख फैंस भी हैरान रह गए।सिनेमाघरों में फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेता ने फिल्म से अपना एक नया इंटेंस पोस्टर शेयर किया है। छावा ने विक्की और रश्मिका के प्रशंसकों के बीच काफी चर्चा बटोरी है और इस नए पोस्टर ने उनकी उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। नए पोस्टर में विक्की का दिल दहला देने वाला लुक देखने को मिला, जिसमें अभिनेता पूरी तरह से खून से लथपथ हैं और उनकी शरीर पर अनगिनत चोटों के निशान भी हैं। वहीं, पोस्टर में विक्की को रस्सी से बांधे हुए सैकड़ों सैनिक पीछे की ओर घसीटते नजर आ रहे हैं।विक्की ने पोस्टर को कैप्शन के साथ साझा किया। उन्होंने लिखा, मिलते हैं छावा दिवस पर। विक्की ने 14 फरवरी को छावा दिवस करार दिया है। फिल्म का ट्रेलर पहले ही रिलीज हो चुका है, जिसने फैंस के बीच फिल्म की रिलीज को लेकर उत्सुकता को बढ़ा दिया। ट्रेलर में मराठों और मुगलों के बीच युद्ध के दृश्य दिखाए गए। वहीं, इससे पहले फिल्म का पहला गाना जाने तू रिलीज हुआ।इससे पहले फिल्म के गाने के दृश्य को लेकर ही विवाद शुरू हुआ। दरअसल, हाल ही में फिल्म एक ऐसे दृश्य के कारण विवादों में घिर गई थी, जिसमें मराठा सम्राट छत्रपति संभाजी महाराज को नाचते हुए दिखाया गया था।

इस आपत्तिजनक दृश्य के कारण इतिहासकारों और विभिन्न संगठनों ने आपत्ति जताई। कई लोगों ने तो इस ऐतिहासिक ड्रामा पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग की। हालांकि निर्माताओं ने उस दृश्य को हटाने का फैसला किया। मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित, छावा में रश्मिका मंदाना, अक्षय खन्ना, आशुतोष राणा, दिव्या दत्ता और नील भूपालम भी हैं। फिल्म में आशुतोष राणा सरसेनापती हंबीरराव मोहिते की भूमिका में नजर आएंगे। अक्षय खन्ना औरंगजेब का किरदार निभाएंगे, जबकि दिव्या सोयराबाई की भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म 14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भाग्य लक्ष्मी में मलिष्का का किरदार निभाएंगी मेघा प्रसाद

टीवी सीरियल भाग्य लक्ष्मी में नई अभिनेत्री मेघा प्रसाद शामिल हुई हैं। शो की मुख्य अभिनेत्री ऐश्वर्या खरे ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर उन्हें बधाई दी। मेघा, मायरा मिश्रा की जगह लेंगी। मिश्रा ने इस धारावाहिक में नेगेटिव किरदार निभाया है।शो से संबंधित हर एक पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर करने वाली अभिनेत्री ऐश्वर्या खरे ने शो में नए सदस्य के स्वागत के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर मेघा प्रसाद की एक तस्वीर शेयर करते हुए ऐश्वर्या खरे ने कैप्शन में लिखा, भाग्य लक्ष्मी की मलिष्का आपका स्वागत है। मैं शो में आपको देखने के लिए उत्सुक हूं।तस्वीर के साथ ऐश्वर्या ने आमिर खान, रानी मुखर्जी और करीना कपूर स्टारर तलाश फिल्म के गाने मुस्कानें झूठी हैं. को भी जोड़ा।

भाग्य लक्ष्मी का प्रसारण जी टीवी पर होता है, जिसकी कहानी लक्ष्मी, ऋषि और मलिष्का के ईर्द-गिर्द घूमती है। ऋषि और लक्ष्मी की प्रेम कहानी में मलिष्का नई-नई चालें चलती नजर आती है।इससे पहले शो में लक्ष्मी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ऐश्वर्या खरे ने शो में मेकअप खुद करने पर बात की थी। अभिनेत्री ने बताया था कि वह अपना मेकअप खुद करती हैं और ऐसा करने से उन्हें गर्व के साथ खुशी भी मिलती है।ऐश्वर्या ने बताया था कि उनके लिए मेकअप का मतलब सिर्फ अच्छा दिखना नहीं है बल्कि यह खुद के प्रति सच्चे रहने और संतुष्टि के लिए भी जरूरी है और हाथ में ब्रश और बगल में कॉफी का कप लेकर आईने के सामने बैठना अभिनेत्री के दिन की शुरुआत करने के पसंदीदा तरीकों में से एक है।खरे ने बताया था, यह मुझे खुद को जमीन जुड़ा रखने, आत्मविश्वासी महसूस कराने और अपने आप में रहने का आनंद लेने का मौका देता है। सादगी की अपनी सुंदरता होती है और खुद को लक्ष्मी के रूप में देखना मुझे गर्व से भर देता है।अभिनेत्री का शो के कलाकारों के साथ खास बॉन्ड है। उन्होंने बताया था कि वह अपनी ऑन-स्क्रीन बेटी त्रिशा सारदा में खुद का एक छोटा संस्करण देखती हैं।ऐश्वर्या ने कहा था, जब से पारो ने हमारे साथ शूटिंग शुरू की है, तब से वह हमारी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा बन गई है। शुरू में मुझे एक बच्चे के साथ शूटिंग करने में संदेह था। लेकिन, वह अपनी उम्र के हिसाब से बहुत प्रतिभाशाली और परिपक्व लड़की है। मुझे लगता है कि हम बहुत समान हैं, हर बार जब मैं उसे देखती हूं, तो मुझे लगता है कि मैं खुद का एक छोटा संस्करण देख रही हूं।ऐश्वर्या ने कहा था, मैं अक्सर उससे कहती हूं- तू बिल्कुल मेरी जैसी है, जब मैं बच्ची थी, तो मैं भी उनकी तरह हर चीज पर सवाल उठाती थी, जब तक कि मुझे स्पष्टता नहीं मिल जाती। वह सेट पर सभी के साथ बहुत अच्छी तरह से रहती है। कैमरे के सामने भी वह बहुत आत्मविश्वासी हैं, उन्हें बस एक बार स्पष्ट ब्रीफ दें और वह जानती हैं कि क्या करना है और कैसे करना है। मुझे लगता है कि मैं उनकी ऑन-स्क्रीन मां बनने के लिए बनी हूं।

बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों के लिए तरस रही देवा

अभिनेता शाहिद कपूर की फिल्म देवा से निर्माताओं को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर इसका हाल-बेहाल है।यह फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई। फिल्म की रिलीज को 5 दिन हो गए हैं और यह अब तक 25 करोड़ रुपये नहीं कमा पाई।अब देवा की कमाई के पांचवें दिन के भी आंकड़े सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, देवा ने अपनी रिलीज के पांचवें दिन यानी पहले मंगलवार को 2.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 24.25 करोड़ रुपये हो गया है।देवा ने 5.5 करोड़ रुपये के साथ टिकट खिड़की पर धीमी शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 6.4 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 7.25 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। चौथे दिन इसने 2.75 करोड़ रुपये कमाए।इस एक्शन ड्रामा में शाहिद ने एक दबंग पुलिसवाले का किरदार निभाया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें, क्योंकि क़िस्मत ख़ुद बहुत आलसी होती है। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे। आपकी भागदौड़ भरी दिनचर्या के कारण आपका जीवनसाथी ख़ुद असहज महसूस करेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। बड़े व्यापारिक लेन-देन करते वक़्त अपनी भावनाओं पर क़ाबू रखें। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ङ,छ,के,को,ह

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। यह इस बात को समझने का सही वक़्त है कि चिंता की आदत ने आपके सोचने की क्षमता को ख़त्म कर दिया है। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। ना-ते-रिश्तेदार तरक़्क़ी और समृद्धि के लिए नयी योजनाएँ लाएंगे। जीवनसाथी से बहुत ज़्यादा उम्मीदें रखना आपको वैवाहिक जीवन में उदासी की तरफ़ ले जा सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप काम को अलग रखकर थोड़ा आराम करें और कुछ ऐसा करें जिसमें आपकी दिलचस्पी हो। आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

तली-भुनी खाने की चीज़ों से किनारा करें। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं- लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना-देना नहीं है। आपका जीवनसाथी आपको ज़्यादा ख़ास वक़्त देने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। आज के दिन कार्यक्षेत्र में चीज़ें वाक़ई बेहतरी की ओर बढ़ सकेंगी । आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। इसके बाद घर के लोगों को मनाने में आपका काफी समय जा सकता है। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

घर और दफ़्तर में कुछ दबाव आपको गुस्सैल बना सकता है। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। शादी लायक़ युवाओं का रिश्ता तय हो सकता है। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना था। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। ख़ाली वक्त में आज कुछ रचनात्मक कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। तनाव का दौर बरक़रार रहेगा, लेकिन पारिवारिक सहयोग मदद देगा। आज के इस ख़ूबसूरत दिन प्रेम-संबंध में आपकी सभी शिकायतें ग़ायब हो जाएंगी। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। अपने काम से आराम लेकर आज आप कुछ समय अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दाँत का दर्द या पेट की तक़लीफ़ आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। तुरंत आराम पाने के लिए अच्छे चिकित्सक की सलाह लेने में कोताही न बरतें। आज आपको समझ आ सकता है कि धन को बिना सोच विचारे खर्च करना आपको कितना नुक्सान पहुंचा सकता है. घर में साफ़-सफ़ाई की ज़रूरत तुरंत है। हमेशा की तरह इस काम को अगली बार के लिए न टालें और कमर कस कर जुट जाएँ। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। आपको ऐसी गतिविधियों में संलग्न होने की ज़रूरत है, जहाँ आपको अपने समान रुचियों के लोगों से मिलने का मौक़ा मिले। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। जिन लोगों के घर वाले शि-कायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

गर्भवती महिलाओं को चलते-फिरते समय ख़ास ख़याल रखने की ज़रूरत है। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। घर में कुछ बदलाव लाने के लिए पहले बाक़ी लोगों की राय भली-भांति जान लें। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। किसी नये काम के आगाज के लिए आपको पहले उसके बारे में अनुभवी लोगों से बात करनी चाहिए। अगर आज आपके पास समय है तो उस क्षेत्र के अनुभवी लोगों से मिल लें जो काम आप शुरु करने वाले हैं।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 07 फरवरी 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 09:28 तक
नक्षत्र : रोहिणी सायं 06:41 तक
योग : ऐन्द्र सायं 04:16 तक
करण : तैतिल प्रातः 10:10 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:46 , सूर्यास्त 06:14 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:44 , सूर्यास्त 06:23 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:38 , सूर्यास्त 06:14 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:36 , सूर्यास्त 06:06 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : रोहिणी व्रत

पांडित्य विषय में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कांग्रेस का अस्तित्व उत्तर प्रदेश में ही नहीं, पूरे देश में कहीं नहीं है: बेढम

जयपुर,06 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राम गोपाल यादव के कांग्रेस वाले बयान पर राजस्थान सरकार के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने प्रतिक्रिया दी है। जवाहर सिंह बेढम ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान राम गोपाल यादव के कांग्रेस वाले बयान को लेकर कहा कि वे अच्छी तरह से जानते हैं कि कांग्रेस का अस्तित्व उत्तर प्रदेश में नहीं, पूरे देश में ही कहीं नहीं है। धोखे से कहीं कोई वोटों के फेर से इधर उधर से एक आध कोई सीटें निकल के आ जाती हैं, बाकी कांग्रेस अप्रासंगिक हो गई है। इनके नेत-ाओं और कार्यकर्ताओं को कोई गंभीरता से नहीं लेता है। इनके पास कोई विजन

नहीं है।

राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने दिल्ली चुनाव और एग्जिट पोल को लेकर दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी से परेशान हो चुकी है। लोग आप सरकार और अरविंद केजरीवाल से ऊब चुके हैं, इसलिए उन्होंने इस बार दिल्ली में भाजपा सरकार बनाने का फैसला लिया है। मुझे पूरा भरोसा है कि जिस तरह एग्जिट पोल भाजपा सरकार की तरफ इशारा कर रहे हैं। मैं निश्चित रूप से कहना चाहूंगा दिल्ली में भारी बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी। बता दें कि रामगोपाल यादव ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के रवैये पर सवाल उठाया। सपा नेता कहा था कि दिल्ली में कांग्रेस भाजपा की भाषा बोल रही थी। जिसको भी अहंकार हो जाता है, वह विनाश की तरफ ही जाता है। यदि कांग्रेस को अहंकार नहीं होता तो हरियाणा में एक-दो सीट हमको भी दे सकते थे।

कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को पितृशोक

जयपुर,06 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के कैबिनेट मंत्री और पूर्व ओलंपियन कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के पिता कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 7 फरवरी 2025 को पांच्यावाला, जयपुर में किया जाएगा। कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ भारतीय सेना में दीर्घकालिक सेवा देकर देश की रक्षा और सेवा में अपना जीवन समर्पित करने वाले अनुकरणीय व्यक्तित्व थे। उनके आदर्श, शिक्षा और मार्गदर्शन ने न केवल परिवार बल्कि समाज को भी प्रेरित किया।

अपने पिता के निधन पर कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, उनकी शिक्षा, आदर्श और आशीर्वाद सदैव मुझे कर्तव्यपथ पर राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे। ईश्वर से प्रार्थना है कि मेरे पूज्य पिताजी की पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। इस दुखद समाचार पर राजनीतिक, सैन्य और सामाजिक क्षेत्रों से जुड़ी कई हस्तियों ने शोक व्यक्त किया है।

भजनलाल शर्मा ने स्व.कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ को श्रद्धासुमन अर्पित किए

जयपुर,06 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के निजी आवास पर पहुंचकर उनके पिता स्व. कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ की पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

शर्मा ने कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए और परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, वन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, सैनिक कल्याण राज्य मंत्री विजय सिंह, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

बीकानेर कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

सांडों की लड़ाई में मृत व्यक्ति के परिवार को 33.22 लाख मुआवजा देने का आदेश, सरकार को माना दोषी

बीकानेर,06 फरवरी (एजेंसियां)। बीकानेर डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने एक अहम फैसले में राज्य सरकार और पंचायत समिति को आवारा पशुओं की समस्या पर लापरवाही के लिए दोषी ठहराया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आवारा पशुओं को नियंत्रित करना प्रशासन की जिम्मेदारी थी, जिसमें विफलता के कारण एक निर्दोष व्यक्ति की जान गई। इस आधार पर, मृतक आसाराम सुथार के परिजनों को 33.22 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया गया है।

सरकार और पंचायत समिति की लापरवाही : कोर्ट ने कहा कि आवारा पशुओं को गौशालाओं में रखना और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार और पंचायत समिति की जिम्मेदारी थी, जो सही ढंग से नहीं निभाई गई। मृतक की वार्षिक आय के आधार पर आश्रितों की आर्थिक स्थिति का आकलन किया गया, जिससे उन्हें न्याय दिलाने के लिए 33.22 लाख रुपए का मुआ-वजा निर्धारित किया गया। यह फैसला प्रशासन के लिए एक नजीर बन सकता है, जिससे भविष्य में सरकार और स्थानीय निकाय अपनी जिम्मेदारी निभाने के प्रति अधिक गंभीर होंगे। यह फैसला सिर्फ एक परिवार को न्याय दिलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रशासन को उसकी जिम्मेदारी का अहसास कराता है। यदि स्थानीय प्रशासन अपनी भूमिका निभाने में विफल रहता है, तो ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई आगे भी जारी रह सकती है।

20 मिनट का प्रदर्शन : युवा कांग्रेस की संजीदगी पर सवाल

जयपुर,06 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान युवा कांग्रेस का बेरोजगारी विरोधी प्रदर्शन महज़ 20 मिनट में ही खत्म हो गया। सवाल यह है कि क्या यह सच में बेरोजगारी के खिलाफ आवाज़ उठाने का गंभीर प्रयास था या केवल एक औपचारिकता पूरी करने की कवायद?

युवा कांग्रेस का दावा था कि वे भाजपा कार्यालय का घेराव करेंगे, लेकिन पुलिस ने उन्हें इससे पहले ही रोक दिया। यह तय था कि प्रशासन किसी भी संभावित हंगामे के मद्देनज़र पहले से तैयार रहेगा। परंतु, सवाल यह उठता है कि कांग्रेस का युवा नेतृत्व खुद कितना तैयार था? प्रदेशाध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया और कार्यकारी अध्यक्ष यशवीर सूरा जैसे प्रमुख नेत-ाओं की अनुपस्थिति प्रदर्शन की गंभीरता पर सवाल खड़े करती है।राहुल गांधी के समर्थन में किए गए इस प्रदर्शन की 'राजनीतिक मियाद' सिर्फ 20 मिनट थी, लेकिन बेरोजगारी का मुद्दा दशकों से युवाओं की जिंदगी का सबसे लंबा संघर्ष बना हुआ है।

सूर्य नमस्कार में फिर सिरमौर बना राजस्थान

शिक्षा मंत्री ने ग्रहण किया विश्व कीर्तिमान का प्रमाण पत्र

जयपुर,06 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान ने सूर्य नमस्कार में एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। 3 फरवरी को हुए एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम में आयोजित सूर्य नमस्कार में एक करोड़ 53 लाख से अधिक लोगों ने एक साथ सूर्य नमस्कार करते हुए पूर्व के 1.33 करोड़ प्रतिभागियों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। गुरुवार को विधानसभा परिसर में वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधि प्रथम भल्ला ने इस उपलब्धि का प्रोविजनल प्रमाण पत्र शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को सौंपा।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सभी प्रदेशवासियों को इस विश्व रिकॉर्ड की बधाई देते हुए कहा कि सूर्य नमस्कार न केवल हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, बल्कि यह शारीरिक स्वास्थ्य और तनाव मुक्त जीवन के लिए भी आवश्यक है। उन्होंने सभी से योग को प्रतिदिन की दिनचर्या में अपनाने की अपील की।

अमेरिका से निर्वासित किए जाने वाले लोगों के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़,06 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर अमेरिका में रह रहे भारतीयों को हथकड़ी, बेड़ियों में जकड़कर सैन्य विमानों से जबरन निर्वासित किए जाने की खबरों पर गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि अमेरिका ने सैन्य विमान से बेड़ियों में बांधकर भारतीय नागरिकों को वापस भेजा। ये हर भारतीय और भारत का अपमान है। उन्होंने इस विषय पर आज संसद भवन परिसर में INDIA गठबंधन के सांसदों के साथ बीजेपी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया व शून्यकाल का नोटिस दिया। नोटिस में उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार द्वारा अवैध दस्तावेजों के आधार पर बड़े पैमाने पर भारतीय नागरिकों को अपमान जनक ढंग से हथकड़ी व बेड़ियों में जकड़कर सैन्य विमानों से अमेरिका से निर्वासित किया जा रहा है। जिससे विशेष रूप से हरियाणा के नौजवान बड़ी संख्या में हैं। ये युवा रोज़गार की तलाश में अपनी ज़मीन-जायदाद बेचकर, जान जोखिम में डालकर वहाँ गये लेकिन अब आर्थिक बर्बादी और सामाजिक विस्थापन का सामना कर रहे हैं।

केंद्र की भाजपा सरकार बार-बार दावा करती रही है कि अमेरिका के राष्ट्रपति पीएम के दोस्त हैं लेकिन अमेरिका का राष्ट्रपति बनते ही पीएम के दोस्त ने बड़ी तादाद में भारतीयों को अपमानजनक तरीके से जबरन निर्वासित कर दिया। उन्होंने मांग करी कि प्रधानमंत्री तुरंत अमेरिकी सरकार से बात करें ताकि वर्षों से अमेरिका में रह रहे भारतीयों को अपमानजनक ढंग से न निकाला जाए। इसके अलावा केंद्र सरकार निर्वासन का सामना कर रहे भारतीयों के लिए कानूनी सहायता हेतु अमेरिका के साथ कूटनीतिक स्तर पर बातचीत करें। तत्काल पुनर्वास प्रदान करें, जिसमें वित्तीय सहायता और रोजगार के अवसर शामिल हों। प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए एक कानूनी सहायता कक्ष स्थापित किया जाए।

मोहनलाल बड़ौली,रॉकी मित्तल मामले में नया खुलसा

हनीट्रैप एंगल आया सामने

चंडीगढ़,06 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली और हरयाणवी सिंगर रॉकी मित्तल से जुड़े केसौली मामले में नया मोड़ सामने आया है। इस मामले में हनीट्रैप का एंगल सामने आया। जिसमें पुलिस ने आरोपी लड़की और अमित बिंदल के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पंचकूला पुलिस ने गायक रॉकी मित्तल की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। पंचकूला पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि शिकायतकर्ता से लड़की और उसके साथियों ने हनी ट्रैप के जरिए पैसों की मांग की थी। यह मामला रॉकी मित्तल की शिकायत में दर्ज है। इन सभी सवालों को लेकर रॉकी मित्तल ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जिसके आधार पर धारा 308 (2), 308 (5), 61 और 351 (2) के अनुसार मामला दर्ज किया गया।कसौली में एक महिला ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बद्री और गायक रॉकी मित्तल के खिलाफ बलात्कार की शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, हनीट्रैप का मामला सामने आया।आरोपी लड़की और अमित बिंदल ने कथित तौर पर दोनों को फंसाने और उनसे पैसे ऐंठने की साजिश रची थी। फिलहाल पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और अन्य संदिग्धों की तलाश कर रही है।

बहरहाल ऐसे में अब ये कहना मुश्किल होगा कि ये एक सोची समझी चाल थी या इसमें अभी और बड़े नाम भी जुड़ेंगे ? यह जाँच के बाद ही साफ हो पाएगा।

सरकार रोजगार के अवसर प्रदान करे तो युवाओं को विदेश जाने की जरूरत ही नहीं: सैलजा

चंडीगढ़,06 फरवरी (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि जिस प्रकार से अमेरिका सरकार ने 104 भारतीयों को डिपोर्ट किया है उससे केंद्र सरकार को सबक लेना चाहिए, अगर

विदेश में नौकरी की तलाश में जाने वाले युवाओं को देश में ही रोजगार उपलब्ध करवा दिया गया होता तो आज ये हालात ने होते। डोन-ाल्ड ट्रंप की जय जयकार करने वाले पीएम को ट्रंप ने आईना दिखा दिया है। भारत की कूटनीतिक विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए निर्णायक रूप से सरकार को कार्य करना होगा। अगर सरकार देश के श्रमिकों को इजरायल में रोजगार उपलब्ध करवा सकती है तो अपने स्तर पर दूसरे देशों में क्यों नहीं। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि अमृतसर एयरपोर्ट पर 104 लोगों को लेकर जो अमेरिकी विमान उतरा है, उसमें हरियाणा के 33 नागरिक नागरिक भी शामिल है। इनमें से अधिकतर वे लोग है तो रोजगार की तलाश में अपनी जमीन और मकान बेचकर या गिरवी रखकर गए थे। अमेरिकी सरकार अभी सैकड़ों लोगों को भारत भेजने की तैयारी कर रही है। सरकार को इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए और अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत करने और निर्वासित व्यक्तियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे कूटनीतिक उपायों की रूपरेखा तैयार करनी चाहिए।

स्कूली बच्चों को क्राइम से बचाने के लिए कार्यशाला

बच्चों को अपराध से बचाने और उनके संरक्षण को लेकर मंथन

सिरसा,06 फरवरी (एजेंसियां)। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से पंचायत भवन में संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूली बच्चों को अपराध से बचाने और उनके संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाई गई। इस अवसर पर स्कूलों के प्राचार्य, अध्यापक, बाल विकास विभाग सहित अन्य सरकारी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यशाला में भारतीय न्याय संहिता, जेजे एक्ट, पोक्सो एक्ट, स्पॉन्सरशिप स्कीम, फोस्टर केयर स्कीम तथा बच्चों से संबंधित अन्य कानूनों पर विशेषज्ञों ने विचार रखे।जिला परिषद के सीईओ सुभाष चन्द्र ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए कहा कि बच्चों को अपराध की ओर बढ़ने से रोकने के लिए स्कूलों और परिवारों को विशेष सतर्कता बरतनी होगी। अध्यापक समय-समय पर बच्चों के परिजनों से संवाद करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि बच्चे स्कूल में उपस्थित हो रहे हैं या नहीं।यदि किसी बच्चे की गतिविधियां संदिग्ध लगती हैं, तो इसकी जानकारी परिजनों को दें। परिजन ध्यान रखें कि बच्चे मोबाइल पर क्या देख और सुन रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सही दिशा-निर्देशन से बच्चों को अपराध की दुनिया से दूर रखा जा सकता है।कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि बच्चों को अपराध से बचाने के लिए समाज, स्कूल और परिवार को मिलकर कार्य करना होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में संवेदनशीलता, जागरूकता और सुरक्षा की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम में डॉक्टर्स, काउंसलर्स, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अन्य विषय विशेषज्ञों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

सरकारी राशि गबन के मामले में लिपिक गिरफ्तार

पंचकूला,06 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के पंचायत विभाग में 50 करोड़ रुपये से अधिक के गबन मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की फरीदाबाद टीम ने आरोपी विवेक कुमार को गिरफ्तार किया है।

आरोपी विवेक कुमार, स्टेनो (डी.सी. रेट), कार्यालय बी.डी.पी.ओ. हसनपुर, जिला पलवल को 6 फरवरी 2025 को ठोस साक्ष्यों के आधार पर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी विवेक कुमार ने बताया कि राकेश (लिपिक, बी.डी.पी.ओ. हसनपुर) उसका सगा जीजा है और उसी ने 2019 में उसे इस पद पर नियुक्त कराया था।

राकेश ने विवेक के खाते में 38.50 लाख ट्रांसफर किए थे, जिसे विवेक ने नकद वापस कर दिया।

विवेक ने खुलासा किया कि राकेश गबन की राशि से सेवानिवृत्त एसओ शमशेर सिंह को हिस्सा देने के लिए चंडीगढ़ जाता था, जिसमें विवेक और ड्राइवर दीपक भी शामिल होते थे। वे मोहाली और जीरकपुर के रेडिसन होटल में

ठहरते थे।

अप्रैल 2023 में विवेक, राकेश, शमशेर और दीपक हवाई जहाज से गोवा गए, जहां होटल ताज रिज़ॉर्ट में ठहरकर जिलों/ब्लॉकों को पंचायत विभाग से मिलने वाले फंड्स में हेराफेरी करने की योजना बनाई। जनवरी, अप्रैल, जुलाई, अगस्त और नवंबर 2024 में भी ये सभी गोवा घूमने गए और ताज रिज़ॉर्ट व रेडिसन होटल में रुके। गिरफ्तारी के बाद विवेक कुमार को 6 फरवरी 2025 को पलवल के सीजेएम न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जिला जेल, पलवल भेज दिया गया। इस मामले में अन्य आरोपियों की संलिप्तता की जांच कर रही है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

सीएम नीतीश ने शेखपुरा को दी बड़ी सौगात

150 करोड़ की योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

शेखपुरा (एजेंसियां)।

गुरूवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के अंतर्गत शेखपुरा जिला के घाटकुसुम्भा प्रखंड के गगौर पंचायत पहुंचे। आज के प्रगति यात्रा के क्रम में उक्त पंचायत में मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं को देखा। इस अवसर पर गगौर पंचायत में जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के द्वारा मनरेगा से निर्मित पंचायत स्तर पर खेल का मैदान, पंचायती राज द्वारा निर्मित पंचायत सरकार भवन, शिक्षा विभाग के अंतर्गत कस्तूरबा विद्यालय घाटकुसुम्भा एवं मध्य विद्यालय गागौर का जायजा लिया गया। इसके अतिरिक्त अमृत सरोवर के तहत जीर्णोद्धार सरोवर, समेकित बाल विकास परियोजना अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर को भी देखा गया।इस दौरान उनके एक झलक पाने हेतु भारी मात्रा में लोग उपस्थित थे। उन्होंने हाथ हिलाकर सबका अभिनंदन भी किया। पंचायती राज विभाग से निर्मित डीपीआरसी भवन का उद्घाटन किया। जहां पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण देने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। वही स्वास्थ्य विभाग के हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर पर मुख्य आकर्षण का केंद्र हेल्थ एटीएम रहा, जिसमें कुल तरह की जांच मिनटों में कराई जा सकती है। मध्य विद्यालय गगौर एवं कस्तूरबा विद्यालय में बनाए गए एस्ट्रो लैब एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब को देखकर सराहना की गई।

पंचायत स्तर पर सभी लोगों को एक ही छत के नीचे सरकार की सुविधाएं उपलब्ध करने हेतु बनाए गए पंचायत सरकार भवन गगौर का भी उद्घाटन उनके द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से रोस्टर वार सरकारी

पदाधिकारी एवं कर्मी यह बैठे ताकि लोगों को ज्यादा परेशानी नहीं हो।

उन्होंने गगौर पंचायत में निर्मित खेल मैदान का भी अवलोकन किया। खेल के क्षेत्र में बिहार से भी आए दिनों नए टैलेंट उभर के आ रहे हैं। पंचायत स्तर पर ही विभिन्न खेल संरचना के उपलब्ध होने से खिलाड़ियों को अब और भी सुविधा होगी। उन्होंने विभिन्न विभागों के द्वारा निर्मित स्टालों का अवलोकन भी किए। जहां वे लाभार्थियों से मिलते हुए उन्हें विभिन्न योजनाओं के तहत सहायता राशि या सर्टिफिकेट भी अपने हाथों से सौंपे। उन्होंने विभिन्न प्रदर्शनियों को देखते हुए जानकारी भी प्राप्त की तथा उसकी सराहना भी किए। उन्होंने राजीव गांधी सेवा केंद्र में जीविका दीदी ज्वारा संचालित जीविका दीदी की लाइब्रेरी को देखते हुए सराहना किए। उन्होंने कहा कि आज बिहार महिला सशक्तिकरण की नई पहचान बन रहा है,जिसकी एक बेमिसाल उद्यान जीविका समूह है ।

जीविका के स्टॉल पर माननीय मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूह से जुड़ी जीविका दीदियों द्वारा बनाए गए उत्पादों का अवलोकन किया और जीविका स्वयं सहायता समूह की संरचना और परिकल्पना पर दीदियों से वार्ता की। स्टॉल पर जीविका भवन की चाभी सौंपी, तंजौर कलाकृतियों को सराहा। जीविका दीदी की सिलाई घर द्वारा निर्मित पोशाक एवं परिधानों के साथ-साथ सदर अस्पताल में संचालित हेल्थ डेस्क, कृषि उद्यमी दीदियों द्वारा किए जा रहे हैं गतिविधियों और सतत जीविकोपार्जन योजना अंतर्गत की जा रही गतिविधियों से रूबरू हुए। स्टॉल पर माननीय मुख्यमंत्री ने सतत् जीविकोपार्जन योजना अंतर्गत 505 लाभुकों को 3 करोड़ 9 लाख 12 हज़ार, 1700 स्वयं सहायता समूहों को सामुदायिक निवेश निधि के तहत 3 करोड़ 79 लाख तथा 1200 स्वयं सहायता समूहों को बैंकों द्वारा वित्तीय समावेशन के तहत 49 करोड़ 46 लाख से अधिक की राशि का सांकेतिक चेक वितरित किया।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को प्रगति यात्रा के तहत शेखपुरा पहुंचे। जहां उन्होंने 150 करोड़ की विकास योजन-ाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इसमें सौ करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन तो 50 करोड़ की योजनाओं का उन्होंने शिलान्यास किया। इन विकास योजनाओं में सड़क, नली, गली, सोलर लाइट, आहर, पईन के साथ खेल मैदान और पंचायत सरकार भवनों का निर्माण शामिल है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गगौर गांव में योजनाओं की शुरुआत किया। 14 पंचायतों में बन चुके खेल मैदानों का उद्घाटन भी किया। जिसमें पंचायतों में खेल मैदान की शुरुआत हुई है, उनमें गगौर, माफो, सर्वा, सामस बुजुर्ग, छठियारा, लोहान, चोरदरगाह एवं विमान शामिल हैं. इस यात्रा के दौरान उन्होंने पथ निर्माण विभाग की चार सड़कों का उद्घाटन भी किया। योजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास के लिए गगौर के हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर के पास स्थित मैदान में शिलापट्ट भी लगाए गए।

एनएच333ए 11वें किलोमीटर टोठिया पहाड़ मोड़ से कुसुंभा भाया मटोखर बाईपास निर्माण-42.10 करोड़, नेमदारगंज से रमजानपुर सड़क का चौड़ीकरण - 43.96 करोड़, जख़राज स्थान से हुसैनाबाद तक बाईपास निर्माण- 16.74 करोड़, मटोखर दह में वाटर स्पोर्ट्स का विकास एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना - 70.15 करोड़, पर्यटन एवं धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण सामस विष्णुधाम मंदिर का सौंदर्यीकरण एवं विकास- 29.55 करोड़, शेखपुरा जिला में 1000 क्षमता वाले प्रेक्षा गृह का निर्माण- 19.90 करोड़, सकरी सिंचाई योजना अंतर्गत बाजिदपुर से निशृत मीरज़ैन नहर प्रणाली (0.00 किमी से 28.00 किमी तक) एवं मीरज़ैन नहर के बी0दू0 10.00 किमी से निश्रित तेउसायिन ब्रांच कैनाल(0.00 किमी से 8.00 किमी) तक पुनर्स्थापन एवं लाइनिंग कार्य - 123.11 करोड़, चेवाड़ा प्रखंड में नया प्रखंड कार्यालय-सह-आवास परिसर- 30 करोड़ की राशि से निर्माण कराया जायेगा।

मुख्यमंत्री योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में चयनित एवं प्रशिक्षण उपरांत लाभुकों को 1.70 करोड़ रुपए का सांकेतिक चेक दिया गया। बिहार लघु उद्यमी योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024 25 में अंतिम रूप से चयनित एवं प्रशिक्षण उपरांत कुल 221 लाभुकों को 1.64 करार रुपए का सांकेतिक चेक दिया गया। जबकि मुख्यमंत्री प्रखंड परिवहन योजना अंतर्गत बासुकीनाथ को 05 लाख की सहायता राशि दी गई, मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना अंतर्गत धीरज कुमार, शंभू मांझी एवं मोहम्मद अशरफ को ई- रिक्शा खरीदने हेतु सहायता राशि दी गई। साथ ही राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत मधुमिता कुमारी को प्याज भंडारण इकाई के निर्माण हेतु कुल 06 लाख के लागत का 75 प्रतिशत अनुदान के रूप में दिया गया, जिसका डमी चेक मुख्यमंत्री के द्वारा दिया गया।

अंचल अधिकारी को मिला विशेष अधिकार

लॉक जमाबंदी को कर सकेंगे अनलॉक

पटना (एजेंसियां)।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने डिजिटाइजेशन के दौरान हुई त्रुटियों के कारण लॉक की गई जमाबंदी को अनलॉक करने के लिए नया दिशा निर्देश जारी किया है। जमाबंदी की वैधता की जांच और उसे लॉक या अनलॉक करने की शक्ति अब अंचल अधिकारियों को दी गयी है। पहले यह अधिकार भूमि सुधार उप समाहर्ताओं को दिया गया था किन्तु कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं होने के कारण विभाग ने यह निर्णय लिया है। इस संबंध में निदेशक, चकबंदी द्वारा सभी समाहर्ताओं को पत्र लिखा गया है।

लॉक जमाबंदी में सरकारी भूमि शामिल होने पर अंचल अधिकारी द्वारा अभिलेख खोलकर उसकी जांच की जाएगी। सरकारी भूमि पाए जाने की स्थिति में संबंधित पक्ष को नोटिस निर्गत कर और उसे सुनवाई का उचित अवसर प्रदान करते हुए उसे रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी। जांच के क्रम में सरकारी भूमि से अलग अर्थात रैयती स्वरूप की भूमि पाए जाने की स्थिति में उसे अनलॉक करने की कार्रवाई की जाएगी। विभागीय समीक्षा में यह पाया गया कि लंबे समय से यह प्रक्रिया जारी रहने के बावजूद

डिजिटाइजेशन के दौरान छूटी हुई जमाबंदी की वैधता की जांच एवं उसे लॉक या अनलॉक करने की कार्रवाई नहीं की जा रही है। विभागीय बैठकों में भूमि सुधार उप समाहर्ताओं द्वारा बताया गया कि रैयती भूमि के जमाबंदी सृजन का साक्ष्य अंचलों द्वारा उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण उन्हें निर्णय लेने में परेशानी हो रही है।

पूर्व में भी इस संबंध में एक पत्र चकबंदी निदेशक द्वारा सभी जिला पदाधिकारियों को लिखा गया था। पत्र में कहा गया था कि लॉक जमाबंदी की जांच के क्रम में रैयती भूमि का मामला पाया जाता है तो उसे अनलॉक करने की कार्रवाई करके उसकी सूची मौजावार पोर्टल पर प्रदर्शित किया जाए। डिजिटाइजेशन के क्रम में कुछ जमाबंदियों रैयतों के नाम, खाता, खेसरा, रकवा एवं लगान से संबंधित विवरणों में अशुद्धियां रह गई थीं। साथ ही अनेक रैयतों की जमाबंदी ऑनलाइन नहीं की जा सकी थी। बाद में शिकायत मिली की अंचलों में ऐसी छूटी हुई जमाबंदियों को गलत तरीके से पंजी-2 में जमाबंदी कायम कर दिया गया और फिर उसे ऑनलाइन कर दिया गया। इस प्रकार की 9.65 हजार जमाबंदियों को छूटा हुआ बताकर ऑनलाइन कर दिया गया था।

राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि करीब 10 लाख जमाबंदियों को संदेहास्पद पाया गया था। जांच में तेजी लाने के लिए इस काम को भूमि सुधार उप समाहर्ताओं से लेकर अंचल अधिकारियों को दिया गया है। साथ ही उन्हें रैयती भूमि की जांच कर उन जमाबंदियों को शीघ्र अनलॉक करने का निदेश दिया गया है ताकि आमलोगों को दाखिल-खारिज के काम में कोई असुविधा नहीं हो।

दो ट्रक चालकों के शव मिलने से इलाके में हड़कंप, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के भोजपुर जिले में दो ट्रक चालकों के शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। दोनों चालक एक राइस मिल में काम करते थे। वे कल काम पर गए थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। सुबह उनका शव डुमरिया के पास नहर से मिला।

मृतकों की पहचान पंकज कुमार (22) और जितेंद्र कुमार (35) के रूप में हुई है। पंकज भोजपुर के जैतपुर गांव के रहने वाले थे, जबकि जितेंद्र जितौरा गांव के निवासी थे। दोनों ट्रक चालक थे।

परिजनों का कहना है कि यह एक हादसा नहीं बल्कि साजिश के तहत हत्या की गई है। पंकज के भाई ने बताया कि वह कल रात काम के सिलसिले में निकले थे, लेकिन फिर उनकी मौत की खबर आई। वहीं, जितेंद्र के भाई ने बताया कि जितेंद्र ने आखिरी बार फोन कर घर लौटने की बात कही थी।

पुलिस को घटनास्थल से कुछ दूरी पर एक बाइक भी मिली है, जिससे शक गहरा गया है। मजदूरों की मदद से शवों को बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

टॉप 10 में शामिल दो लुटेरे गिरफ्तार

पुलिस ने 50 हजार का इनाम किया था घोषित

मुंगेर (एजेंसियां)।

खगड़िया पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जिले के टॉप 10 अपराधियों की सूची में शामिल दो कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है, जिन पर पुलिस ने 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

इस संबंध में एसपी राकेश कुमार ने बताया कि दोनों अपराधियों के खिलाफ जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में आधे दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें लूट, हत्या, छिनतई और आर्म्स एक्ट के मामले शामिल हैं।

एसपी ने बताया कि पुलिस ने इस कार्रवाई को गोगरी थाना क्षेत्र के रजिस्ट्री मोड़ के पास अंजाम दिया, जहां दोनों अपराधी किसी

बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के चंद्र नगर निवासी अर्जुन वर्मा के पुत्र सचिन कुमार उर्फ काजल और बनारसी वर्मा के पुत्र राजा कुमार के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, दोनों अपराधी एक साथ मिलकर लूट, हत्या, छिनतई जैसी घटनाओं को अंजाम देते थे। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में इनकी आपराधिक गतिविधियों के चलते पुलिस लंबे समय से इनकी तलाश कर रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया। इन अपराधियों के खिलाफ मुफ्फसिल थाना और चौथम थाना में कई मामले दर्ज हैं।

बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह को लगा झटका कोर्ट ने जमानत याचिका को किया खारिज

पटना (एजेंसियां)।

पटना अनंत सिंह को कोर्ट ने एकबार फिर से झटका दिया है। अनंत सिंह के जमानत याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। अनंत सिंह की पटना सिविल कोर्ट के एसीजेएम - 1 में सुनवाई हुई थी जहाँ सुनवाई के दौरान एसीजेएम - 1 ने फैसला अपने पास सुरक्षित रख लिया था। वही आज गुरुवार को फैसला आया, जहाँ उनकी जमानत याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया गया है।

बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह के वकील नवीन कुमार ने बताया कि दोनों तरफ से काफी बहस हुई। अनंत सिंह के वकील नवीन कुमार ने यह दलील दी कि

जब किसी ने अनंत सिंह को गोली चलाते नहीं देखा तो फिर उन्हें जमानत देने में क्या दिक्कत है। वहीँ दूसरी तरफ से यह कहा गया कि चूंकि अभी इस मामले का अनुसंधान किया जा रहा है, ऐसे में इनका जेल से बाहर आना अनुसंधान को प्रभावित कर सकता है। इसलिए फिलहाल अनंत सिंह को जमानत न दी जाय। दोनों तरफ से काफी बहस होने के बाद कल यानी बुधवार को फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। आज एसीजेएम - 1 में सुनवाई करते हुए न्यायाधीश ने अनंत सिंह की जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह के वकील नवीन कुमार ने बताया कि हमने काफी कोशिश की लेकिन पूर्व विधायक अनंत सिंह के जमानत याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया। वकील नवीन कुमार ने कहा कि इस आदेश के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया है, जिसके तहत सेशन जज में फिर अपील की जाएगी। सेशन जज के कोर्ट में फिर से जमानत याचिका दायर की जाएगी।यह करने में कम से कम एक सप्ताह का समय लगेगा, इसलिए पूर्व विधायक अनंत सिंह को फिलहाल जेल में ही रहना पड़ेगा। 22 जनवरी को मोकामा प्रखंड अंतर्गत नौरंगा- जलालपुर गांव में गोली-बारी की घटना हुई थी। पूर्व विधायक अनंत सिंह ने आरोप लगाया था कि सोनू-मोनू गैंग की तरफ से गोलीबारी की गई थी, जबकि सोनू-मोनू की तरफ ने इस आरोप को खारिज करते हुए गोली-बारी करने का आरोप पूर्व विधायक अनंत सिंह पर लगाया था। पुलिस ने भी फायरिंग होने की बात की पुष्टि करते हुए घटनास्थल से खोखा बरामद होने की बात कही थी। इस मामले पर राजनीतिक रंग भी चढ़ने लगा था, लिहाजा बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह ने खुद को आत्म समर्पण कर दिया था। तब से वह न्यायिक हिरासत में हैं।

थाना में जमकर हुआ बवाल, हाजत में बंद युवक की संदिग्ध मौत के बाद परिजनों ने की तोड़फोड़

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर में हाजत में बंद एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जिसके बाद परिजनों ने थाने जुटकर जमकर हंगामा किया। परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस ने पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी है। युवक की मौत के बाद परिजन और ग्रामीण थाना पहुंचकर जमकर बवाल किया। थाने में घुस कर तोड़फोड़ किये जाने की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचे। घटना मुजफ्फरपुर जिले के कांटी थाना की है। मृतक की पहचान कलवारी चंद्रभान गांव निवासी शिवम झा के रूप में हुई है।

घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि बीते दिनों ही बाइक चोरी के आरोप में पुलिस ने शिवम् झा नाम के एक युवक को गिरफ्तार किया था। इस दौरान उसके कई दोस्तों को भी पुलिस ने उठाया था, जिनसे पूछताछ की जा रही थी। इसी दौरान शिवम ने आत्महत्या कर ली। हाजत में शिवम की मौत के बाद थाना में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोग और परिजन आक्रोशित हो गये। थाना पर सैकड़ो की संख्या में लोग जुट गये और पुलिस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने लगे। परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिसकर्मियों ने पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी है। घटना से गुस्साए लोगों ने थाने में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की।

घटना की जानकारी मिलते ही कई थाना की पुलिस थाना पर पहुंची। साथ में एसएसपी सुशील कुमार, ग्रामीण एसपी विद्या सागर और डीएसपी वेस्ट अभिषेक आनंद भी वहां पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझा बुझाकर मामले को शांत कराया। लोगों ने कहा कि युवक की मौत के लिए कांटी पुलिस जिम्मेदार है। परिजनों का कहना है कि हाजत में उसकी मौत हुई है। फिलहाल मौके पर भारी संख्या में पुलिस तैनात है और हालत पर काबू करने में जुटी हुई है।

घटना के संबंध में कांटी पुलिस का कहना है कि हाजत में युवक ने खुद आत्महत्या की है। बाइक चोरी के संदेह में पुलिस ने दो दिन पहले शिवम को उठाया था।और इस दौरान उसके कई दोस्त भी उठाये गए थे पुलिस सभी से पूछताछ कर रही थी इसी दौरान इस मामले की जानकारी मिली। वरीय अधिकारियों को घटना की सूचना दी गई है।

शराब निर्माण के लिए बनाये गये ड्रम में डूबने से मासूम की मौत, एसपी ने दिए जांच के आदेश

मुंगेर (एजेंसियां)।

शराबबंदी वाले बिहार में शराब निर्माण के लिए खोदे गये ड्रम में गिरने से एक मासूम की मौत हो गई। घटना मोतिहारी के सुगौली थाना क्षेत्र अंतर्गत दक्षिणी मानसिंघा पंचायत के वार्ड नंबर 5 की है। मृतक बच्चे की पहचान उसी गांव के रहने वाले होरिल सहनी के पुत्र मोरेलाल सहनी (4) के रूप में की गई है। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि दक्षिणी मनसिघा पंचायत के वार्ड नंबर 5 में नदी के समीप लोग मां सरस्वती का विसर्जन कर रहे थे। इस दौरान शराब बनाने वाले ड्रम को नदी के किनारे गड्ढा खोदकर रखा गया था, जिसके ऊपर पुआल डालकर ड्रम को छुपा दिया गया था। पुआल के कारण नीचे ड्रम के होने की जानकारी मूर्ति विसर्जन में शामिल लोगों को नही हुई। इस बीच नदी के किनारे जमीन के अंदर गाड़ी हुई शराब बनाने वाली ड्रम के अंदर मोरेलाल सहनी गिर पड़ा जिससे उसकी मौत हो गई।

स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की पड़ताल में जुट गई। मामले की जानकारी मिलते ही मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए 24घंटे के अंदर सदर एसडीपीओ से जांच रिपोर्ट की मांग कर दी है। साथ ही साथ थानाध्यक्ष को भी यह निर्देश दिया है कि शराब तस्कर की पहचान कर उस पर हत्या का मुकदमा दर्ज करे। मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने जिले के सभी थानाध्यक्षों को चेतावनी देते हुए कहा है कि शराब के विरुद्ध लापरवाही बरतना थानेदारों को बहुत महंगी पड़ने वाली है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com